THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 311 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.4 2079 बुधवार, 25 जनवरी 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

आपका अपना ट्रस्ट

अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट

की ओर से 'अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट' को उप्पल क्षेत्र में 3 एकड़ भूमि प्रदान करने पर
तेलंगाना राज्य के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले तेलंगाना के जनप्रिय मुख्य मंत्री

श्री के. चन्द्रशेखर राव जी

का

हार्दिक आभार एवं अभिनन्दन

तेलंगाना सरकार द्वारा प्रदान की गई 3 एकड़ भूमि पर 1,50,000 वर्ग फीट का विशाल पाँच मंजिला

'अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट आत्म गौरव भवन'

HMDA Layout Plot, Uppal Bhagwat, Hyderabad, Uppal to LB Nagar Road, Left lane from Metro Pillar No. C807

भूमि पूजन समारोह

आज बुधवार दि. 25 जनवरी 2023 को प्रातः 11:01 बजे

सभी अग्रबंधुओं से निवेदन है कि अग्रबंधुओं के गौरव स्तम्भ 'आत्म गौरव भवन'
के भूमि पूजन समारोह में सपरिवार, बन्धु-मित्रों सहित पधारकर
सामाजिक एकता का परिचय दे एवं कार्यक्रम की शोभा बढावें।

ठीक समय पर आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है। भूमि पूजन के पश्चात सहभोज में आप सादर आमंत्रित है।

मुख्य अतिथि

श्री के. तारक रामाराव जी
Minister of Municipal Administration & Urban Developement

श्री टी. श्रीनिवास यादव जी
Minister of Animal Husbandry

श्री मोहम्मद महमूद अली जी
Minister of Home, Prisons and Fire Services

श्री गंगुला कमलाकर जी
Minister of BC Welfare, Food, Civil Supplies and Consumer Affairs

श्री सिंगीरेड्डी निरंजन रेड्डी जी
Minister of Agriculture, Co-operation & Marketing

श्री ए. इंद्रकरण रेड्डी जी
Minister of Endowments, Law and Forest

श्रीमती सत्यवती राठोड़ जी
Minister of Tribal Welfare, Women and Child Welfare

सम्माननीय अतिथि

श्री बी. सुभाष रेड्डी जी
MLA, Uppal Constituency

श्री बी. वेंकटेशम IAS
Principal Secretary BC Welfare Department

श्री गोपालशरण गर्ग
National President, Akhil Bharatiya Agarwal Sammelan

उप्पल मेट्रो स्टेशन से
कार्यक्रम स्थल तक पहुँचने की
व्यवस्था के लिए
सम्पर्क करें –
प्रमोद अग्रवाल 9849637554

निवेदक : अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट

चेयरमैन

करोड़ीमल अग्रवाल

मैनेजिंग ट्रस्टी

राजेश अग्रवाल

कोषाध्यक्ष

कपूरचन्द गुप्ता

फाउण्डर चेयरमैन

नरेश कुमार चौधरी

अग्रोहा शक्तिपीठ तीर्थ स्थल की
पवित्र भूमि की मिट्टी एवं पवित्र अग्र सरोवर
का जल अ.भा. अग्रवाल सम्मेलन के
राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोपालशरण गर्ग
द्वारा आत्म गौरव भवन हेतु लाई जा रही है।

BHAVES

ट्रस्ट मण्डल

प्रेमचन्द गुप्ता

सुरेशकुमार अग्रवाल

राकेश पचेरिया

ओमप्रकाश बंसल

कमलचन्द अग्रवाल

मधुसुदन सौंथलिया

श्यामसुन्दर अग्रवाल

पी.डी.गुप्ता

संयोजक

महावीरप्रसाद अग्रवाल

सह-संयोजक

राजेन्द्र जालान

मनीष अग्रवाल

पुरुषोत्तमदास गोयल

गोपालदास अग्रवाल

रितेश अग्रवाल

नवीन अग्रवाल

अंजनी कुमार अग्रवाल

विजय अग्रवाल

भरत कुमार सौंथलिया

गौरव अग्रवाल

सुभाष अग्रवाल

समारोह में आगंतुक संस्थाओं से यदि कोई संस्था या अग्रवाल समाज की शाखाओं में से विशेष परिधान अथवा कोई विशेष झाँकी लेकर पधारने वाली तीन टीमों को रौशनलाल राजेशकुमार अग्रवाल परिवार द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा।

शुभकामनाओं सहित : अग्रवाल समाज, तेलंगाना

दिल्ली-एनसीआर में महसूस किए गए भूकंप के झटके

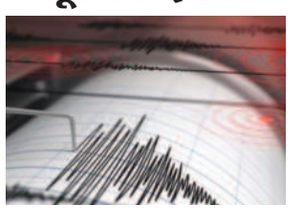

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में थोड़ी देर पहले भूकंप के झटके महसूस किए गए. भूकंप का केंद्र पश्चिम नेपाल में बताया जा रहा है, रिएक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.8 मापी गई. अभी तक मिली ताजा जानकारी के मुताबिक भूकंप की गहराई जमीन से 10 किमी नीचे थी. दिल्ली-एनसीआर में दोपहर 2.30 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए और लोग भूकंप आने के बाद हिलते पंखे और घरेलू सामान के वीडियो साझा कर रहे हैं. अभी तक भूकंप से किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं मिली है.

सर्वोच्च बलिदान देने वाले जीत कुमार का पार्थिव शरीर पहुंचा सुंदरबनी

सुंदरबनी, 24 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिला राजोरी के सुंदरबनी के जवान जीत कुमार की ड्यूटी के दौरान हृदयाघात होने से मृत्यु हो गई। वह देशी की उत्तर-पूर्वी सीमा पर स्थित त्रिपुरा में तैनात थे। जीत कुमार सुंदरबनी से सटे शिवकाशी ज्ञान गंगा आश्रम परिसर के साथ लगते गांव भजवाल के रहने वाले थे। उनके निधन की खबर सुनते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मंगलवार सुबह वीर जवान का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव पहुंचा। इलाके में गम का माहौल है। जवान जीत कुमार ने 27 वर्षों का जीवनकाल अपने देश की सेवा में दिया और अंत में अपने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

सरेराह पत्नी को चाकू से गोदा

हत्या के बाद आराम से टहलते हुए निकल गया आरोपी

वेल्लोर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दरअसल तमिलनाडु के वेल्लोर में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। हैरानी की बात ये है कि आरोपी ने सरेराह पत्नी को चाकू से गोदा, जिस दौरान आरोपी अपनी पत्नी को चाकू मार रहा था, सड़क पर लोग आ जा रहे थे। हत्या के बाद भी आरोपी आराम से मौके से निकल गया और किसी ने भी उसे रोकने की कोशिश नहीं की।

गणतंत्र दिवस पर पहली बार मुख्य अतिथि होंगे मिस्र के राष्ट्रपति

उनकी सेना की एक टुकड़ी भी करेगी मार्च, यह अवसर क्यों है खास

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के 74वें गणतंत्र दिवस समारोह में मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे. राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी के साथ पांच मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों सहित एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा. यह पहली बार है कि मिस्र के राष्ट्रपति को गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है. गणतंत्र दिवस परेड में मिस्र की सेना का एक सैन्य दल भी भाग लेगा. आपको बता दें कि मिस्र के राष्ट्रपति ने पहले अक्टूबर 2015 में तीसरे भारत अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए और सितंबर 2016 में राजकीय यात्रा पर भारत का दौरा किया था. भारत और मिस्र इस वर्ष राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष मना रहे हैं. 2022-23 में भारत की जी-20 की अध्यक्षता के दौरान मिस्र को भी 'अतिथि देश' के रूप में आमंत्रित किया गया है. खबर के मुताबिक राष्ट्रपति सिसी का कल राष्ट्रपति भवन में स्वागत किया जाएगा. इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शाम को अतिथि गणमान्य व्यक्ति के सम्मान में राजकीय भोज का आयोजन करेंगी.

दिल्ली-एनसीआर में ठंड रिटर्न्स

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर भारत में लोगों को शीतलहर से राहत मिलनी शुरू हुई ही थी कि आज से फिर कड़ाके की ठंड का आगमन हो गया है। एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने वाला है। पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों में आज से अगले 4 दिनों तक आफत की बारिश होने के आसार हैं। पहाड़ों पर बारिश और बर्फबारी के बीच आज से 26 जनवरी के बीच पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तरी राजस्थान और पश्चिमी यूपी में बारिश हो सकती है जिससे एकबार फिर ठंड बढ़ जाएगी। 26 जनवरी तक राजधानी में भी बारिश के आसार हैं। बादल और बारिश की संभावनाओं के चलते अधिकतम तापमान में गिरावट शुरू हो जाएगी।

'कांग्रेस को सुबूत चाहिए तो पाक से मांगे'

पूर्व विंग कमांडर प्रफुल्ल बख्शी का पलटवार

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। वायुसेना के पूर्व अधिकारी विंग कमांडर प्रफुल्ल बख्शी ने कहा है कि गुलाम जम्मू-कश्मीर में की गई सर्जिकल स्ट्राइक का किसी तरह का सुबूत देने के लिए भारतीय सेना बाध्य नहीं है। सरकार को पता है कि सर्जिकल स्ट्राइक का विवरण साझा करना सेना की नीतियों के खिलाफ है। कांग्रेस को यदि सुबूत चाहिए, तो उसे पाकिस्तानियों से मांगना चाहिए।

सेना नहीं देती है कोई सुबूत- प्रफुल्ल बख्शी

पूर्व विंग कमांडर ने कहा सेना कोई सुबूत नहीं देती है। सेना को कौन सा सुबूत देना चाहिए और क्यों देना चाहिए? यदि आप जानना चाहते हैं, तो पाकिस्तानियों से कहिए। यदि वे आपके मित्र हैं, तो आपको बताएंगे। यदि आपके मित्र नहीं हैं, तो नहीं बताएंगे। कोई भी व्यक्ति सेना को सुबूत देने के लिए बाध्य नहीं कर सकता। उन्होंने कहा यदि सरकार सुबूत देना चाहेगी, तो वह दे सकती है। सरकार यह भी जानती है कि ऐसा करना सेना की नीतियों के खिलाफ होगा। जिस स्थान को निशाना बनाया गया था, उसे पाकिस्तानियों ने चिह्नित कर दिया है। इसका कोई मतलब नहीं है कि कौन क्या कह रहा है? मुझे लगता है कि यह कोई सवाल ही नहीं है। मीडिया को इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए। प्रफुल्ल बख्शी के मुताबिक, सर्जिकल स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान घुटनों पर आ गया है। यह सेना का कर्तव्य है कि वह किसी को कोई जवाब नहीं दे। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है।

बेंगलुरु में फ्लाईओवर पर चढ़कर शख्स ने बरसाए नोट

बेंगलुरु, 24 जनवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु के केआर मार्केट फ्लाईओवर से 10 रूपये के नोटों को उछालने का हैरत में डाल देना वाला मामला सामने आया है. केआर मार्केट सिग्नल के पास फ्लाई ओवर से एक अंजान आदमी ने फ्लाईओवर पर चढ़कर नोट उछाले. नोटों को गिरता देख कुछ लोग नोटों को लूटना शुरू कर दिया. जब तक पुलिसकर्मी फ्लाई ओवर के ऊपर चढ़कर जाते तब तक वो व्यक्ति वहां से भाग गया. फिलहाल इस मामले की आरंभिक जांच में पता चला है कि इस शख्स ने 10- 10 रुपए के करीब 3 हजार रुपए हवा में उछाल दिए.

गणतंत्र दिवस को लेकर माता वैष्णो देवी के धाम में बढ़ी जवानों की तैनाती

कटड़ा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। धर्मनगरी कटड़ा सहित भवन व मार्ग पर गणतंत्र दिवस से पहले सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। हर आने जाने वाले की सभी प्रवेश मार्गों पर चेक पोस्ट सहित नाके लगाकर जांच की जा रही है। साथ ही प्रमुख स्थलों पर बम स्क्वॉड सहित डॉग स्क्वॉड का भी सहारा लिया जा रहा है। गणतंत्र दिवस से पहले जम्मू के नरवाल क्षेत्र में हुए दो धमाकों को देखते हुए जम्मू मार्ग, उधमपुर मार्ग, रियासी मार्ग सहित नाके लगा कर पुलिस गहनता से जांच कर रही है। एसपी अमित भसीन ने बताया कि धर्मनगरी व भवन एक ऐसा स्थान है जहां कभी भी सुरक्षा के साथ समझौता नहीं किया जा सकता। साथ ही सभी मार्गों पर गश्त बड़ा दी गई है। मोबाइल टीमों का गठन किया गया है। बताया कि दर्शनी ड्योढ़ी, बाणगंगा चेक पोस्ट और रेलवे स्टेशन पर एक्सरे मशीन से सामान की जांच की जाती है।

तमिलनाडु में मंत्री को कुर्सी मिलने में देरी होने पर हंगामा, कार्यकर्ताओं पर फेंका पत्थर

चेन्नई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मंत्री एस एम नसर को बैठने के लिए कुर्सी नहीं मिलने पर उन्होंने हंगामा कर दिया। मंत्री ने कुर्सी मिलने में देरी होने पर कार्यकर्ताओं पर पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। जानकारी के मुताबिक, मंत्री एस एम नसर ने बैठने के लिए कुर्सी लाने में देरी करने पर तिरुवल्लुर में पार्टी कार्यकर्ताओं पर पत्थर फेंका। इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

आतंकी गुरपतवंत पन्नू ने सीएम भगवंत मान को दी धमकी

गणतंत्र दिवस पर बठिंडा में तिरंगा फहराएंगे मान

बठिंडा (पंजाब), 24 जनवरी (एजेंसियां)। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर सीएम भगवंत मान बठिंडा के खेल स्टेडियम में राष्ट्रीय धवज फहराएंगे। इससे पहले मंगलवार को सिख फार जस्टिस के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने सीएम को धमकी दी है। मंगलवार को शहर के एनएफएल कालोनी की दीवार, महाराजा रणजीत सिंह तकनीकी यूनिर्वसिटी की दीवार, मलोट रोड पर काली भैरव मंदिर की दीवार और सीआईएसएफ कैंप की दीवार पर खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लिखे मिले। सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में आतंकी गुरपतवंत पन्नू ने कहा कि 26 जनवरी को बठिंडा में तिरंगा फहराने भगवंत मान को पहुंचना है, वहां हमारे द्वारा हमला किया जा सकता है। इस संबंध में एसएसपी जे इलेनचेजियन ने कहा कि वे पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। जहां जहां पर भी नारे लिखे गए हैं, वहां पुलिस टीमों को भेज दिया गया है।

'हमें क्या देखना है हम सोचेंगे, सरकार नहीं'

बोलीं महुआ मोइत्रा, शेयर की बीबीसी की बैन डॉक्यूमेंट्री

मुंबई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री का लिंक शेयर किया. उन्होंने पहले अपने ट्विटर हैंडल पर इसका लिंक शेयर किया था, लेकिन वह लिंक काम नहीं कर रहा था. इसलिए उन्होंने मंगलवार को फिर से लिंक शेयर किया और लिखा कि हमें क्या देखना है हम सोचेंगे, सरकार नहीं. बता दें कि बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री को लेकर काफी विवाद हो रहा है. केंद्र सरकार ने बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री को बैन कर दिया है और इसे पूरी तरह से भारत विरोधी करार दिया है, लेकिन इसका लिंक वायरल हो गया है. गौरतलब हो कि बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री 'इंडियाः द मोदी क्वेश्चन' पिछले मंगलवार को रिलीज हुई थी. यह डॉक्यूमेंट्री 2002 की गुजरात हिंसा के बारे में है. डॉक्यूमेंट्री में गुजरात हिंसा के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका की कड़ी आलोचना की गई थी.

महुआ मोइत्रा ने बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री का लिंक किया शेयर

मंगलवार को जारी होने के बाद केंद्र ने इसे दुष्प्रचार करार दिया. इसके अलावा, सरकार द्वारा वृत्तचित्र पर प्रतिबंध लगा दिया गया था. सूत्रों के मुताबिक, डॉक्यूमेंट्री के लिंक को ट्विटर और यूट्यूब से भी हटाने का आदेश दिया गया था. उस निर्देश के बाद महुआ माइत्रा ने बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री का लिंक को सबसे पहले 22 जनवरी को अपने ट्विटर हैंडल पर शेयर किया था. तृणमूल सांसद ने लिखा, "दुर्भाग्य से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रतिनिधि का चुनाव सेंसरशिप को मानने के लिए नहीं किया गया. लिंक यहां दिया गया है. आप जब चाहें देख सकते हैं. लेकिन इसे खुलने में थोड़ा समय लग रहा है." लेकिन यह लिंक नहीं खुल रहा था. उसके बाद मंगलवार को फिर से महुआ मोइत्रा ने लिंक शेयर करते हुए लिखा है कि अच्छा, बुरा, कुरुप, हम निर्णय करेंगे कि क्या देखना है हम सोचेंगे. सरकार हमें नहीं बताएं हमें क्या करना है.

'हैदराबाद जा रहे विमान में क्रू मेंबर के साथ बदसलूकी मामले में एक गिरफ्तार

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। एअरलाइन 'स्पाइसजेट' के दिल्ली से हैदराबाद जा रहे विमान में चालक दल की महिला सदस्य के साथ बदसलूकी करने का मामला सामने आया था. अब इस मामले में पुलिस ने एक यात्री को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने बताया कि क्रू मेंबर की सदस्य की ओर से एअरलाइन के सुरक्षा अधिकारी सुशांत श्रीवास्तव ने शिकायत दर्ज कराई थी. 'स्पाइसजेट' के विमान में चालक दल की सदस्य के साथ एक यात्री द्वारा कथित तौर पर छेड़छाड़ किए जाने के बारे में (सोमवार को) शाम चार बजकर 39 मिनट पर सूचना मिली. सुरक्षा अधिकारी श्रीवास्तव ने घटना की जानकारी देने के लिए फोन किया था. यात्री की पहचान दिल्ली के जामिया नगर निवासी अबसार आलम के तौर पर हुई है.

वह अपने परिवार के साथ हैदराबाद जा रहा था. यात्रा के दौरान आलम ने चालक दल की महिला सदस्य के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया. उसे विमान से उतार कर 'स्पाइसजेट' सुरक्षा और पीसीआर (पुलिस नियंत्रण कक्ष) के कर्मी थाने ले गए. उन्होंने बताया कि आलम के खिलाफ आईजीआईए थाने में भारतीय दंड विधान की धारा 354ए (यौन उत्पीड़न) के तहत मामला दर्ज किया गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है.

पीएम से मिले सीएम सुक्खू

विकास कार्यों के लिए उठाई उदारतापूर्वक सहायता की मांग

शिमला, 24 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मंगलवार सुबह नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट की। यह एक शिष्टाचार भेंट थी। मुख्यमंत्री बनने के बाद सुक्खू की प्रधानमंत्री से यह पहली मुलाकात थी। जानकारी के अनुसार करीब 40 मिनट तक दोनों के बीच विभिन्न मुद्दों को लेकर बातचीत हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश में कार्यान्वित की जा रही विभिन्न विकास परियोजनाओं से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते हुए सभी परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए केंद्र से उदारतापूर्वक वित्तीय सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को केंद्र सरकार की ओर से आधारभूत संरचना को गति प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना तथा रज्जू मार्ग के निर्माण के लिए पर्वतमाला योजना को प्रदेश में सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने का आश्वासन दिया।

उत्पल पर्रिकर बोले: सेना पर दिग्विजय की टिप्पणी आश्चर्य की बात नहीं

उन्होंने लादेन को भी 'ओसामा जी' कहा था

पणजी, 24 जनवरी (एजेंसियां)। गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर के बेट उत्पल पर्रिकर ने मंगलवार को भारत के सर्जिकल स्ट्राइक की प्रामाणिकता पर संदेह करने के लिए कांग्रेस के दिग्विजय सिंह की आलोचना करते हुए कहा कि आतंकवादी ओसामा बिन लादेन को ओसामा जी कहने वाले व्यक्ति की ओर से इस तरह की टिप्पणी करना आश्चर्यजनक नहीं है।

जम्मू में राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो यात्रा के दौरान बोलते हुए सिंह ने सीमा पार सैन्य अभियान पर संदेह व्यक्त किया था। उन्होंने कहा था कि केंद्र सरकार सर्जिकल स्ट्राइक की बात

करती है लेकिन इसका कोई सबूत नहीं है। वे झूठ का पुलिंदा चलाकर शासन कर रहे हैं। सितंबर 2016 में, भारत ने जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में एक सैन्य अड्डे पर आतंकवादी हमले के जवाब में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार सर्जिकल स्ट्राइक किया था। उत्पल पर्रिकर

के पिता और भाजपा के वरिष्ठ नेता मनोहर पर्रिकर तब देश के रक्षा मंत्री थे। उत्पल पर्रिकर ने कहा कि दिग्विजय सिंह ने जो कहा है वह आश्चर्यजनक नहीं है, वह लगातार ऐसी बातें कहते रहे हैं, चाहे वह सर्जिकल स्ट्राइक के बारे में हो या सबसे खूंखार आतंकवादी 'ओसामा जी' कहने की बात हो। तत्कालीन अल कायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन की पाकिस्तान में अमेरिकी सेना द्वारा अमेरिका में 9/11 के हमलों के मास्टरमाइंड की हत्या के बाद, सिंह ने उन्हें ओसामा जी के रूप में संबोधित करने की सूचना दी थी। उत्पल पर्रिकर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी वास्तव में अपने ऊपरी स्तर पर ऐसे लोगों के लिए एक कांग्रेस बन गई है और वे वहां एक विशेष परिवार के प्रति निष्ठा रखने के लिए हैं। पिछले साल गोवा विधानसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर असफल रहे उत्पल पर्रिकर ने कहा, दुर्भाग्य से उनके लिए और सौभाग्य से देश के लिए, लोगों ने इसे महसूस किया है और आम चुनावों में कर्तव्यपरायणता से उन्हें खारिज कर रहे हैं।

सिद्धारमैया सरकार में 35 हजार करोड़ की वित्तीय अनियमितता का आरोप

बीजेपी ने लोकायुक्त से की शिकायत

बेंगलुरु, 24 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में सत्ताधारी बीजेपी ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और कांग्रेस के खिलाफ लोकायुक्त से शिकायत की है। शिकायत में बीजेपी ने आरोप लगाया है कि सिद्धारमैया की सरकार में 2013-14 के दौरान टेंडरश्योर प्रोजेक्ट के तहत वित्तीय अनियमितता हुई। सोमवार को लोकायुक्त से शिकायत करने के बाद भाजपा के अनुसूचित वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष और एमएलसी चालावाडी नारायणस्वामी ने कहा कि कांग्रेस, भाजपा पर 40

फीसदी कमीशन का आरोप बिना किसी सबूत के लगा रही है। साथ ही भाजपा और राज्य सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार कर रही है। नारायणस्वामी ने कहा कि हमने लोकायुक्त से शिकायत की है और हमारे पास इसका सबूत भी है। हम सबूतों के आधार पर आरोप लगा रहे हैं लेकिन वह (कांग्रेस) अभी तक अपने आरोप के पक्ष में एक सबूत पेश नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान टेंडरश्योर नामक प्रोजेक्ट में तय लागत से 53.86 फीसदी अधिक फंड जारी किया गया। भाजपा के पास इस बात के दस्तावेज भी हैं। बीजेपी नेता ने कहा कि पूर्व सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ 65 मामले थे लेकिन उनकी जांच करने के बजाय उन्होंने अपनी सरकार में लोकायुक्त को ही हटा दिया था। नारायणस्वामी ने कहा कि कम से कम 10 मामलों में एंटी करप्शन ब्यूरो ने सरकार को क्लीन चिट दी थी। हम चाहते हैं कि अब बचे हुए 50 मामलों की भी जांच होनी चाहिए। इससे पहले कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर ने आरोप लगाया था कि कैग की रिपोर्ट में बताया गया है कि सिद्धारमैया-कांग्रेस सरकार में 35 हजार करोड़ रुपए की वित्तीय अनियमितता बरती गई। कर्नाटक में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में भाजपा और कांग्रेस एक दूसरे को घेरने में जुटी हैं। बीते दिनों ही राज्य के मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने आरोप लगाया था कि पूर्व की कांग्रेस सरकार ने अपने घोटालों को छिपाने के लिए लोकायुक्त को ही हटा दिया था।

पाक से आए हिंदू जत्थे में शामिल गर्भवती ने बेटे को दिया जन्म परिवार ने नाम रखा बॉर्डर-2

अमृतसर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान से भारत में हिंदू तीर्थ स्थलों की यात्रा के लिए आए हिंदू श्रद्धालुओं में शामिल एक महिला ने अमृतसर के सिविल अस्पताल में बच्चे का जन्म दिया है। डिलीवरी के बाद बच्चा और मां डेला पूरी तरह स्वस्थ हैं। बच्चे के पिता कैलाश ने बताया कि वह हिंदू तीर्थ यात्रियों के जत्थे के साथ पाकिस्तान से भारत आए हैं। उसकी गर्भवती पत्नी डेला की हालत अचानक खराब हो गई। प्रशासन के अधिकारियों के आदेशों पर डेला को अस्पताल में दाखिल करवाया गया जहां नॉर्मल डिलीवरी से उसने बेटे को जन्म दिया।

26 जनवरी को मुंबई में हवाई हमले की आशंका!

दादर के शिवाजी पार्क में खतरे का अलर्ट जारी

मुंबई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई में रिपब्लिक डे के दिन हमले का अलर्ट जारी किया गया है. पुलिस ने मुंबई के दादर के शिवाजी पार्क में हवाई हमले का अंदेशा जताते हुए इलाके को नो फ्लाइंग जोन घोषित कर दिया है. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मुंबई पुलिस को ऐसे इनपुट्स मिले हैं जिसमें यह कहा गया है कि 26 जनवरी के दिन शहर के शिवाजी पार्क पर हवाई हमला हो सकता है. इनपुट्स के बाद हरकत में आई मुंबई पुलिस ने शहर की सुरक्षा बढ़ा दी है. गणतंत्र दिवस के समारोह के दिन तक वहां पर नो फ्लाइंग जोन घोषित कर दिया है, हमें इस मामले में मुंबई पुलिस की तरफ से अधिक आधिकारिक जानकारी का इंतजार है. वहीं गणतंत्र दिवस के उत्सव को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा वजहों से राष्ट्रीय राजधानी के ऊपर उप-पारंपरिक हवाई वाहनों की उड़ान पर प्रतिबंध लगा दिया. दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने आदेश जारी किया है कि पैरा-ग्लाइडर, पैरा-मोटर, हैंग-ग्लाइडर, यूएवी, यूएएस, माइक्रोलाइट विमान, दूर से संचालित विमान, गर्म हवा के गुब्बारे, छोटे आकार के संचालित विमान जैसे हवाई वाहन शहर में उड़ते हुए नहीं पाए जाने चाहिए. पुलिस ने गाइडलाइन जारी कर कहा है कि कुछ आपराधिक या असामाजिक तत्व या भारत के शत्रु आतंकवादी पैरा-ग्लाइडर, पैरा-ग्लाइडर जैसे उप-पारंपरिक हवाई प्लेटफार्मों के उपयोग से आम जनता, गणमान्य व्यक्तियों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं.

150 गवाह, साढ़े पांच हजार पन्ने, तैयार है चार्जशीट, पुलिस दो दिन में करेगी दाखिल

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। श्रद्धा हत्याकांड मामले में दिल्ली पुलिस एक-दो दिन में कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर देगी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने इस केस में करीब साढ़े पांच हजार पन्नों की चार्जशीट तैयार की है और इसमें करीब 150 लोगों की गवाही ली गई है। गौरतलब है कि आफताब ने कथित तौर पर 18 मई को श्रद्धा की हत्या करने के बाद उसके शरीर को 35 टुकड़ों में काट दिया था। शव के टुकड़ों को उसने कई दिनों तक शहर भर में फेंकने से पहले दक्षिणी दिल्ली के महरौली में अपने आवास पर लगभग तीन सप्ताह तक 300 लीटर के फ्रिज में रखा था।

त्रिपुरा में शाही परिवार के वंशज को क्यों कहा जा रहा किंगमेकर, कौन हैं प्रद्योत बिक्रम?

त्रिपुरा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव के लिए एक महीने से भी कम समय बचा है. राजनीतिक घमासान के बीच यहां आदिवासी पहचान का दावा सुर्खियों में है. प्रद्योत बिक्रम की पार्टी टिपरा मोथा (त्रिपुरा) को तुरुप का इक्का माना जा रहा है. यह 'ग्रेटर टिपरालैंड' की मांग कर रही है. टिपरा मोथा का कहना है कि वह किसी भी उस पार्टी या गठबंधन का समर्थन करेगी जो उसकी मांगों से सहमत होगी. अब इसे रिझाने के लिए राष्ट्रीय पार्टियों में होड़ मची हुई है. त्रिपुरा के शाही परिवार के वंशज प्रद्योत बिक्रम भी अब इसे लेकर चर्चा में आ गए हैं. बीजेपी-आईपीएफटी और सीपीएम-कांग्रेस गठबंधन की जंग के बीच प्रद्योत को किंगमेकर कहा जा रहा है. हालांकि, प्रद्योत ने अकेले ही

चुनावी मैदान में उतरने का एलान किया हुआ है लेकिन कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही इसे अपने साथ लाने की जोर आजमाइश में जुटे हुए हैं. प्रद्योत बिक्रम शाही घराने से ताल्लुक रखते हैं. वह टिपरा मोथा पार्टी के प्रमुख हैं. उनका जन्म नई दिल्ली में हुआ था और अब त्रिपुरा के अगरतला में हुआ था. उन्होंने द नॉर्थईस्ट टुडे के संपादक के रूप में भी काम किया है. उन्हें 'बुबाग्रा' के नाम से भी जाना जाता है. यहां उन्हें किंगमेकर इसलिए भी कहा जा रहा है क्योंकि वह यहां स्वदेशी त्रिपुरी लोगों के अधिकारों के लिए सक्रिय आवाजे उठाते रहे हैं. अब त्रिपुरा के राजनीतिक गलियारों में यह सवाल उठ रहा है कि अगर वह गठबंधन के लिए जाते हैं तो वह किस खेमे का समर्थन करेंगे. त्रिपुरा की 60 विधानसभा सीटों में 16 फरवरी को मतदान होना है. इससे पहले सभी राजनीतिक दल जीत का परचम लहराने की लड़ाई में पीछे नहीं रहना चाहती हैं. एक पार्टी के रूप में अस्तित्व में आने के कुछ ही महीनों बाद, टिपरा मोथा ने 2021 त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) चुनाव जीता था. प्रद्योत के तमाम काम त्रिपुरा के स्वदेशी लोगों के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास के इर्द-गिर्द घूमते हैं.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 311 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.4 2079 बुधवार, 25 जनवरी 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ जय श्री श्याम ॥ ॥ श्री हनुमते नमः ॥

हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा

श्याम दिवाने

भाग्यनगर में बाबा श्याम का नया धाम

मलकपेट, हैदराबाद

पहाड़ी श्याम मन्दिर

महेन्द्रा हिल्स, सिकन्दराबाद

सहयोगी :
श्री पहाड़ी साईं बाबा सेवा ट्रस्ट,
महेन्द्रा हिल्स, सिकन्दराबाद

सस्नेह निमंत्रण

21 से 26 जनवरी 2023

LIVE STREAMING
YouTube LIVE
CLICK MAGIK
FOR BOOKING : 9099999903

भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

देखो देखो कौन घूमने आया है, पहाड़ों का मौसम, किसको नहीं भाया है।
दिवानों ने भी तो महेन्द्रा हिल्स को खूब सजाया है, खाटु देश से खाटु नरेश आया है।

मुख्य अतिथि
अनन्त श्री विभूषित परिव्राजकाचार्य पूज्य महामण्डलेश्वर
श्री योगी यतीन्द्रानन्द गिरिजी महाराज
श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा

मुख्य यज्ञाचार्य
श्री पुरुषोत्तम शास्त्रीजी, हैदराबाद

भाग्यनगर में पहली बार
पंच दिवसीय 21 कुण्डीय
श्री श्याम नाम महायज्ञ
22 जनवरी से 26 जनवरी 2023 तक
प्रातः 10:01 से मध्याह्न 12:30 तथा
मध्याह्न 3 से सायं 5:30 बजे

संत समागम
22 जनवरी 2023 से
26 जनवरी 2023
सायं 6 से 7 बजे तक

मुख्य अतिथि
श्री टी. राजा सिंह
विधायक, गोशामहल

बुधवार दि. 25 जनवरी 2023

श्री श्याम भजन संध्या रात्रि 8 बजे से प्रभु इच्छा तक

श्री रामअवतार अग्रवाल
मुम्बई

श्री श्याम अग्रवाल
कोलकाता

श्री अनमोल परासर
कोलकाता

श्री सौरभ शर्मा
कोलकाता

श्री पंकज ओझा, हैदराबाद | श्री प्रतीक दाहिमा, हैदराबाद | श्री सागर व्यास, हैदराबाद

गुरुवार दि. 26 जनवरी 2023

श्री श्याम बाबा की स्थापना, प्रातः 8:28 बजे

पट खुलने का समय पहला दर्शन, प्रातः 11:16 बजे

प्रथम महाआरती
प्रातः 11:21 बजे

भण्डारा प्रसादी
दोपहर 1:00 बजे से

श्री श्याम बाबा महायज्ञ पूर्णाहुति एवं आरती
सायं 4:01 बजे

छप्पन भोग थाल - 1,100/- ● बाबा का महाअभिषेक - 5,100/- ● यज्ञ कुण्ड - 11,000/- प्रति जोड़ा ● सवामणि - 21,000/- (51 कि.)

मुख्य यजमान : श्री तुषारजी अग्रवाल (सुपुत्र : श्री कमलकिशोरजी अग्रवाल) फर्म : छंगामल सत्यनारायण भालवाले

सभी भक्तगण प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के समस्त कार्यक्रमों सपरिवार सादर आमंत्रित है।

निवेदक : श्याम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट, महेन्द्रा हिल्स, सिकन्दराबाद

अरुण डाकोतिया	अशोक सिंघानिया	रमाकांत गोयल	प्रवीण अग्रवाल	अनिल संघी	रुपेश सिंघानिया	अक्षय डाकोतिया	विजय अग्रवाल	राहुल अग्रवाल	ब्रिजेश मोदी
9030033321	9246588443	9391034050	9297000456	9246163055	9000005101	9177609018	9246577468	9849974657	9885343323

शुभकामनाओं सहित

कमल किशोर अग्रवाल

फर्म : छंगामल सत्यनारायण भालवाले

Shiv Narayan
Group of Companies
HYDERABAD | MUMBAI | CHENNAI

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 25 जनवरी, 2023 4

सुविचार

जब हम कोई काम करने की इच्छा करते हैं, तो शक्ति आप ही आप आती है।

जीवन में सुधार के लिए महिलाओं को मजबूत नेटवर्क बनाने की जरूरत : कविता

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी कलवकुंतला कविता ने इस बात पर जोर दिया है कि आज विश्व स्तर पर महिलाओं को अपने जीवन को बेहतर बनाने और उनके विकास के रास्ते में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए एक शानदार नेटवर्क की जरूरत है। बीआरएस नेता कविता मंगलवार को यहां सेंट फ्रांसिस कॉलेज के 'मीडियास्फेयर' फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह में शामिल हुईं। इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए, कविता ने कहा कि कोई भी महिला जो किसी अन्य महिला की मदद कर सकती है, वह इस दुनिया की सबसे शक्तिशाली महिला है और कहा कि उसे खुद शक्तिशाली होने की जरूरत नहीं है, लेकिन वह किसी और को सक्षम और सशक्त बना सकती है। अपने संबोधन में, पूर्व सांसद कविता ने अपनी महिला सहयोगियों के साथ अपने संबंधों के बारे में चर्चा की, उन्होंने कहा, मैं हर महिला राजनेता के साथ उनकी राजनीतिक संबद्धता के बावजूद संवाद करने में विश्वास करती हूं, हम एक अलग स्तर पर

बात करते हैं और मुझे लगता है कि हमें ऐसा करने की आवश्यकता है। साथ में, हम शानदार दिमाग वाले हैं, हमें बस कुछ साहस, कुछ समर्पण की जरूरत है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी कविता ने महिलाओं को डराने-धमकाने वालों पर हमला बोलते हुए उन्हें 'गुंडे' बताते हुए कहा, 'गुंडों का मानना है कि वे किसी महिला को निशाना बनाकर, गालियां देकर और हिंसा का इस्तेमाल कर डरा सकते हैं। कविता ने कहा, कि भारत में जब पेगासस के माध्यम से लोगों की जासूसी की गई, तो उनमें से अधिकांश महिला पत्रकार थीं। मैं दुनिया भर की महिला पत्रकारों को सलाम करती हूं, जो समय की कसौटी पर खरी उतरी हैं, जो अपने विश्वासों पर कायम रहीं और अपना नाम बनाया। एक महिला राजनेता के रूप में अपने व्यक्तिगत अनुभव को छात्रों के साथ साझा करते हुए उन्होंने कहा कि एक महिला राजनेता के रूप में, मैंने अपनी कुछ कठिनाइयों का सामना किया है। बीआरएस नेता ने आगे कहा कि 'दुनिया भर के पत्रकारों, खासकर महिला पत्रकारों को उनकी रिपोर्ट के लिए परेशान किया जा रहा है। महिलाओं को निशाना बनाना आसान है। उन्होंने इच्छुक छात्रों से आग्रह किया कि वे कभी भी सपने देखना बंद न करें बल्कि यह सुनिश्चित करें कि वे सच्चे हैं और समाज और विशेष रूप से महिलाओं की व्यापक भलाई के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इस मौके पर कविता ने नवोदित महिला पत्रकारों और फिल्म निर्माताओं से कहा, यह कोई आसान पेशा नहीं है, लेकिन यह एक ऐसा पेशा है, जो लाखों-करोड़ों महिलाओं की मदद कर सकता है, अगर आप इसे सही तरीके से पूरे मन से करें।

हवाई फायरिंग कर बदमाशों ने दो लाख लूटे

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हथियारों से लैस दो अज्ञात लोगों ने एक शराब दुकान के कर्मचारी को लूट लिया और रुपये लेकर फरार हो गये। मंगलवार तड़के शहर के बाहरी इलाके शमीरपेट के उददेमर्री में काउंटर से 2 लाख नकद बदमाशों ने लूट लिए। सूत्रों ने कहा कि बंदर टोपी पहने संदिग्ध मोटरसाइकिल पर आए और शराब की दुकान के कर्मचारियों को दिन का संग्रह सौंपने की धमकी दी। मना करने पर उन्होंने हवा में गोलियां चला दीं और जान से मारने की धमकी दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुची और जांच पड़ताल की। क्लूज टीम और डॉग स्क्वायड ने भी मौके का मुआयना किया। मौके से गोली के दो खाली कारतूस बरामद हुए हैं। अपराध स्थल और उसके आसपास के निगरानी कैमरों से फुटेज एकत्र किए जा रहे हैं और जल्द से जल्द हमलावरों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए जांच की जा रही है। उन्हें सशस्त्र डकैती के पीछे उत्तर प्रदेश, बिहार या राजस्थान के एक अंतरराज्यीय गिरोह पर शक है।

अगले शैक्षणिक वर्ष से शुरू होगा करीमनगर मेडिकल कॉलेज : गंगुला

करीमनगर, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण और नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने कहा कि करीमनगर मेडिकल कॉलेज अगले शैक्षणिक वर्ष से काम करना शुरू कर देगा. कॉलेज 100 छात्रों के साथ शुरू होगा और छात्रों को एमबीबीएस सीटों का आवंटन इस साल अगस्त से शुरू होगा। मंत्री मंगलवार को करीमनगर शहर के बाहरी इलाके कोठापल्ली में तेलंगाना राज्य बीज विकास निगम परिसर में मेडिकल कॉलेज के लिए अस्थायी भवनों की नींव रखने के बाद बोल रहे थे। यह कहते हुए कि दो निजी मेडिकल कॉलेज कस्बे में हैं, मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने गरीब छात्रों को चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने के लिए करीमनगर में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज को मंजूरी दी थी, मंत्री ने इसके लिए मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव को धन्यवाद दिया।

छह कुख्यात चोर गिरफ्तार, 32 लाख की चोरी की संपत्ति बरामद

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीसीएस भोंनगिरी और मोत्कुर थाने की पुलिस ने मिलकर रात में घरों में चोरी करने वाले छह अपराधियों को पकड़ा और उनके कब्जे से 32,83,000 की संपत्ति बरामद की है। बरामद सामाने में 50 तुला सोने के आभूषण, 2.5 किलो चांदी के आभूषण, दो बाइक और 9 सेल फोन शामिल है। इस मामले की जानकारी देते हुए राचकोंडा के पुलिस ऑयुक्त डीएस चौहान ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी बोडिगे अशोक निवासी लिंगराजुपल्ली, अत्मकुर निवासी मरम्मा कॉलोनी, वालिगोंडा, यदाद्री भोंनगिरी, गुंदेबोइना चंद्रम निवासी पेद्दाकपर्थी, चित्याला, नलगोंडा, नुथी सतीश निवासी पेद्दाकपर्थी, चित्याला, नलगोंडा, बैरावोनी स्वामी निवासी अरौर, वालिगोंडा, यदाद्री भोंनगिरी, बडे बालकृष्ण निवासी पेड्डाकपर्थी, चित्याला, नलगोंडा, गंडासिरी उपेंद्र निवासी सप्पीदिगुडेम, नरकटपल्ली नलगोंडा शातिर चोर है। इनके गिरोह विभिन्न थाना क्षेत्रों में 34 घटनाओं को अंजाम दिया है। सीपी ने बताया कि सभी आरोपी घरों में चोरी करने के आदतन अपराधी हैं। गिरफ्तार आरोपियों में से तीन को पहले भी चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका है। जेल से निकलने के बाद उन्होंने ने फिर अपराध करना शुरू कर दिया। इन लोगों ने मोत्कुर, आत्मकुर, वालिगोंडा, अडागुदुर, रमन्नापेटा, यादगिरिगुट्टा, राचकोंडा आयुक्तालय के राजपाटा पुलिस स्टेशन की सीमा और नालगोंडा, महबूबाबाद जिलों में भी रात के अपराधों में घरों में चोरी को अंजाम दिया। राचकोंडा पुलिस आयुक्त ने आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम की सराहना की है।

वाईएस शर्मिला 28 से अपनी यात्रा फिर से शुरू करेंगी

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी की संस्थापक अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने आज अपनी प्रजा प्रस्थान यात्रा को फिर से शुरू करने के बारे में एक महत्वपूर्ण बयान दिया। उसने कहा कि वह अपनी यात्रा उसी स्थान से फिर से शुरू करेगी जहां से उसे निलंबित किया गया था। उन्होंने कहा कि पदयात्रा तब तक जारी रहेगी जब तक वह 4000 किलोमीटर का लैंडमार्क पूरा नहीं कर लेतीं। उन्होंने कहा कि उनकी पदयात्रा सीएम केसीआर के शासन के अंत की शुरुआत होगी। पार्टी ने वारंगल में एक विशाल जनसभा के साथ पदयात्रा का समापन करने का फैसला किया है।

शर्मिला अब तक 3512 किमी तक पैदल चल चुकी हैं। पार्टी नेताओं ने अब पदयात्रा आयोजित करने की अनुमति के लिए पुलिस से संपर्क किया है। उन्होंने पुलिस को यह स्पष्ट कर दिया कि वे अपनी पदयात्रा उसी स्थान से फिर से शुरू करेंगे जहां पुलिस की अनुमति के बावजूद यह पदयात्रा बाधित हुई थी।

विजयवाड़ा-दुव्वाडा के बीच 130 किलोमीटर प्रति घंटा बढ़ी

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने अपने नेटवर्क पर ट्रैक की गति बढ़ाने की दिशा में एक और प्रमुख बुनियादी ढांचागत उपलब्धि हासिल करते हुए विजयवाड़ा-दुव्वाडा के बीच 130 किमी प्रति घंटे की ट्रैक गति का उन्नयन पूरा कर लिया है। 330.94 रूट किलोमीटर की दूरी तक फैले सेक्शन को 130 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति तक चलने वाली ट्रेनों को संभालने के लिए अपग्रेड किया गया है। वास्तव में, यह ज़ोन में महत्वपूर्ण स्वर्णिम चतुर्भुज और स्वर्ण विकर्ण के साथ पटरियों की अधिकतम गति को 130 किमी प्रति घंटे तक बढ़ाने के पूरा होने का प्रतीक है। पिछले साल सितंबर में, गोल्डन डायगोनल सेक्शन में 130 किमी प्रति घंटे की अधिकतम अनुमेय गति को बढ़ाने की अनुमति दी गई थी। सिकंदराबाद-काजीपेट के बीच 132 रूट किलोमीटर हाई डेंसिटी नेटवर्क को पहले ही 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली ट्रेनों के संचालन के लिए फिट कर दिया गया है। तदनुसार, एससीआर (अर्थात, विजयवाड़ा - दुव्वाडा) में जीक्यू जीडी मार्ग के साथ अंतिम खंड के सिग्नलिंग और ट्रैक उन्नयन कार्य किए गए हैं और खंड को 130 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति तक ट्रेनों के संचालन की अनुमति दी गई है। तेज गति से बाधाओं को दूर करके ट्रैक और अन्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के व्यवस्थित और नियोजित दृष्टिकोण के साथ नेटवर्क की गति सीमा वृद्धि हासिल की गई है। इसमें भारी रेल लगाना, 260 मीटर लंबे वेल्डेड रेल पैनल लगाना, कर्व्स और ग्रेडिएंट्स में सुधार, सिग्नलिंग पहलू, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन इक्विपमेंट में सुधार, लोकोमोटिव और कोचों की बढ़ती अनुकूलता आदि शामिल हैं। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दमरे ने इस महत्वपूर्ण कार्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम की सराहना की है।

लापता हुई नाबालिग लड़की का अभी तक पता नहीं चला

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। माधापुर स्थित अपने घर से शनिवार को लापता हुई नाबालिग लड़की का मंगलवार को भी पता नहीं चला। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर पड़ोस के ही एक युवक पर शक जताया है। नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली 14 वर्षीय किशोरी कथित तौर पर अपने माता-पिता को यह कहकर घर से निकली थी कि वह शनिवार को स्कूल जा रही है, लेकिन घर नहीं लौटी। पुलिस ने कहा कि चिंतित परिवार के सदस्यों ने सभी संभावित स्थानों पर उसकी तलाश करने के बाद माधापुर पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लड़की की जल्द से जल्द तलाश के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है।

हत्या के आरोपियों को 10 साल की कैद

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हत्या के एक मामले में मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायाधीश, हैदराबाद दो आरोपियों को 10 साल की कैद और 5 हजार रुपए का जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई है। हत्या की यह घटना जुबलीहिल्स थाना क्षेत्र में 27 जुलाई वर्ष को यूसुफगुडा, हैदराबाद में हुई थी। आरोपी बिज्जू रमेश और अवुला चंद्र शेखर संध्याराजू के साथ शराब का सेवन कर रहे थे। इसी बीच किसी बात को लेकर विवाद होने पर दोनों आरोपियों ने बीयर की बोतल से हमला कर संध्याराजू को मौत के घाट उतार दिया। मृतक की मां के सुगुना ने थाना जुबली हिल्स में मामले की सूचना दी। शिकायत मिलने के तुरंत बाद विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया और जुबली हिल्स पीएस के तत्कालीन निरीक्षक एस वेंकट रेड्डी द्वारा जांच की गई।

पारसीगुट्टा श्री आईमाता मंदिर में माही बीज (दूज) महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुट्टा स्थित सीरवी समाज कीआस्था का केन्द्र प्राचीनतम् चमत्कारी श्री आईमाता मंदिर में माघ सुदी बीज (दूज) महोत्सव समाज बन्धुओं के सान्निध्य में श्री आईमाताजी, खेतलाजी-भैरुजी व माई का श्रृंगार, पूजा-अर्चनाकर व सायं महाआरती के पश्चात् ज्योत प्रज्वलितकर रात्रि 9.15 बजे से चेतननाथ एंड पार्टी द्वारा श्री आईमाँ के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पितकर आयोजित किया गया। प्रेस विज्ञप्ति मे सचिव किशनसिंह राठौड़ ने से बताया कि बीज (दूज) महोत्सव मे समाज बन्धुओं ने प्रात: वेला में पूजा अर्चनाकर, माई के चरणों मे पुष्प-माला, प्रसाद व श्रीफल भेटकर अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। रात्रि 8.15 बजे से पूनम ग्रूप व महिला मंडल द्वारा भजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पूनम ग्रूप की अध्यक्षा सुशीला देवड़ा व महिलाओं ने माई के भजनों पर शानदार नृत्य प्रस्तुतकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। तत्पश्चात् रात्रि 9.15 बजे से चेतन नाथ की मधुर आवाज में देर रात तक जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जागरण के मध्य नवनिर्माणाधीन भवन के नीव की बोली का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे उच्चतम् बोली पूर्व उपाध्यक्ष ओकाराम सोलंकी सोमबाथ एंड लाईटस् कुकटपल्ली लाभार्थी परिवार रहे। अवसर पर अध्यक्ष जे.सी.चोलाराम हाम्बड़ ने समाज बन्धुओं को बीज (दूज) महोत्सव की शुभकामनाएँ देते हुए बताया कि माघ सुदी बीज (दूज) महोत्सव श्री आईमाताजी ने माधवजी के सुपुत्र गोयनन्ददासजी को पाठ बिठाकर आईपंथ का प्रथम दीवान (धर्मगुरु) नियुक्त किया। तभी से हर वर्ष यह पर्व समाज बन्धु सपरिवार हर्षोल्लास से मनाते है। शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा, कोषाध्यक्ष जसवन्त देवड़ा व अध्यक्षा सीतादेवी सोलंकी, निर्मला देवड़ा ने भी पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों को माघ सुदी बीज (दूज) महोत्सव की शुभकामनाएँ दी। सचिव किशनलाल राठौड़ के मंच संचालन, धन्यवाद ज्ञापन व महाआरती के पश्चात् कार्यक्रम का समापन हुआ।

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने वंदे भारत एक्सप्रेस का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने मंगलवार को वंदे भारत एक्सप्रेस का निरीक्षण किया। उनके साथ ए.के.गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे। महाप्रबंधक ने निरीक्षण के भाग के रूप में वंदे भारत एक्सप्रेस द्वारा विजयवाड़ा से सिकंदराबाद तक की यात्रा की। उन्होंने यात्रियों के साथ बातचीत की और भारतीय रेलवे की स्वदेशी सेमी-हाई स्पीड ट्रेन, वंदे भारत एक्सप्रेस में उनके अनुभव के बारे में उनसे पहली प्रतिक्रिया ली। रेल यात्रियों ने ट्रेन में प्रदान की जा रही सुविधाओं की सराहना की, ट्रेन में प्रीमियम सुविधाओं के साथ उन्हें सर्वश्रेष्ठ यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए रेलवे के प्रयासों की सराहना की। महाप्रबंधक ने ट्रेन के ऑन-बोर्ड स्टाफ के साथ भी बातचीत की और ट्रेन में प्रदान की जाने वाली सुरक्षा सुविधाओं, खानपान व्यवस्था और यात्रियों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता की समीक्षा की. बाद में, महाप्रबंधक ने खम्मम और वारंगल स्टेशनों के बीच फुट प्लाट निरीक्षण किया। उन्होंने सेमी हाई-स्पीड ट्रेनों में लोको पायलटों और अन्य कर्मचारियों द्वारा पालन की जा रही सुरक्षा प्रक्रियाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सेक्शन के सिग्नलिंग पहलू और ट्रैक क्षमता का निरीक्षण किया। इससे पहले अरुण कुमार जैन ने विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन के उन्नयन कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन परिसर में प्लेटफार्म, प्रतीक्षालय और फूड कोर्ट सहित स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं की समीक्षा की।

पूर्वोत्तर रेलवे निविदा सूचना संख्याः 43 दिनांकः 24.01.2023

ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निविदा आमंत्रण

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर कृते भारत के राष्ट्रपति तथा उनकी ओर से ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का पूर्ण विवरण तथा नियम एवं शर्तें वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रम सं.	निविदा संख्या	खुलने की तिथि	सामग्री का विवरण	आरक्षित श्रोत द्वारा
1	30221157	20/02/23	कांटेक्टर (विथ डायोड) ईटीसी	--
2	26225078	16/02/23	मैन्युफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ ईआरसी ईटीसी	RDSO
3	24221230	16/02/23	ब्रेक शो ईटीसी	--
4	33220018	16/02/23	कांटेक्ट वायर इंडिंग ईटीसी	CORE
5	22221093E	15/02/23	लिंक पिन टू आरसीएफ ड्राइंग नं एलडब्लू 05125 ईटीसी	--
6	30221158F	15/02/23	हाई वोल्टेज फ्यूज करेंट 125 एम्पि0 ईटीसी	--
7	26225133	09/02/23	मैन्युफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ जीआरएसपी ईटीसी	RDSO
8	26225138	07/02/23	मैन्युफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ जीएफएन टी-8752 ईटीसी	RDSO

मुजाधि/S-76 प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक गोरखपुर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मो.- 09794845955 पर SMS करें

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

"ई" नीलामी पट्टे के माध्यम से प्रदत्त वाणिज्यिक आय तथा गैर किराया राजस्व अनुबंधों के प्रति गुंटूर डिवीजन की संयुक्त मासिक सूची

PUB/00980

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटूर डिवीजन, गुंटूर व्दारा आयआईपीएस वेब पोर्टल के ई नीलामी पट्टा पध्दति (ई-आक्शन लीजींग मोड्यूल) के माध्यम से बोलियां आमंत्रित हैं। तत्संबंधित सूची विवरण को निम्नानुसार प्रदर्शित किया गया है।

एसएलआर की पार्सल लीजींग

क्रम सं	ठेका प्रकार	रेल सं.	ठेका अवधि	नीलामी शुरू होने की तिथि व समय
1	एसएलआर की लीजींग	12747(एफएसएलआर1, एफएसएलआर2 व आरएसएलआर1)	2 वर्ष	10-02-2023 के 14.30 बजे
2		17239(एफएसएलआर1, एफएसएलआर2 व आरएसएलआर1)	2 वर्ष	10-02-2023 के 14.30 बजे
3		17201(एफएसएलआर1, एफएसएलआर2 व आरएसएलआर1)	2 वर्ष	10-02-2023 के 14.30 बजे
4		17626(एफएसएलआर1, एफएसएलआर2 व आरएसएलआर1)	2 वर्ष	10-02-2023 के 14.30 बजे
5		17251(एफएसएलआर1 व आरएसएलआर1)	2 वर्ष	10-02-2023 के 14.30 बजे
6		17243(एफएसएलआर1)	2 वर्ष	10-02-2023 के 14.30 बजे
7		17205(एफएसएलआर1 व आरएसएलआर1)	2 वर्ष	10-02-2023 के 14.30 बजे

निविदादाताओं की यह जिम्मेदारी होगी कि, डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र प्राप्त करें तथा ई-निविदाओं में भाग लेने के लिए अपने आपको आयआरइपीएस के ई नीलामी पट्टा या ई आक्शन लीजींग में पंजीकृत करें। आयआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण तथा ई नीलामी पट्टा या ई आक्शन लीजींग में भाग लेने के प्रति आवश्यक मैन्युएल दिशा-निर्दशों को www.ireps.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध कराया गया है। निविदादाताओं व्दारा, मागे जाने पर, तत्संबंधित आवश्यक दस्तावेजों को अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर प्रस्तुत करना होगा। निविदा से जुडे आवश्यक दस्तावेजों की अपलोडिगं या तत्संबंधित भुगतान के दौरान आयआरईपीएस पोर्टल पर हुए किसी भी अवरोध के लिए रेल प्रशासन बिलकुल उत्तरदायी नही होगा। निविदा प्रपत्र में स्थित सभी निर्धारित नियम शर्तों को ग्रथावत पूरा न करनेवाले प्राप्त संबंधित निविदाओं को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा। तत्संबंधित उपरोक्त निविदा का पूर्ण विवरण ई आक्शन लीजींग मोड्युल के पोर्टल www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

A0121 वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबंधक, गुंटूर

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, EX NK (MP) E JAGADISH KUMAR ofthe CMP BENGULURU, Have Changed My Daughter's Name From E J SAMYUKTA to E J SAMYUKTHA Vide Affidavit Dt. 19-01-2023.

I, EX NK (MP) E JAGADISH KUMAR of the CMP BENGULURU, have changed MY DAUGHTER'S name from E J SRINITHI to E J SHRINITHI vide affidavit dt.19-01-2023.

I, DEVALAKSHMI NAGIREDDI, is Spouse of S.No 14674645L, NK, CHINAAPPA RAO GORLI, R/O-H.No-27116, Kapu Street, Pata Santa Bayalu, Narsi-patanam, Vishakapatanam, A.P. I have to change from -DEVALAKSHMI NAGIREDDI to DEVALAKSHMI GORLI, for all purpose vide affidavit dated: 19/1/23.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

दुर्गा माता मंदिर, गोशामहल मंडल के पास चंदनवाड़ी में न्यू सीवरेज पाइपलाइन का उद्घाटन करते हुए विधायक टी. राजा सिंह, गोशामहल पार्षद लाल सिंह, एम.कृष्णा व अन्य।

जब तक है जान कपल किट्टी ने अपना वार्षिक बॉलीवुड थीम पार्टी आयोजित की। शानदार शाम का मेजबान संजय अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल (डीआरएस) और अरुणा और राजेंदर (यूएसए), रीना (संस्थापक, जब तक है जान) ने किया। बॉलीवुड थीम्ड पार्टी में सारे कपल ने खूब आनंद के साथ गेम्स खेले।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 311 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.4 2079 बुधवार, 25 जनवरी 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

खुफिया रिपोर्ट्स को सार्वजनिक करना चिंताजनक

कॉलेजियम से नाराज कानून मंत्री

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। कानून मंत्री किरन रिजिजू लगातार सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के खिलाफ मुखर होकर बयानबाजी कर रहे हैं। अब एक बार फिर कानून मंत्री ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम पर निशाना साधा है।

उन्होंने मंगलवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि खूफिया विभाग और रॉ की कुछ संवेदनशील रिपोर्ट्स के कुछ हिस्सों को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा सार्वजनिक करना गंभीर चिंता का विषय है। किरन रिजिजू ने कहा कि खुफिया एजेंसियां गुप्त तरीके से काम करती हैं और अगर उनकी रिपोर्ट्स को सार्वजनिक किया जाएगा तो वह भविष्य में दो बार सोचेंगे। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने हाल ही में आईबी और रॉ की रिपोर्ट्स के कुछ हिस्सों को सार्वजनिक किया था। इन रिपोर्ट्स में सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति के लिए भेजे गए नामों के बारे में जानकारी दी गई थी। दरअसल केंद्र सरकार ने खूफिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कॉलेजियम द्वारा भेजे कुछ नामों को खारिज कर दिया था। इसके बावजूद कॉलेजियम ने इन नामों को फिर से सरकार के पास भेज दिया था। इसी पर बोलते हुए कानून मंत्री ने कहा कि आईबी और रॉ की संवेदनशील रिपोर्ट्स को सार्वजनिक करना बेहद चिंताजनक है और मैं इस पर सही समय आने पर प्रतिक्रिया दूंगा। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पहली बार आईबी और रॉ की जजों की नियुक्ति पर तैयार की गई रिपोर्ट को सार्वजनिक किया है।

साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने जजों की नियुक्ति पर केंद्र सरकार की आपत्ति पर भी विस्तार से जवाब दिया है। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने इस बार पूरे मामले को सार्वजनिक करने का फैसला किया। साथ ही खूफिया विभागों की रिपोर्ट को भी सार्वजनिक किया गया।

कानून मंत्री पर कपिल सिब्बल का तंज

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने मंगलवार को एक ट्वीट कर केंद्रीय कानून मंत्री किरन रिजिजू पर तंज कसा है। बता दें कि किरन रिजिजू ने सोमवार को अपने एक बयान में कहा था कि सरकार ने न्यायपालिका की ताकत को कम करने की दिशा में एक भी कदम नहीं उठाया है। इस पर कपिल सिब्बल ने ट्वीट करते हुए तंज कसा कि आपके विवादित बयान तो न्यायपालिका को मजबूत करने के लिए थे!

किरन रिजिजू ने सोमवार को दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट में गणतंत्र दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि मोदी सरकार ने न्यायपालिका की ताकत को कमतर करने के लिए एक भी कदम नहीं उठाया है। उन्होंने कहा कि सरकार और न्यायपालिका के विचारों में अंतर हो सकता है लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि हम एक दूसरे पर हमला कर रहे हैं या फिर हमारे बीच महाभारत चल रही है। कानून मंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने ट्वीट किया। जिसमें उन्होंने लिखा कि रिजिजू का एक और नायाब बयान, मोदी सरकार ने न्यायपालिका की ताकत को कम करने की दिशा में एक भी कदम नहीं उठाया है, क्या आपके विवादित बयान न्यायपालिका को मजबूत करने के लिए थे। आपको ऐसा लग सकता है लेकिन हम वकीलों को नहीं लगता। कॉलेजियम सिस्टम को लेकर केंद्र सरकार और न्यायपालिका में लगातार बयानबाजी सामने आ रही है। सरकार जहां कॉलेजियम सिस्टम में बदलाव की मांग कर रही है, वहीं सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम व्यवस्था को बनाए रखने के पक्ष में है। कानून मंत्री सबसे मुखर होकर न्यायपालिका पर अपनी बात रख रहे हैं। अपने हालिया बयान में भी कानून मंत्री किरन रिजिजू ने न्यायपालिका पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जनता न्यायाधीशों का चुनाव नहीं करती है, इसलिए वह न्यायाधीशों को नहीं बदल सकती, जैसा कि वह सरकारों के मामले में करती है लेकिन जनता आपको (न्यायाधीशों) देख रही है।

बागेश्वर धाम के शास्त्री को जान से मारने की धमकी

छतरपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। देश में इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चाओं में कोई है तो वह है मध्यप्रदेश के गढ़ा के बागेश्वर धाम के शास्त्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री।

इन्हें जान से मारने की धमकी दी गई है और यह धमकी भरा फोन इनके भाई लोकेश गर्ग के मोबाइल फोन पर दी गई है। धीरेंद्र शास्त्री के भाई लोकेश गर्ग द्वारा बमीठा थाने में दर्ज कराई गई एक शिकायत में कहा गया है कि उनके पास एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया, जिसमें दूसरी तरफ से कहा गया कि बागेश्वर वाले धीरेंद्र शास्त्री से बात कराओ, जब इसका जवाब मैंने दिया कि धीरेंद्र शास्त्री से बात कराना संभव नहीं है तो दूसरी तरफ से व्यक्ति बोला कि उनकी तेरहवीं की तैयारी कर लेना, मैंने बोला क्यों और आप कौन बोल रहे हैं, मैं आपको नहीं जानता तो वह बोला मैं अमर सिंह बोल रहा हूं। धीरेंद्र कि तेरहवीं की तैयारी कर लेना और फोन काट दिया।

बताया गया है कि लोकेश बागेश्वर धाम के शास्त्री धीरेंद्र के चचेरे भाई हैं। लोकेश की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

ज्ञात हो कि इन दिनों धीरेंद्र शास्त्री चर्चाओं में है और जगह-जगह उनकी राम कथाएं हो रही हैं, जिनमें वे लोगों के जीवन से जुड़ी बातों का खुलासा भी कर रहे हैं। इसके चलते उनके आयोजनों में बड़ी तादाद में लोग पहुंच रहे हैं।

दिग्विजय के बयान से सहमत नहीं : राहुल

कहा-सेना कुछ करे तो उसे सबूत की जरूरत नहीं, हमें उस पर पूरा भरोसा

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने मंगलवार को कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के बयान से पल्ला झाड़ लिया।

उन्होंने कहा, सेना के शौर्य पर कभी सवाल नहीं उठाया है। अगर सेना कुछ करती है तो उस पर सबूत की जरूरत नहीं। ये दिग्विजयजी की निजी राय है। मैं इससे सहमत नहीं हूं।

राहुल बोले, दिग्विजय के बयान से पूरी तरह असहमत

जब हम अंग्रेजों से लड़ रहे थे, तब भाजपा-संघ के लोग उनके साथ थे।

उन्हीं के नेताओं ने दो देशों का कॉन्सेप्ट दिया। जहां तक दिग्विजय जी के बयान की बात है। उन्होंने जो सर्जिकल स्ट्राइक पर कहा, उससे हम पूरी तरह डिसएग्री करते हैं। हमारी आर्मी पर हमें पूरा भरोसा है। अगर आर्मी कुछ करे तो सबूत देने की जरूरत नहीं। मैं दिग्विजय सिंह के बयान से पूरी तरह असहमत हूं। निजी तौर पर मेरा यह मानना है कि दिग्विजयजी ने जो कुछ भी कहा, वह उनकी निजी राय है।

कांग्रेस पार्टी भी इससे सहमत नहीं है। दिग्विजय सिंह ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान ही कहा था कि सरकार ने कभी सर्जिकल स्ट्राइक का सबूत नहीं दिया। विवाद बढ़ा तो बाद में सफाई भी दी थी कि हम भारतीय सेना का सम्मान करते हैं और वह हमारे लिए सबसे ऊपर है।

दिग्विजय दे रहे थे सफाई, उन्हें पीछे कर मीडिया पर भड़क गए जयराम रमेश

अपने द्वारा दिए गए बयान पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को कहा कि हम सुरक्षा बलों का काफी सम्मान करते हैं और उनको सर्वोच्च स्थान देते हैं। इसके साथ ही सर्जिकल स्ट्राइक पर जम्मू में कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि इसके बारे में मैंने कल ट्वीट कर बिल्कुल साफ बताया था कि इस मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी का क्या रवैया है और इस पर मैं कुछ नहीं बोलूंगा। सर्जिकल स्ट्राइक पर दिग्विजय सिंह की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर जयराम रमेश ने कहा कि हमने सभी सवालों के जवाब दे दिए हैं।

तेलंगाना में बीजेपी का चुनावी प्लान!

केसीआर के गढ़ को भेदने के लिए अपनाई तरकीब

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी तेलंगाना में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पार्टी में बड़ा सांगठनिक फेरबदल करने जा रही है। सूत्रों के मुताबिक कम से कम तीन उपाध्यक्ष और छह जिला प्रभारियों को उनके पद से मुक्त किया जाएगा।

वहीं इनकी जगह पर दूसरे को पद दिए जाने की संभावना नहीं है। क्योंकि बीजेपी अपने प्लान के मुताबिक पार्टी का संचालन पुराने हाथों से ही करना चाहती है। पार्टी में यह परिवर्तन तेलंगाना बीजेपी प्रमुख बंडी संजय कुमार के कार्यकाल विस्तार की आधिकारिक पुष्टि के बाद होगा। तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष का कार्यकाल फरवरी में समाप्त हो रहा है। माना जा रहा है कि इसके बाद जरूर इसको लेकर घोषणा की जा सकती है। यानी कुल मिलाकर कहें तो बीजेपी सूबे की सत्ता पर काबिज केसीआर की बीआरएस पार्टी को कड़ी टक्कर देने की तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है।

केसीआर की कमियां गिनाएगी बीजेपी :

बीजेपी विधानसभा चुनावों को लेकर इस इरादे से उतर रही है। जिससे कि चुनावी लड़ाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अच्छे विकास कार्य और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की नाकामी साबित की जाए। इसके साथ ही दोनों पार्टियों के बीच चुनावी मुकाबला बनाया जा सके। महबूबनगर में पदाधिकारियों की बैठक की गई। जहां इस दौरान बंडी संजय, तरुण चुघ, सुनील बंसल व अन्य नेता भी मौजूद रहे। एक सूत्र ने कहा, मुख्यमंत्री केसीआर की विफलताओं को निशाना बनाते हुए पीएम मोदी के अच्छे कार्यों को कैसे लोगों तक पहुंचाया जाए। इसको लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

कार्यकारी समिति की बैठक में प्रस्ताव :

मंगलवार को महबूबनगर में होने वाली राज्य कार्यकारी समिति (एसईसी) की बैठक में बीजेपी इसी तर्ज पर राजनीतिक प्रस्ताव पेश किया। एसईसी की बैठक आमतौर पर हर तीन महीने में होती है। लेकिन इस बार यह छह महीने के अंतराल के बाद ही आयोजित की जा रही है।

पार्टी यह सुनिश्चित करने के लिए भी एक रणनीति पर काम कर रही है कि अगर मुफ्त बिजली या मुफ्त शिक्षा जैसी वादे पार्टी के जरिए किए जाते हैं तो इसका अधिकतम प्रभाव जनता पर होना चाहिए।

चंडीगढ़ कोर्ट कॉम्प्लैक्स में बम की सूचना

चंडीगढ़, 24 जनवरी (एजेंसियां)। चंडीगढ के जिला कोर्ट में बम की सूचना से हड़कंप मच गया। पुलिस को एक लेटर मिला था, जिसमें कहा गया कि चंडीगढ़ के ज्यूडिशियल कॉम्प्लैक्स में बम रखा गया है। यह बम एक गाड़ी में है, जो 1 बजे फट जाएगा। लगभग 4 घंटे तक जिला अदालत में सर्च की गई।

इसी बीच कोर्ट कॉम्प्लैक्स में संदिग्ध कैरी बैग मिला जिसमें टिफिन और एक बोतल थी। इसकी जांच के लिए चंडीमंदिर से आर्मी की टीम को बुलाया गया। टीम ने जांच के बाद इसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। जिसके बाद ऑपरेशन खत्म हुआ। बता दें कि भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा हुआ था। पूरे कॉम्प्लैक्स को खाली कर सील कर दिया गया था। सभी वकीलों को भी बाहर रहने को कहा गया था।

हंगामे के बाद टाला गया दिल्ली मेयर चुनाव

एमसीडी हेडक्वार्टर में आप-भाजपा मेंबर्स की नारेबाजी, मेज पर चढ़े, बोतलें फेंकी

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के मेयर, डिप्टी मेयर और स्थायी समिति के सदस्यों के चुनावों की प्रक्रिया मंगलवार को स्थगित कर दी गई। एमसीडी के सिविक सेंटर में वोटिंग शुरू होते ही हेडक्वार्टर में भारी हंगामा शुरू हो गया। आप-भाजपा मेंबर्स ने नारेबाजी की, बैरिकेड्स पर चढ़ गए और एक दूसरे पर बोतलें फेंकी। हंगामे के कारण सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया।

इसके पहले एमसीडी में 10 मनोनीत सदस्यों को शपथ दिलाई गई। इस दौरान भी आप नेताओं ने नारेबाजी की। भाजपा नेताओं ने भी जय श्रीराम और भारत माता की जय के नारे लगाए। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि बहुत दुख का विषय है कि वोट डालने के लिए सभी बैठे थे लेकिन फिर हंगामा हो गया। ऐसा नहीं होना चाहिए, लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन होना चाहिए।

दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि बीजेपी मेयर के चुनाव से भाग रही है, उन्हें पता है कि आप मेयर उस काम में तेजी लाएगी जो बीजेपी नहीं कर पाई। हम मांग करते हैं कि एमसीडी हाउस फिर से बुलाया जाए और मेयर का चुनाव आज ही हो।

आप ने महापौर पद के लिए शैली ओबेरॉय और भाजपा ने रेखा गुप्ता को मैदान में उतारा है। ऐसे में राजधानी को एक महिला मेयर मिलना तय है। भाजपा सांसद हंसराज हंस ने दावा किया कि मेयर भाजपा का ही होगा। एमसीडी चुनाव के बाद सदन की पहली बैठक 6 जनवरी को हुई थी, लेकिन हंगामे के कारण मेयर का चुनाव नहीं हो पाया था।

मेयर पद के लिए पहला साल महिलाओं के लिए आरक्षित :

दिल्ली में मेयर पद के चुनाव रोटेशन के आधार पर 5 सिंगल ईयर की शर्तों पर होते हैं। पहला साल महिलाओं के लिए आरक्षित होता है। दूसरा ओपन कैटेगरी के लिए, तीसरा साल आरक्षित वर्ग के लिए और बचे हुए दो साल फिर से ओपन कैटेगरी के लिए आरक्षित होते हैं। इस तरह दिल्ली को इस साल एक महिला मेयर मिलेगी। डिप्टी मेयर के लिए आप के उम्मीदवार आले मोहम्मद इकबाल और भाजपा के उम्मीदवार कमल बागड़ी हैं। आले मोहम्मद मटिया महल से विधायक शोएब इकबाल के बेटे हैं। मेयर के चुनाव में 273 मेंबर्स वोट डालेंगे। बहुमत के लिए 133 का आंकड़ा चाहिए। आप के पास 134 पार्षद हैं। इसके अलावा 3 राज्यसभा सांसद भी हैं। इस चुनाव में 250 पार्षदों के साथ 10 सांसद (7 लोकसभा सांसद और 3 राज्यसभा सांसद), 13 विधानसभा सदस्य वोट डालेंगे।

एमसीडी का इतिहास :

एमसीडी अप्रैल, 1958 में अस्तित्व में आया था। इसने पुरानी दिल्ली में 1860 के दशक के ऐतिहासिक टाउन हॉल से अपनी यात्रा शुरू की थी और अप्रैल, 2010 में इसे सिविक सेंटर परिसर में ट्रांसफर कर दिया गया था। 1958 में फ्रीडम फाइटर अरुणा आसफ अली को मेयर चुना गया था। अली की फोटो अभी भी टाउन हॉल में पुराने नगरपालिका भवन के कमरों और सिविक सेंटर के कार्यालयों में लगी हुई हैं। शहर की एक प्रमुख सड़क का नाम भी उनके नाम पर रखा गया था।

2012 में बंटी एमसीडी :

लॉ स्कॉलर रजनी अब्बी 2011 में एमसीडी के तीन भागों में बंटने से पहले मेयर थीं। 2012 में निगम को तीन अलग-अलग नागरिक निकायों- उत्तर (104 वार्ड), दक्षिण (104 वार्ड) और पूर्वी (64 वार्ड) नगर निगमों में बांट दिया गया।

26 जनवरी पर 'मेड इन इंडिया' गन से दी जाएगी 21 तोपों की सलामी

अब तक ब्रिटिश तोप से होती थी यह रस्म

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस पर इस बार ब्रिटिश गन से नहीं बल्कि स्वदेशी गन से सलामी दी जाएगी। गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रपति को 21 तोपों की सलामी दी जाती है। अब तक ब्रिटिश 21 पाउंडर गन से यह दी जाती रही है। अब कर्तव्यपथ पर स्वदेशी 105 एमएम फील्ड गन से 21 तोपों की सलामी दी जाएगी।

इसमें जो एम्युनिशन इस्तेमाल होगा वह भी स्वदेशी ही होगा। गणतंत्र दिवस की परेड विजय चौक से लाल किले तक जाएगी। यह सुबह 10.30 बजे शुरू होगी और 12 बजे तक चलेगी।

तीन परमवीर चक्र विजेता और तीन अशोक चक्र विजेता सुप्रीम कमांडर यानी राष्ट्रपति को सलामी देंगे। इस बार मिस्र के राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि हैं। परेड में मिस्र का मार्चिंग दस्ता और बैंड भी शामिल

होगा। भारतीय सेना जो इक्विपमेंट प्रदर्शित करेगी सारे स्वदेशी होंगे।

सेना के धारदार हथियार :

सेना के इक्विपमेंट में तीन अर्जुन-मार्क वन टैंक, एक नाग मिसाइल सिस्टम, दो बीएमपी, एक ब्रह्मोस मिसाइल, दो 10 मीटर के शॉर्ट स्पैन ब्रिज, एक मोबाइल माइक्रोवेव नोड और मोबाइल नेटवर्क सेंटर, दो आकाश मिसाइल सिस्टम शामिल हैं। फ्लाईपास्ट में आर्मी एविएशन कोर के दो अडवांस लाइट हेलिकॉप्टर ध्रुव और दो रुद्र शामिल होंगे। भारतीय सेना की तरफ से परेड में डोगरा रेजिमेंट, गोरखा रेजिमेंट, मराठा लाइट इन्फेंट्री, बिहार रेजिमेंट, मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री के दस्ते शामिल होंगे।

ड्रोन उड़ाने पर लगी रोक :

दिल्ली में ड्रोन और पैराग्लाइडर जैसी चीजों को उड़ाने पर रोक लगा दी गई है। पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने नोटिस जारी कर इस पर 15 फरवरी तक पाबंदी लगाई है।

इस दौरान सीआरपीसी की धारा-144 लागू रहेगी। इस आदेश का उल्लंघन करने वालों पर आईपीसी की धारा-188 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस कमिश्नर की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि आतंकी मंसूबों को विफल करने के लिए पैराग्लाइडर, पैरामोटर्स, यूएवी, यूएएस, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट, रिमोट कंट्रोल एयरक्राफ्ट, गर्म हवा के गुब्बारों, छोटे साइज के ऑटोमेटिक एयरक्राफ्ट और पैरा जंपिंग आदि पर बैन लगा दिया गया है। इसकी सूचना सभी जिलों के डीसीपी, अडिशनल डीसीपी, एसीपी, तहसील, एमसीडी, एनडीएमसी, डीडीए, पीडब्ल्यूडी, और दिल्ली कैंट बोर्ड को भी भेज दी गई है।

सीमा विवाद बना नाक की लड़ाई

कानूनी टीम को 60 लाख रुपये प्रति दिन देगी कर्नाटक सरकार

बेंगलुरू, 24 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में महाराष्ट्र के साथ सीमा विवाद से संबंधित केस लड़ने के लिए मुकुल रोहतगी सहित वरिष्ठ वकीलों की टीम के लिए एक दिन में लगभग 60 लाख रुपये का पेशेवर शुल्क तय किया है। कानून विभाग के एक आदेश में कहा गया है कि कर्नाटक सरकार ने सीमा विवाद पर महाराष्ट्र सरकार द्वारा दायर एक मूल मुकदमे (नंबर 4/2004) में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करने के लिए कानूनी टीम के लिए नियम और शर्तें और पेशेवर शुल्क तय किया है।

भारी भरकम फीस लेकर केस लड़ेंगे मुकुल रोहतगी :

18 जनवरी के आदेश के अनुसार, वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी को शीर्ष अदालत में पेश होने के लिए प्रतिदिन 22 लाख रुपये और सम्मेलन और अन्य कार्यों के लिए प्रति दिन 5.5 लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा। एक अन्य वकील श्याम दीवान को अदालत में पेश होने के लिए प्रतिदिन छह लाख रुपये, मुकदमे की तैयारी और अन्य कार्यों के लिए प्रतिदिन 1.5 लाख रुपये और बाहरी यात्राओं के लिए प्रतिदिन 10 लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा। होटल सुविधाओं और बिजनेस क्लास की हवाई यात्रा का खर्च सरकार वहन करेगी।

पिछले साल के अंत में सीमा विवाद और गहरा गया था :

बता दें कि पिछले साल के अंत में सीमा विवाद उस समय और गहरा गया जब दोनों पक्षों के वाहनों को निशाना बनाया जा रहा था, दोनों राज्यों के नेताओं की तरफ से बयानबाजी तेज हो गई थी। इसके अलावा कन्नड़ और मराठी कार्यकर्ताओं को बेलागवी में तनावपूर्ण माहौल के बीच पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया था। भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के बाद सीमा का मुद्दा 1957 का है।

दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद क्या है :

यह सीमा विवाद कर्नाटक के बेलागवी (बेलगाम), उत्तर कन्नड़ा, बीदर और गुलबर्गा जिलों के 814 गांवों से जुड़ा है। इन गांवों में मराठी भाषी परिवार रहते हैं। 1956 के राज्य पुनर्गठन अधिनियम के तहत जब राज्यों की सीमा का निर्धारण हुआ तो ये गांव उस वक्त के मैसूर (वर्तमान कर्नाटक) राज्य का हिस्सा बन गए। महाराष्ट्र इन गांवों पर अपना दावा करता है। बॉम्बे प्रेसिडेंसी में कर्नाटक के विजयपुरा, बेलागवी, धारवाड़ और उत्तर कन्नड़ा जिले आते थे।

एक ही परिवार के 7 लोगों के शव मिले

पुणे, 24 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे में एक ही परिवार के सात लोगों के शव मिले हैं। मिली जानकारी के अनुसार परिवार आर्थिक तंगी में था। पुलिस के अनुसार पहली नजर में मामला आत्महत्या का लग रहा है। हालांकि मामले में सभी ऐंगल से जांच की जा रही है। मामला पुणे जिले के दौंड तालुका के परगांव का है। यहां की भीमा नदी से 18 से 21 जनवरी के बीच परिवार के चार सदस्यों के शव मिले थे। वहीं नदी में तलाश के दौरान मंगलवार दोपहर परिवार के तीन और बच्चों के शव मिले हैं। मृतकों में 50 साल के पुरुष से लेकर 3 साल तक के बच्चे के शव हैं। बताया जाता है कि नदी में मछली पकड़ने के दौरान मछुआरों को एक महिला का शव मिला। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी।

स्वतंत्र वार्ता
बुधवार, 25 जनवरी, 2023

क्या भारत को मिलेगा बड़ा तोहफा, आजाद होगा पीओके ?

इन दिनों पाकिस्तान के हालात बेहद खराब चल रहे हैं। अवाम भूख और गरीबी से जूझ रही है। इस बीच पाक अधिकृत कश्मीर गिलगित बाल्टिस्तान से भी पाकिस्तान के खिलाफ आवाज उठने लगी है। पाक अधिकृत कश्मीर के लोगों ने पाकिस्तान सरकार पर उनके साथ भेदभाव करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। यहां के नाराज लाग अब पीओके को भारत में मिलाने की मांग करने लगे हैं। शोषण के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुए कश्मीरी उन्हें भारत के लद्दाख में एक बार फिर से मिलाने की बात कहनी शुरू कर दी है।पाक अधिकृत कश्मीर गिलगित बाल्टिस्तान में इन दिनों वहां के लोग पाकिस्तान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते देखे जा रहे हैं। वहां के हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर हैं और जुलूस निकाल रहे हैं। पीओके के लोगों की मांग उन्हें भारत के लद्दाख क्षेत्र में मिला देने की है। इस मांग के तेज होते ही पाकिस्तान सरकार की नींद उड़ी है। इस विरोध प्रदर्शन के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। रैली में लोगों ने कारगिल सड़क को खोलने की मांग की। उन्होंने नारा लगाया कि 'आर पार जोड़ दो, कारगिल को खोल दो।' स्पष्ट है कि अब पाकिस्तान से टूटने वाला है और अब वहां बगावत भी शुरू हो गयी है, जिसकी पुष्टि खुद पाकिस्तान की जनता बार-बार खुल कर मीडिया के सामने कर रही है और साथ ही साथ भारत की प्रगति के कसीदे भी पढ़ते नजर आते हैं। पाकिस्तान की मौजूदा सरकार जोकि अपनी डूबती अर्थव्यवस्था को नहीं संभाल पा रही है उसने Pok का भी बेड़ा गर्ग कर दिया है। जानकारी के अनुसार हाल ही में जब कुछ पाकिस्तानी अफसर Pok पहुंचे थे तो वहीं के लोगों ने उन्हें खदेड़ दिया। गौरतलब है कि इन दिनों पाकिस्तान में घनघोर खाद्यान्न संकट है। पूरा देश आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। आटा के लिए लंबी कतारें और लोगों में संघर्ष देखा जा रहा है। इसको लेकर लोगों में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ गुस्सा बढ़ रहा है। वहीं पाक अधिकृत कश्मीर के लोग सेना के खिलाफ भी खुलकर बयान दे रहे हैं। हाल ही में तालिबान की तरफ से भी पाकिस्तान को चेताया गया है। तालिबान की तरफ से भी पाकिस्तान का चुनौती मिलने से वह परेशान दिखने लगा है। इस बीच पीओके में पाकिस्तान विरोध और भारत में शामिल किए जाने की आवास से पाकिस्तान सरकार और सेना की नींद उड़ने लगी है। लोगों की आवाज को दबाने की कोशिश होने लगी है। गौरतलब है कि पाकिस्तान की मौजूदा हालात पर इन दिनों दुनिया भर की नजरें हैं। इसी बीच अमेरिका के डेलावेयर यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर मुक्तदर खान ने यह कह कर बवाल खड़ा कर दिया है कि भारत चाहे तो जंग का ऐलान कर पीओके और बाकी इलाकों को अपने में मिला सकता है।उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस समय एक नाजुक मोड़ पर खड़ा है। ऐसे में भारत चाहे को उस पर चढ़ाई कर सकता है। उधर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने पहले ही कह दिया है कि हमें भारत से युद्ध नहीं करना चाहिए था। उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि हमने भारत के साथ तीन युद्ध लड़े। लेकिन बदले में हमें परेशानी, गरीबी और बेरोजगारी मिली। हमने अपना सबक सीख लिया है। हम शांति के साथ रहना चाहते हैं। इसके साथ ही पाकिस्तान के पीएम ने भारत के साथ ईमानदारी से बातचीत करने को कहा है। जिसपर अमेरिका के डेलावेयर यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर मुक्तदर खान ने कहा है कि पीएम शहबाज शरीफ ने भारत के साथ ईमानदारी से बातचीत कहकर यू टर्न लिया है। खान ने कहा है कि पाकिस्तान हर मामले में कमजोर पड़ चुका है। हाल ये है कि कोई भी मुल्क पाकिस्तान पर हावी हो सकता है। भारत चाहे तो वो आसानी से कब्जा कर सकता है।इसके साथ ही मुक्तदर खान ने कहा है कि पाकिस्तान को सबसे पहले भारत का शुक्रिया अदा करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि अभी तक पाकिस्तान के नाजुक हालात का फायदा भारत नहीं उठा पा रहा है। पाकिस्तान को यह बात हमेशा याद रखनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान के नेताओं को समझना होगा कि भारत के नेता अधिक सम्मानित हैं और उनके जैसे नहीं हैं। मुक्तदर खान ने कहा कि पाकिस्तान मौजूदा समय में छह प्रकार के संकट का सामना कर रहा है। इस दौरान उन्होंने राजनीतिक संकट, आर्थिक संकट, सुरक्षा का संकट, सिस्टम का संकट, पहचान का संकट और पर्यावरण संकट का हवाला दिया। इसके साथ ही हाल ही में वहां बिजली संकट खड़ा हो गया हैं । करीब दो दिन तक बिजली गुल रही थी । इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि अगर मुझे हजारों और लाखों बार भी ये पूछा जाए कि मैं भारत में एक मुस्लिम की तरह रहना चाहूंगा या फिर पाकिस्तान में एक हिंदू की तरह रहना चाहूंगा तो मेरा हर बार जवाब होगा कि मैं हर बार भारत में मुस्लिम बनकर रहना चाहूंगा। गौरतलब है कि कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद से ही पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) चर्चा में रहा है। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शौर्य दिवस के मौके पर जम्मू कश्मीर में खड़े होकर पाकिस्तान को चुनौती दी थी। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) में उसने (पाकिस्तान) जो किया है, उसकी कीमत के रूप में पीओके खोकर चुकानी पड़ेगी। साथ ही भारत के उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कुछ समय पूर्व कहा था कि भारतीय सेना पीओके को वापस लेने जैसे आदेशों को पूरा करने के लिए तैयार है। इस प्रकार की बातों से भी पीओके में रहने वालों को भारत से उम्मीद बंधी हैं । साथ ही प्रधानमंत्री कार्यालय में मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि अब पीओके को आजाद कराने और भारत में शामिल कराने का वक्त आ गया है। ईश्वर से प्रार्थना करें कि हम अपने जीवनकाल में यह अवसर देख पाएं। दो दिन पहले ही राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने भी ट्वीट किया था कि 1947 में पं। जवाहरलाल नेहरू द्वारा यूएन में दायर किया प्रस्ताव वापस लेकर पीओके को सेना हासिल कर सकती है। कुल मिलाकर, पीओके हर किसी की जुबान पर है, लेकिन क्या वाकई इसे पाकिस्तान के कब्जे से छुड़ाया जा सकता है? यह जानने के लिए भास्कर ऐप प्लस ने पूर्व थल सेना प्रमुख जनरल दीपक कपूर और संविधान विशेषज्ञ विराग गुप्ता से बात की। जनरल दीपक कपूर के अनुसार, संभव सबकुछ है, लेकिन इससे पहले हमें आतंकवाद और पाकिस्तान के प्रति रवैया बदलना होगा। अभी तक हम डिफेंसिव मोड में रहे हैं, लेकिन अब हमें ऑफेंसिव-डिफेंस की नीति अपनाना होगी। यानी सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयर स्ट्राइक यह दिखाती है कि यदि हम पर हमला होगा तो हम न सिर्फ उसका माकूल जवाब देंगे बल्कि उसे जड़ से खत्म करेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर आया बयान भी यह दिखाता है कि सरकार कितनी मतबूत है और दुश्मन को सही जवाब देने के लिए हम कितने सक्षम हैं। जनरल कपूर बताते हैं कि अभी हमें आतंकियों को नियंत्रण रेखा पार करने से रोकना होगा। चूंकि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटा है, इसलिए वहां के हालात सामान्य होने में समय लगेगा। पहला फोकस वहां के लोगों पर, खासकर घाटी के लोगों पर होना चाहिए। वहां के लोगों को जब यह अहसास हो जाएगा कि अनुच्छेद 370 हटना उनके लिए फायदेमंद है, भारत सरकार और सेना उनकी सुरक्षा और बेहतर भविष्य के लिए काम कर रही है, तो आगे की राह अपने आप आसान हो जाएगी। संविधान विशेषज्ञ विराग गुप्ता के अनुसार, संविधान के मुताबिक, पीओके भारत का अभिन्न अंग है। यह पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है। पीओके हासिल करने में न तो कोई कानूनी बाध्यता है और न संयुक्त राष्ट्र का कोई दबाव। यूएन इस मामले में कुछ नहीं कर सकता। अब बात आती है कि यह कैसे संभव है, तो बातचीत से इसका हल निकलने से रहा। दूसरा, जब जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद पाकिस्तान तिलमिला गया तो पीओके की बात करने से क्या होगा, आप सोच ही सकते हैं। इसका एक ही रास्ता है, पाकिस्तानी सेना को वहां से खदेड़ना होगा।

गौरतलब है कि कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद से ही पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) चर्चा में रहा है। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शौर्य दिवस के मौके पर जम्मू कश्मीर में खड़े होकर पाकिस्तान को चुनौती दी थी। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पाक) में उसने (पाकिस्तान) जो किया है, उसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

-अशोक भाटिया

बच्चों में बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति

पता नहीं आजकल के बच्चों को क्या हो गया है कि वे जरा-जरा सी बात पर हिंसक हो उठते हैं। उन्हें इस हद तक गुस्सा आता है कि वे उत्तेजित हो कर किसी की हत्या तक कर बैठते हैं। जाहिर है किसी भी समाज में पनपती हिंसक प्रवृत्ति चिंता का विषय होती है, चाहे उसे अंजाम देने वाला तबका कोई भी हो। बच्चों में पनप रही ऐसी हिंसात्मक प्रवृत्ति समाज व परिवार के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। अगर कम उम्र के कुछ बच्चे भी मामूली बात पर हिंसक होने लगें, यहां तक कि जानलेवा हमला और हत्या तक करने लगें, तो इसे गंभीर चेतावनी के तौर पर देखा जाना चाहिए। हाल ही में ऐसी कई घटनाएं सामने आर्इं, जिनमें किसी किशोर ने मामूली बात पर किसी की जान ले ली। यूपी के गाजीपुर जिले में एक सैन्य अधिकारी की पत्नी को उसके ही बच्चे ने जान ले ली। मां का कसूर सिर्फ इतना था कि वह पांचवी में पढ़ रहे अपने बच्चे को होमवर्क न करने पर डांटा व पीटा था। बस इसी बात से गुस्साए बच्चे ने पत्थर से कुचल कर मां की जान ले ली। इसी तरह दिल्ली के मैदानगढ़ी इलाके में बारहवीं कक्षा के एक छात्र को दो नाबालिगों ने महज मोबाइल छीनने का विरोध करने पर चाकू से मार डाला, इसे मामूली घटना मान कर नजरअंदाज करना ठीक नहीं होगा। आरोपी नाबालिगों ने छात्र का गला रेत दिया और उसकी मौत के बाद तेजाब से उसका चेहरा भी जलाने की कोशिश की। देखा जाए तो यह किसी पेशेवर अपराधी की तरह की हरकत है, जिसमें हत्या और फिर पकड़े जाने से बचने के लिए सबूत मिटाने का पूरा प्रयास किया गया। अगर पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज को नहीं खंगाला होता, तो आरोपियों को पकड़ना भी मुश्किल हो जाता। सवाल है कि जिस उम्र में बच्चे कोमल भावनाओं से गुजर कर अपने भविष्य की चिंता में पढ़ते हैं, उनके भीतर इस तरह की हिंसक प्रवृत्ति कैसे घर कर जाती है! ज्यादा दिन नहीं हुए जब दिल्ली के एक स्कूल में तीन छात्रों ने मिल कर एक शिक्षक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया था। कारण इतना था कि शिक्षक ने छात्रों को स्कूल ड्रेस न पहन कर आने पर डांटा था। नाबालिगों का आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होना कोई नई बात नहीं है, मगर पिछले कुछ समय से ऐसी घटनाएं जिस तरह से बढ़ वह सोचनीय जरूर है। मामूली बात पर हुए विवाद पर किशोरवय के बच्चे अपने साथियों के साथ मिल कर अन्य साथी को बुरी तरह मार-पीट कर उसकी हत्या कर देते हैं। बता दें कि जब कोई समाज दिनोंदिन सभ्य और अहिंसक होने की ओर बढ़ता है, तो उसकी नई पीढ़ी भी यही रास्ता अपनाती है। मगर आज ऐसे हालात क्यों सामने आ रहे हैं, जिनमें किशोरों के बीच हिंसक प्रवृत्ति बढ़ती देखी जा रही है। इसमें कोई दो राय नहीं कि वक्त के साथ होने वाले बदलाव से संतुलन बिठाना जरूरी होता है, लेकिन बदलाव की रफ्तार और उसका दायरा क्या ऐसा हो सकता है कि उससे संतुलन बिठाने के क्रम में समाज का सबसे नाजुक हिस्सा ही असंतुलित होने लगे? किशोरावस्था उम्र का सबसे जटिल पड़ाव होता है, जिससे गुजरते बच्चे के मन में तरह-तरह के उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। ऐसे में अगर समाज और सरकार के स्तर पर उन्हें सही राह नहीं दिखाई जाती है तो उसका खमियाजा भावी पीढ़ियों को भुगतना पड़ता है। एक ओर, बहुत सारे परिवारों को रोजमर्रा की जरूरतें पूरा करने के लिए जद्दोजहद करना पड़ता है और ऐसे में कुछ बच्चे अभाव और उपेक्षा का शिकार होकर गलत रास्ता अख्तियार कर लेते हैं, तो वहीं आधुनिक तकनीकी के नए-नए यंत्रों, गैरजरूरी और विकृति पैदा करने वाली सामग्री के बीच पलते कुछ किशोर असंतुलन का शिकार होकर अपराध की ओर भी बढ़ जाते हैं। ऐसे में जो कानूनी कार्रवाई निर्धारित है, उसे सुनिश्चित करने के अलावा बच्चों के कोमल मन-मस्तिष्क के अनुकूल माहौल निर्मित करने की जरूरत है, ताकि भावी पीढ़ियों को इंसानियत, सभ्यता और संवेदनशीलता की सीख मिल सके। अन्यथा अभाव या फिर सुविधाओं की अधिकता की वजह से बच्चों को दिशाहीन होते देर नहीं लगेगी। ऐसे ही बच्चे कभी भी समाज या देश के लिए एक गंभीर समस्या बन सकते हैं।

तरक्की की राह में रोड़ा बनता बुर्का और हिजाब!

मनोज कुमार अग्रवाल

विज्ञान के फैलाव से मानव चांद और अंतरिक्ष तक पहुंच चुका है दूसरी ओर यूपी के मुरादाबाद के एक कालिज में धर्म विशेष की कुछ रूढ़िवादी छात्राएं बुर्का पहनकर कालिज आने पर अड़ी हैं। क्या एक पीजी कालेज में कालेज की ड्रेस कोड को धता बता कर बुर्का सरीखी धार्मिक पहचान वाली ड्रैस को पहनना उचित है? उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के हिंदू पीजी कॉलेज में हाल ही में बुर्का पहनकर पहुंचीं छात्राओं को कॉलेज में एंट्री नहीं दी गई। उन्हें ड्रेस कोड का हवाला देकर कॉलेज के गेट पर रोक दिया गया। इसके बाद कॉलेज गेट पर हंगामा हो गया। छात्राएं भड़क गईं। छात्राएं तर्क दे रही है कि बुर्का पहनना हमारा अधिकार है। मिली जानकारी के अनुसार मुरादाबाद स्थित हिन्दू पीजी कालेज में एक जनवरी से कालेज में ड्रेस कोड लागू किया था। जनवरी के शुरू से ही ठंड के कारण अवकाश की वजह से कालेज बंद रहा अब कालेज खुला तो कुछ छात्राएं मनमानी ड्रेस पहन कर पहुंची तो उनको प्रवेश से रोक दिया गया। कॉलेज में एंट्री नहीं मिलने से नाराज छात्राएं वहीं खड़ी रहीं। कुछ देर में मामले को राजनीतिक रंग दिया जाने लगा सपा छात्र सभा के पदाधिकारी कॉलेज पहुंच गए। उन्होंने कॉलेज गेट पर हंगामा किया। कॉलेज प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सत्यव्रत सिंह रावत और चीफ प्रॉक्टर डॉ. एपी सिंह बाहर आए। उनकी सपा छात्र सभा के पदाधिकारियों से नोक-झोंक हो गई। हंगामा बढ़ने पर पुलिस मौके पर पहुंची। फिलहाल, कॉलेज प्रशासन ड्रेस कोड के मामले में पूरी सख्ती से अड़ा है। दरअसल मुरादाबाद के हिंदू पीजी कॉलेज में एक जनवरी से ड्रेस कोड लागू हो चुका है। इसके बाद से बिना यूनिफॉर्म के पहुंचने वाले छात्र-छात्राओं को कॉलेज में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। कॉलेज प्रशासन का तर्क है कि कॉलेज में अनुशासन और पढ़ाई का माहौल बनाने के लिए ड्रेस कोड लागू किया गया है। इससे कॉलेज में बाहरी तत्वों का प्रवेश पूरी तरह से रोका जा सकेगा।गौरतलब है कि ड्रेस कोड लागू होने के बाद से कॉलेज के गेट पर हंगामे की कई घटनाएं सामने आ रही हैं। कई पूर्व छात्राओं ने आरोप लगाए कि वे अपनी मार्क्स शीट या दूसरे काम से कॉलेज पहुंचीं तो भी उन्हें एंट्री नहीं दी गई।इन छात्राओं ने कहा कि वे हमेशा से बुर्का पहनकर कॉलेज जाती रही हैं। ये उनका अधिकार है और उन्हें आगे भी इसकी इजाजत मिलनी चाहिए। हंगामा बढ़ने पर पहुंची पुलिस ने कॉलेज प्रशासन और छात्राओं से बात की। इसके बाद छात्राएं वापस चली गईं।

सपा छात्र सभा की ओर से प्रिंसिपल को ज्ञापन दिया गया है। हिंदू पीजी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सत्यव्रत रावत का कहना है कि विरोध करने वाली ज्यादातर छात्राओं से परिचय पत्र मांगा तो वे नहीं दिखा सकीं। उन्होंने कहा कि यूनिफार्म कोड का मकसद कॉलेज में अनुशासन लाना है। कुछ लोग मामले को गलत दिशा में ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। इस मुद्दे पर कॉलेज प्रशासन कोई समझौता नहीं करेगा। अगर आज हम क्लास रूम तक बुर्का पहनकर जाने की अनुमति दे देंगे तो कल को दूसरे धर्म संप्रदाय के स्टूडेंट्स दूसरी मांग करेंगे। हमने कॉलेज गेट पर ही छात्राओं के लिए चेंजिंग रूम बनवा दिया है। ड्रेस के साथ दुपट्टा या हिजाब पर हमें कोई आपत्ति नहीं है। ड्रेस कोड से स्टूडेंट्स और उनके पेरेंट्स खुश हैं। असल दिक्कत बाहरी तत्वों को हो रही है जो अक्सर कॉलेज में घूमते रहते थे।डॉ. रावत का कहना है कि कॉलेज में ड्रेस कोड लागू करने का फैसला अक्टूबर- 2022 में लिया गया था। उस वक्त विभिन्न छात्र संगठनों से भी बात की गई थी। सभी ने इस पर सहमति दी थी। हिंदू कॉलेज प्रबंधन ने गुरुवार को छात्राओं को समझाने के लिए शहर के एक अन्य पीजी कॉलेज गोकुल दास गर्ल्स की प्रिंसिपल चारू अग्रवाल को बुलाया। गोकुल दास कॉलेज में काफी पहले से ड्रेस कोड लागू है। प्रिंसिपल चारू अग्रवाल ने छात्राओं से बात की। उन्होंने छात्राओं से कहा कि कॉलेज का अनुशासन फॉलो करना चाहिए। बुर्का पहनकर पहुंची छात्राओं को एंट्री नहीं देने को मुरादाबाद के सपा सांसद डॉ. एसटी हसन ने छात्राओं की तौहीन बताया है। उन्होंने कहा,इस तरह से बुर्का पहने छात्राओं की कॉलेज में एंट्री रोकना पूरी तरह से गलत है। कॉलेज प्रशासन को मुस्लिम छात्राओं को ये अनुमति देनी चाहिए कि वे हिजाब पहनकर क्लास रूम में बैठ सकें। यदि कॉलेज ने ड्रेस कोड लागू किया है तब भी छात्राओं को हिजाब पहनकर बैठने से नहीं रोका जा सकता।

गौर तलब है कि हिंदू पीजी कॉलेज मुरादाबाद मंडल का सबसे बड़ा कॉलेज है। 1911 से ये जूनियर हाईस्कूल था, 1916 में हाईस्कूल हुआ। 1937 में इंटरमीडिएट और 1949 में ग्रेजुएट कॉलेज बना। अगले साल 1950 में पीजी कॉलेज बना। यहां करीब 12000 छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। इस यूनिवर्सिटी में बरेली कॉलेज के बाद मुरादाबाद का हिंदू पीजी कॉलेज दूसरे नंबर पर आता है।आपको याद रहे कि अब से कुछ माह पहले ऐसा ही विवाद कर्नाटक में सामने आया था जब हिजाब पहनने को लेकर काफी विवाद हो गया था। इस मामले को लेकर अभी तक भी आंदोलन जारी है। सवाल यह है कि एक स्वायत्त शासी संस्थान में क्या इस तरह की धार्मिक संकेत व पहचान वाली ड्रैस को पहनने की जिद करना उचित है। हमारा मानना है कि कालेज में कोई भी धार्मिक पहचान वाली ड्रैस निर्धारित ड्रेस कोड का उल्लंघन कर पहनना वाजिब नहीं है इस तरह के बेतुकी बातों को लेकर विवाद खड़ा करना नितांत अनावश्यक है इस से न सिर्फ बिना वजह का आपसी तनाव उत्पन्न हो रहा है। इस से सभी पक्षों को बचना चाहिए। इसके साथ ही पोस्ट ग्रेजुएट कक्षाओं में अध्ययन कर रही छात्राओं को भी मजहबी मानसिकता से परहेज कर यूनिवर्स ड्रेस कोड को स्वीकार करना चाहिए और सदियों से परदे हिजाब और बुर्के में कैद कर महिलाओं को तरक्की की राह से रोकने वाले कट्टरपंथियों के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए एक ओर ईरान में इस्लामिक देश होने के बावजूद हिजाब व अन्य कट्टरपंथी बंदिशों के विरोध में एक बड़ा विरोध आंदोलन चल रहा है जिसमें सैकड़ों की संख्या में ईरानी अपनी जान गंवा चुके हैं लेकिन बंदिशों के खिलाफ अड़े हुए हैं वहीं भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में इस तरह की गैर जरूरी बंदिशों को स्वीकार करने का कोई औचित्य नजर नहीं आता है। प्रगतिशील छात्राओं को खुद आगे आकर तरक्की की राह में रोड़ा बन रहे पर्दे बुर्के हिजाब का विरोध करना चाहिए।

बाबाओं का झूठा बल अंधविश्वास का दलदल

प्रियंका सौरभ

पढा लिखा व्यक्ति यदि अपने आप को अंधविश्वास, मनुवाद, पाखण्ड की दलदल से बाहर नहीं निकाल पाए तो उसके शिक्षित होने का कोई मतलब नहीं है। किसी महापुरुष ने कहा था शिक्षा वह शेरनी का दूध है जो जितना पिएगा उतना दहाड़ेगा। इसको अंधविश्वास के दलदल में मत धकेलो। स्वामी विवेकानंद ने कहा था- ₹मैं आप लोगों को अंधविश्वासी मूर्खों के बजाय पक्के अनीश्वरवादियों के रूप में देखना ज्यादा पसंद करूंगा। अनीश्वरवादी जीवित तो होता है, वह किसी काम तो आ सकता है। किन्तु जब अंधविश्वास जकड़ लेता है तब तो मस्तिष्क ही मृतप्राय हो जाता है, बुद्धि जम जाती है और मनुष्य पतन के दलदल में अधिकाधिक गहरे डूबता जाता है।₹ और भी ,₹यह कहीं ज्यादा अच्छा है कि तर्क और युक्ति का अनुसरण करते हुए लोग अनीश्वरवादी बन जायें- बजाय इसके कि किसी के कह देने मात्र से अंधों की तरह बीस करोड़ देवी-देवताओं को पूजने लगें। हमारा देश वैज्ञानिक दृष्टि से कितना पिछड़ा हुआ है, यह सब रोज-रोज के ऐसे कारनामे देखकर हम समझ सकते हैं, हमारे भारत की महिलाओं में कभी माताएं आती रहती है तो पुरुषों में कभी अमुक आते रहते हैं, आखिर यह अंधविश्वास और पाखंडवाद हमारे देश को किस दलदल में ले जाकर धकेलेगा। हम इसका अंदाजा भी नहीं लगा सकते और भारत की लाखों करोड़ों जनता इन जैसे पाखंडियों के जाल में फंस कर के अंधविश्वास और पाखंड के दलदल में धंसते जा रहे हैं। हमारे देश में औरतों के दुःख का तो ये हाल है कि उनके सुख अलग हो सकते हैं, पर दुःख सबके लगभग एक से ही।

इसलिए इन बाबाओं के लिए औरतों के दुखों का आकलन करना मुश्किल नहीं है, बाबा इन्हें दुःख बताते हैं और ये चमत्कार मानकर अपने दुखों से मुक्ति पाने के नाम पर अधिकांश औरतें टोने - टोटके तक करना शुरू कर देती है। जिसका खामियाजा सबसे ज्यादा मोहल्ले की उस सड़क ने भुगता जिस पर सुबह -सुबह कभी बताशे, कभी नींबू तो कभी दिया रखा मिलता है और उस दिन किसी भी घर में किसी को सिर दर्द भी हो जाये तो इल्ज़ाम इन्ही नींबू, बताशों के सर आता है। ये सब आज से बीस साल पहले कौतूहल भरा था कि मोहल्ले के किसी ना किसी घर से रोज़ टोटका होने की खबर आ जाती और हम जैसे साइंस पढ़ने वाले या पढ़ चुके बच्चे इस पर भरोसा भी करते। हमारे पास भरोसा ना करने का कोई ऑप्शन नहीं था। क्योंकि ऐसी चीजें हमारी परवरिश का हिस्सा थीं। शायद अब फिर भी कम हो गया हो। पर पहले ऐसे ढोंगी बाबाओं से चबूतरे गुलज़ार रहते। एक बार मेरे मेरे ही किसी रिश्तेदार के चबूतरे पर आये एक बाबा ने सोने की एक चेन को दो बनाने का दावा करके पढ़े - लिखे परिवार की महिलाओं को भरी दोपहरी में चूना लगाया था। मेरे ज़हन में ऐसे ढोंगी बाबाओं की हज़ारों कहानियाँ हैं और मुझसे जुड़े हुए लोग जो इसे पढ़ रहे हैं उनके भी मन में होंगी ही। पर ये सब जानते हुए भी हम उसी दलदल में जाते हैं। जहाँ फंसने की आशंका का हमें पता होता है। हम इंसान हैं, कभी -कभी दुःख हमें इस हद तक तोड़ता है कि अपनी पीड़ा तो इंसान फिर भी सहन कर ले। लेकिन बात जब परिवार और खासकर बच्चों की हो तो उनके कष्टों के निवारण के लिए वो नंगे पैर आग पर चलने को भी तैयार हो जाएगा। इसलिए हम सब कितने ही दावे कर लें पर कहीं ना कहीं अंधविश्वास के झांसे में आ ही जाते हैं, और ये जानते हुए भी आते हैं कि इससे कुछ नहीं होगा। हमारे घरों में नज़र उतारना इसका सबसे बढ़िया उदाहरण है, गांवों का तो खासकर ये हाल है कि बीमारी कोई भी हो वो सबसे पहला इलाज नज़र उतारकर ही करते हैं। इसका मतलब ये नहीं कि बीमार को डॉक्टर के पास नहीं ले जाया जा रहा, वो दवाइयाँ ले रहा है। पर जब अपना कोई ठीक ना हो तो सपने में भी बताए नुस्ख़े पर, हम जैसे लोग भरोसा कर लेते हैं और विवश होकर कभी -कभी कुछ नहीं सूझता तो उसकी बीमारी में ख़ुद रोते हुए उसके ऊपर चप्पल ही घुमाने लगते है। ये जानते हुए भी कि ये अंधविश्वास है। ऐसे पलों में लोग बहुत कमजोर हो जाते हैं और लगता है कि मेरा अपना कैसे भी ठीक होना चाहिए। इसलिए मैं इन बाबाओं के दरबार में तकलीफ़ लिये लोगों को रोते बिलखते देखती हूँ तो समझ पातें है उनकी पीड़ा।

इनमें से लाखों लोग जानते हैं कि ये सब ढोंग है, पर वे उस कष्ट के आगे हार जाते हैं जो उनका करीबी भोग रहा होता है या वे स्वयं ख़ुद और ऐसे स्थानों और बाबाओं के आगे नतमस्तक हो जाते हैं। ये पीढ़ियों से चलता आया है और आगे भी चलेगा, हम मनुष्य हैं, हम दूसरों के कमजोर पलों में उसे छलना बख़ूबी जानते हैं।

दलाल टाइप तांत्रिकों का जलवा

रामविलास जांगिड़

महंगाई, भ्रष्टाचारी और बेरोजगारी के माहौल में इंसान तो कब का रोना भूल चुका है। इंसान रोते-रोते इतना रोने लग गया है कि अब अच्छे-खासे भूत भी रोने लगे हैं। भूतों के रोने की आवाज बहुत ही अटपटी सी होती है। झटझटी सी होती है। भूत इंसान की तुलना में जोर-जोर से रोता है। भूत इसलिए रोता है क्योंकि इंसान के मरने के बाद भी उसकी आवश्यकताएं पूरी नहीं हो पाती है और ना ही कोई उसकी इच्छाओं को पूरी करता है। आजकल भूतों के रोने का कार्यक्रम बहुत तेज गति से बढ़ा है। जितनी भी सरकारें आती है, वे जनता की इच्छाओं को पूरी करने का झुनझुना बजाती है। संकल्प पत्र सजाती है। पार्टी का घोषणा पत्र हवा में लहराती है। वोट खींचने के लिए यात्राओं के मेले रचाती है। वोट लेने के बाद व्यक्तियों की आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं हो पाती है। जितने भी पार्टी बाज नेता खड़े हैं।

अपने-अपने चुनावी समर में अकड़े हैं। जनता को बढ़िया सपने दिखाने में इनके खेल बड़े हैं। ये सब अच्छे-खासे इंसान को भूत बनाने में सिद्धहस्त हैं। इंसान कभी भी किसी भी समय रोने लगते हैं। अपनी आंखों के दीये खोने लगते हैं। भूत लोग बहुत बड़े टाइम के पक्के होते हैं। जैसे ही रात के 12 बजते, ये नियमानुसार रोने लगते हैं। भूत लोग भूत आयोग के द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हैं। भूतों के टाइम मैनेजमेंट से ही देश दुनिया के बड़े-बड़े नेता, व्यापारी और अफसर अपना मैनेजमेंट करते हैं। समय के पक्के और कर्तव्यनिष्ठ भूत दिन के उजाले में किसी भी प्रकार का अनिष्ट नहीं करते हैं, लेकिन नेताओं के लिए यह बात लागू नहीं होती है।

वे चौबीसों घंटे अपनी कुर्सी बचाने के लिए किसी का भी अनिष्ट करने के लिए तत्पर रहते हैं। मार्केट में भूत भगाने की दुकानों का भी बड़ा जलवा है। इन दुकानों की आड़ में ही अघोरियों का बड़ा बलवा है। देश की तमाम राजधानियों के तहखानों-कैंटिनों आदि में भ्रष्टाचारी, अपचारी तांत्रिकों का काला धंधा खुलेआम चल रहा है। अगरबत्तियां और चिराग जल रहे हैं। सत्ता के दलाल तांत्रिक दरवाजा पकड़कर अपने ढंग की माला फेर रहे हैं।

आम आदमी को खड़े-खड़े भूतों का डर दिखाकर अपने साथ-साथ अपने नेता का भी उल्लू-सीधा कर रहे हैं। शासन सचिवालय के कोने-कोने में इस तरह के दलाल टाइप तांत्रिक मिल जाएंगे, जो फाइलों में लगी चुड़ैलों को भगाने के लिए, नोट शीट पर अटके पड़े कामों के भूत मारने के लिए तंत्र-मंत्र करते हैं। वातावरण में भ्रष्टाचार के गुलाबी फूलों की पंखुड़ियां उड़ रही है। परेशान लोगों को भूत भगाने का सब्ज बाग दिखा रहे हैं। बहुत पुराने समय में जीर्ण इमारतें, शाही मकान, किले, बंगले, घाट आदि भूत पीड़ित स्थान हुआ करते थे। समय बदला और अब नेताओं निवास स्थान, शासन सचिवालय, सरकारी कार्यालय आदि भूत पीड़ित स्थल बन गए हैं।

गरीब और कुत्ता

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

गरीब आदमी सहने के लिए, मध्यम वर्ग का आदमी झक मारने के लिए और अमीर आदमी सुख भोगने के लिए इस धरती पर जन्म लेता है। एक बड़े साहब के पास इतना पैसा था उनके बदन में शुगर की मात्रा अधिक हो गई थी। सिर्फ मुँह में छोड़कर। जब भी मुँह खोलते तो करेले की दुकान खोल देते। अपनी पीठ पीछे लाखों का नुकसान सह लेंगे लेकिन आँखों के सामने से चवन्नी भर का हिसाब गड़बड़ हो जाए तो अस्थमा का दौरा पड़ जाता है। कुल मिलाकर चरित्र से ज्यादा धन का गुणगान करते हैं। बहरहाल, बड़े साहब के घर के आंगन में गड्ढा खोदने का काम चल रहा था। दो-चार मजदूर आए थे। मजदूर कभी कहीं अपनी खुशी से नहीं जाते हैं। उनकी मजबूरी उन्हें वहाँ ले जाती है। जितना वे जाते हैं उतना वे मजदूर की श्रेणी में गिनाए जाते हैं। मजदूरी और मजबूरी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। मजूदरों को कड़ी दुपहरिया में पसीना निकलता है और अमीरों के लिए मिल्क शेक से लेकर सभी तरह के जूस की इच्छाएँ निकलती हैं। एक वे हैं जो फावड़ा चलाकर भी उफ्फ नहीं करते हैं और एक ये हैं जो जूस पीने में भी हजार चोंचले करते हैं। देखा जाए तो भूख गरीब के पीछे भागती है और अमीर भूख के पीछे। दुपहरिया का समय था। मजदूर कड़ी धूप में काम कर रहे थे। बड़े साहब का कुत्ता कुर्सी पर बैठे आराम फरमा रहा था। बड़े साहब सीसीटीवी में मजूदरों को काम करते हुए देखते। काम न करने पर माँ-बहिन की गाली से लेकर कई अपशब्दों की माला उनके गले में पहना देते। मजदूरों के लिए ओए, ऐ, अरे, रे जैसे संबोधनों का इस्तेमाल करते जबकि कुत्ते के लिए प्लीज, कम ऑन, सो स्वीट आदि अलंकारों से उसका गुणगान करते नहीं थकते। मजदूरों के भोजन का समय हुआ। एक मजदूर के टिफिन की दाल खराब हो चुकी थी। उसने बड़े साहब से दाल या सब्जी देने के लिए कहा। उन्होंने उसे झिड़कते हुए कहा- मैं तुम्हें मजदूरी के लिए लाया हूँ। भोजन कराने के लिए नहीं। मैं भंडारा थोड़े न खोल रखा हूँ कि तुम्हारी भूख मिटाते फिरूँ। वहीं दूसरी ओर कुत्ता अपने मालिक के हाथों माँस-मछली का लुत्फ उठा रहा था और सेठ जी उसकी पीठ सहलाते हुए अपना स्नेह जता रहे थे।

कलियुग के चमत्कारी देव
विष्णुअवतारी बाबा गंगाराम

विष्णु अवतारी बाबा गंगाराम और उनके राजस्थान (झुंझुनूं) स्थित पावन धाम श्री पंचदेव मंदिर के प्रति भक्तों की श्रद्धा प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। देश के कोने-कोने से भक्तगण बाबा के दरबार में आते हैं और अपनी श्रद्धा और भक्ति से बाबा की आराधना करते हैं। यह भक्तों की श्रद्धा और विश्वास का ही फल है कि उनकी सभी समस्त मनोकामनायें बाबा के दरबार में अवश्य पूरी होती हैं। प्रथम तो बाबा की चित्ताकर्षक प्रतिमा के दर्शन से ही भक्तों के सारे आन्तरिक क्लेश दूर हो जाते हैं एवं जो दिव्यानुभूति होती हैं , उससे जीवन में नई शक्ति का संचार होता हैं, यह सब अनुभव करके ही जाना जा सकता है।

सीकर-लोहारू राजमार्ग पर अवस्थित झुंझुनूं नगर में प्रवेश करते ही बाबा का धाम दृष्टिगोचर होने लगता है। यहाँ बाबा गंगाराम, भगवान शिव, पवनपुत्र हनुमान, माँ दुर्गा, माँ लक्ष्मी सहित कुल पांच मंदिर है। इसीलिए इस मंदिर का नाम 'श्री पंचदेव मंदिर' पड़ा। इस विशाल मंदिर का कलात्मक शिल्प, मनोहारी दृश्य एवं आध्यात्मिक वातावरण ब्रह्मानंद की अनुभूति कराता है। श्री पंचदेव मंदिर का निर्माण बाबा के स्वप्नादेश के बाद उनके परम आराधक श्री देवकीनंदन ने गंगादशहरा सन 1975 में झुंझुनूं में करवाया। मंदिर के कण-कण में भक्त शिरोमणि देवकीनंदन के त्याग- तपस्या व बलिदान की गूँज सुनाई देती है।

बाबा गंगाराम प्राकट्य व लीलायें :-

झुंझुनूं-राजस्थान में अग्रवंशीय वैश्यकुल में पिता झूथारामजी व माता लक्ष्मी देवी के यहाँ श्रावण शुक्ल दशमी सन 1895 को श्री विष्णु अंश से बाबा ने अवतार ग्रहण किया। कुलपुरोहित ने बाबा के अलौकिक जन्म-नक्षत्रों को देखकर बताया कि यह अवतारी बालक 'गंगा' के समान पाप विनाशक एवं 'राम' के समान पतित पावन होगा, अतएव इसका नाम ''गंगाराम' होगा। शुभाशुभ लक्षणों से उनके दिव्य गुणों का आभास परिजनों को बाल्यकाल से ही मिलने लगा था। युवावस्था तक बाबा के उद्गारों एवं विलक्षण शक्तियों की चर्चा आम हो चली थी, परन्तु गृहस्थी लोकाचार एवं मायामोह उन्हें बांध न पाया। वे उत्तरप्रदेश के बाराबंकी जनपद के सफदरगंज नामक स्थान में कल्याणी नदी के तट पर पधारे और इसे अपनी कर्मभूमि बनाया। इसी कल्याणी नदी के जल में बाबा ने अपने विष्णु रूप का दर्शन भक्तों को कराया। पहले कल्याणी नदी में सिर्फ वर्षा ऋतु में ही जल प्रवाहित होता था, परन्तु बाबा के वहां पधारने के बाद से ही वह बारहमासी नदी के रुप में प्रवाहित होने लगी। उनके अद्भुत- अद्भुत चमत्कारों का वर्णन करना संभव नहीं है। जब तक जनसाधारण उन्हें पहचान पाते, बाबा मात्र 42 वर्ष की अल्पायु में ही स्वधाम प्रयाण कर गए।

मंदिर निर्माण का स्वप्नादेश :-

बाबा ने अपने विष्णुलोक गमन के करीब 30 वर्ष पश्चात अपने परमप्रिय भक्त देवकीनंदन को स्वप्न में अलौकिक दर्शन के द्वारा श्री पंचदेव मंदिर की स्थापना का आदेश दिया और उन्होंने अपनी भक्तिमती धर्मपत्नी गायत्रीदेवी के साथ गंगादशहरा सन 1975 में झुंझुनूं नगर में भव्य एवं विशाल पंचदेव मंदिर की स्थापना कराई। लाखों भक्तों की आस्था का प्रतीक श्री पंचदेव मंदिर मानव मात्र के कल्याण का केंद्र बिंदु बन गया।**(क्रमशः)**

आज करें गणेश जी, देवी दुर्गा के साथ बुध ग्रह की पूजा, तिल और मूंग का करें दान

गणेश मंत्र ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र का जप करते हुए दूर्वा की 21 गांठ भगवान को चढ़ाएं। लड्डुओं का भोग लगाएं। कर्पूर जलाकर आरती करें। पूजा के बाद प्रसाद वितरित करें।

आज, 25 जनवरी को माघ मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी है। इसे तिलकुंड चतुर्थी कहा जाता है। अभी माघ मास की गुप्त नवरात्रि भी चल रही है। देवी दुर्गा के महापर्व, तिलकुंड चतुर्थी और बुधवार के योग में गणेश जी, देवी मां और बुध ग्रह की पूजा जरूर करें। ऐसा करने से कुंडली के ग्रह दोष दूर हो सकते हैं।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, बुधवार का कारक ग्रह बुध है। ज्योतिष में बुध को ग्रहों का राजकुमार माना जाता है, ये ग्रह मिथुन और कन्या राशि का स्वामी है। कुंडली में बुध की स्थिति अच्छी हो तो व्यक्ति बुद्धि, पढ़ाई-लिखाई से संबंधित कामों में खास लाभ मिलता है। जिन लोगों की कुंडली में बुध की स्थिति अच्छी नहीं है, उन्हें दिमाग से जुड़े कामों में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बुध ग्रह के दोष दूर करने के लिए बुधवार को गणेश जी के साथ ही इस ग्रह की पूजा करनी चाहिए।

तिलकुंद चतुर्थी पर करें तिल से जुड़े शुभ काम

तिलकुंद चतुर्थी पर तिल का दान करना चाहिए। गणेश जी की पूजा में तिल के लड्डू का भोग लगाएं। इस दिन तिल से हवन कर सकते हैं। खाने में तिल का सेवन करें। शाम को चंद्र उदय के बाद चंद्र की पूजा में तिल-गुड़ का भोग लगाना चाहिए।

ऐसे कर सकते हैं गणेश जी की पूजा

तिलकुंद चतुर्थी पर दिनभर निराहार रहकर व्रत किया जाता है यानी पूरे दिन अन्न का त्याग करना होता है। इस दिन गणेश जी की और शाम को चंद्र की पूजा खासतौर पर की जाती है। चतुर्थी पर सुबह जल्दी उठें। स्नान के बाद गणेश जी की प्रतिमा का जल से अभिषेक करें। गणेश जी को जनेऊ पहनाएं, वस्त्र अर्पित करें। हार-फूल से श्रृंगार करें। अबीर, गुलाल, चंदन, सिंदूर, इत्र आदि चीजें चढ़ाएं।

बुध ग्रह के लिए करें ये शुभ काम

बुधवार और चतुर्थी के योग में बुध ग्रह की विशेष पूजा करें। हरे मूंग का दान करें। पूजा में बुध के मंत्र ऊँ बुं बुधाय नमः का जाप 108 बार करें।

शतभिषा नक्षत्र में पैदा हुए लोग होते हैं रहस्यमयी

आकाशमंडल में स्थित 27 नक्षत्रों में से शतभिषा 24वां नक्षत्र है। इसका अर्थ होता है - सौ चिकित्सक। ये नक्षत्र अपने आप में बहुत-सी वस्तुओं को समा लेने की क्षमता रखता हैं। इस नक्षत्र में नामकरण, मुण्डन, कोई नया सामान खरीदना और विद्या आरंभ करना बेहद ही शुभ माना जाता है। आपको बता दूं कि शतभिषा नक्षत्र के स्वामी राहु है, जो एक छाया ग्रह है और इसकी राशि कुंभ है, यानी इसके चारों चरण कुंभ राशि में ही आते हैं। शतभिषा नक्षत्र के प्रबल प्रभाव में आने वाले जातक साहसी, सदाचारी, धार्मिक, चतुर, रहस्यमयी और आत्मविश्वास से भरपूर होते हैं। इसके अलावा शतभिषा नक्षत्र का प्रतीक चिन्ह खाली वृत्त या गोलाकार आकृति को माना जाता है, जबकि पेड़-पौधों में इसका संबंध कदंब के पेड़ से बताया गया है। अतः जिन लोगों का जन्म शतभिषा नक्षत्र में हुआ है उन लोगों को आज के दिन शतभिषा नक्षत्र के दौरान कदंब के पेड़ की उपासना करनी चाहिए। अगर आपको कदंब का पेड़ न मिले तो अपने मन में ही हरे भरे कदंब की आकृति का ध्यान करें। साथ ही कदंब के पेड़, उसकी लकड़ी या उससे जुड़ी किसीभी अन्य चीज को आज के दिन नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए। आज के दिन ऐसा करने से जीवन में आपकी तरक्की सुनिश्चित होगी।

शतभिषा एक पंचक नक्षत्र है। धनिष्ठा से लेकर रेवती तक के पांच नक्षत्रों को पंचक नक्षत्र कहा जाता है। पंचक की क्षेणी में शतभिषा दूसरा पंचक है। पंचक के दौरान घर में लकड़ी का कार्य या घर में Wood work नहीं कराना चाहिए और ना ही लकड़ी इकट्ठी करनी चाहिए। अगर आप यह कार्य इस समय करेंगे तो यह अच्छा नहीं माना जाता। अतः 27 जनवरी शाम 6 बजकर 37 मिनट तक आपको इन सब बातों का ध्यान रखना चाहिए।

कौन था वो राजा जो श्रीकृष्ण होने का करता था दावा कन्हैया को दी थी मथुरा छोड़ने की धमकी

रख ली थी और मोर पंख भी उसी तरह लगाता था जिस तरह श्री कृष्ण मोर पंख लगाते थें और दावा करता था कि मैं ही असली कृष्ण हूं। राजा पोंड्रक पुंड्र क्षेत्र का राजा था। इसका इलाका काशी के आसपास का माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि काशी नरेश से इसकी अच्छी मित्रता थी। राजा पोंड्रक अपनी माया से आसपास के इलाकों में प्रचार करने की कोशिश करता था कि वही श्री कृष्ण है। एक बार राजा पोंड्रक ने अपने करीबियों के बहकावे में आकर भगवान कृष्ण को संदेश भेजा कि मैं ही असली कृष्ण हूं और तुम मथुरा छोड़कर चले जाओ या फिर मेरे साथ युद्ध करो। उसके बाद भगवान कृष्ण राजा पोंड्रक के साथ युद्ध के लिए तैयार हो गए। जब भगवान कृष्ण युद्ध भूमि में पहुंचे तो उन्होंने देखा कि राजा पोंड्रक तो बिल्कुल उनके जैसा लग रहा था। कुछ ही देर में भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र का इस्तेमाल करके राजा पोंड्रक को हरा दिया था। इस कहानी से शिक्षा मिलती है कि कभी भी नकल नहीं करनी चाहिए बल्कि नकल करने से बचना चाहिए और अपने गुणों को लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

नकली कृष्ण की कहानी

महाभारत काल के बारे में कई ग्रंथों, पुराणों, महाभारत ग्रंथ में ये वर्णन मिलता है कि उस समय पोंड्रक नाम का राजा था, जो खुद को श्री कृष्ण होने का दावा करता था। ऐसा वह इसलिए कहता था क्योंकि उसके पिता का नाम भी वासुदेव था। अपने आप को असली कृष्ण साबित करने के लिए उसने एक माया रची थी। उसने अपने पास भी एक नकली सुदर्शन चक्र रख लिया था, नकली कोस्तुब मणि

ब्रह्म मुहूर्त में जन्मे बच्चे क्यों होते हैं अद्भुत?

शास्त्रों के अनुसार ब्रह्म मुहूर्त की शुरुआत सुबह 4 बजे से होती है और ये 5:30 बजे तक रहता है। इस मुहूर्त को शास्त्रों में हमेशा से खास माना गया है। माना जाता है कि ये मुहूर्त ईश्वर को देखने और उनके आशीर्वाद को पाने का समय है। कहते हैं कि इस मुहूर्त की गए हर काम में ईश्वरीय आशीर्वाद होता है। साथ ही इस समय ब्रह्मांड में कुछ पोजिटिव शक्तियों का उत्सर्जन होता है जिसे आप अपने अंदर इस मुहूर्त में योग और ध्यान के जरिए धारण कर सकते हैं। लेकिन, क्या ये तमाम गुण उन बच्चों में भी होते हैं जो कि ब्रह्म मुहूर्त में जन्म लेते हैं ? जानते हैं।

ब्रह्म मुहूर्त में जन्मे बच्चे इसलिए खास होते हैं क्योंकि माना जाता है कि इस मुहूर्त में जो भी जन्म लेता है उन्होंने पूर्व जन्म में अच्छे कर्म और ईश्वर की भक्ती की होगी। साथ ही ये लोग अरुण के समान होते हैं जिन्हें सूर्य देव का सारथी बताया जाता है। माना जाता है कि ये बच्चे शुभ के साथ पैदा हुए हैं और इनका आना एक आशीर्वाद है। साथ ही इन बच्चों में कई गुण होते हैं। आइए, जानते हैं।

ब्रह्म मुहूर्त में जन्मे बच्चे कैसे होते हैं-ब्रह्म मुहूर्त में जन्मे सबसे पहले तो बेहद अनुशासित होते हैं। क्योंकि हमने बताया कि वे सूर्य देव के सारथी के समान गुण रखते हैं तो उन्हें सूर्य उगने से पहले या कहें कि हर तय समय पर ही काम करना पसंद होता है। ऐसे बच्चे बढ़ाई, परिवार और करियर हर मामले को संतुलित रख कर चलते हैं।

घर या दुकान में इस रंग का मार्बल लगाना होगा सही

हर व्यक्ति चाहता है कि उसे कभी भी धन-दोलत की कमी न हो। इसके लिए वह कड़ी मेहनत भी करता है। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि मेहनत करने के बाद भी धन कमाना बेहद मुश्किल हो जाता है। अगर आपके साथ भी इसी तरह की समस्याएं आती हैं तो ऐसे में आप वास्तु शास्त्र का सहारा ले सकते हैं।

आचार्य इंदु प्रकाश से जानते हैं कि घर या दुकान के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में कौन सा रंग करवाना शुभ होता है।

घर या दुकान के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में हल्के रंगों इस्तेमाल करना चाहिए। इस दिशा में येलो स्टोन, यानि पीले रंग के मार्बल का चुनाव करना अच्छा माना जाता है। इस दिशा में पूरे फर्श पर येलो स्टोन लगाने की बजाय अगर आप चाहें तो थोड़े से हिस्से में भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसा करने से घर या दुकान में पैसों की बरकत बनी रहती है और किसी प्रकार की कमी नहीं होती।

पीले के अलावा आप हल्के गुलाबी रंग का चुनाव भी कर सकते हैं। जबकि दक्षिण दिशा में रेड नेचुरल स्टोन या लाल रंग से कोई डिजाइन बनवाना चाहिए। इससे घर के लोगों का मान- सम्मान बढ़ता है। लेकिन स्टोन खरीदते समय ध्यान रखें कि नेचुरल स्टोन या मार्बल ही खरीदें न कि सिंथेटिक स्टोन। क्योंकि मार्बल से घर में ऊर्जा का संचालन बेहतर होता है और यह नेगेटिव ऊर्जा को दूर रखता है।

अरवल में इश्कबाज डीईओ गिरफ्तार

पत्नी को छोड़कर ग्रुप में महिला के साथ रहते थे, प्रेग्नेंट हुई तो गले पड़ी; अब फरार

जहानाबाद, 24 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के अरवल में पत्नी के रहते दूसरी महिला से इश्क लड़ाना डीईओ को भारी पड़ गया. सदर थाना की पुलिस ने जिला शिक्षा पदाधिकारी शिवचंद्र बैठा को उनके कार्यालय के समीप से गिरफ्तार कर लिया. सोमवार की शाम पुलिस ने यह कार्रवाई की. न्यायालय से वारंट निर्गत किया गया था. गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. सबसे बड़ी बात है कि जिला शिक्षा पदाधिकारी की पत्नी ने ही सबक सिखाने के लिए इस मामले में शिकायत की थी.

क्या है पूरा मामला?

बताया जाता है कि जिला शिक्षा पदाधिकारी शिवचंद्र बैठा की पत्नी पवन कुमारी ने ही सीतामढ़ी कोर्ट में परिवाद दायर किया था. इसमें पवन कुमारी ने प्रताड़ना समेत कई गंभीर आरोप लगाए थे. कोर्ट ने तत्काल वारंट जारी करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया था. डीईओ शिवचंद्र बैठा अपनी पत्नी को छोड़कर किसी और महिला के साथ अरवल में पोस्टिंग के दौरान रहते हैं. उस महिला के साथ पत्नी के जैसा संबंध है. विरोध करने पर पहली पत्नी को प्रताड़ित करते हैं. इन्हीं आरोपों के साथ पत्नी ने शिकायत की थी.

पुलिस ने गिरफ्तार कर जिला शिक्षा पदाधिकारी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है. जिला शिक्षा पदाधिकारी शिवचंद्र बैठा के खिलाफ अगस्त में ही वारंट जारी हुआ था लेकिन अपनी पहुंच के कारण वो गिरफ्तारी से बचते रहे. वारंट निर्गत होने के बावजूद भी विद्यालयों का दौरा कर रहे थे. वरीय अधिकारी के साथ कार्यक्रम में शामिल हो रहे थे. फोटो शूट करवा रहे थे. इधर अरवल के एसपी मो. कासिम ने एबीपी न्यूज़ को बताया कि डीईओ पर कोर्ट से वारंट निर्गत था. उसी आलोक में उन्हें गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया है.

आज प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश की चेतावनी

गरज-चमक के साथ -साथ ओलावृष्टि के भी आसार

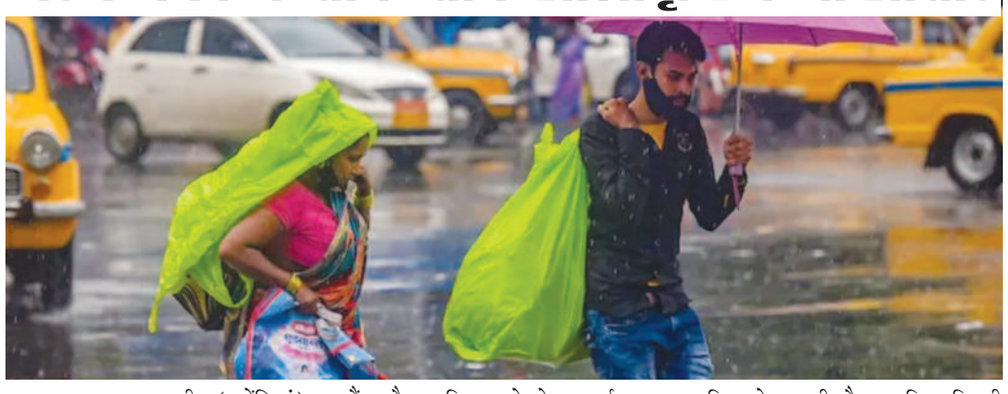

लखनऊ, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मौसम के बदले तेवर बुधवार को प्रदेश में कई स्थानों पर लोगों को गरज-चमक के साथ तेज बारिश में तर-बतर कर सकते हैं। मौसम विभाग ने ऐसा पूर्वानुमान जताया है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 25 जनवरी को प्रदेश में कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। जबकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तमाम हिस्सों में ओलावृष्टि हो सकती है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण 29 जनवरी तक गरज-चमक, बदली- बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि का दौर जारी रह सकता है। मौसम विज्ञानी ने बताया कि आने वाले दो दिनों में बारिश की रफ्तार और इसका दायरा भी बढ़ सकता है, इसको लेकर चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, कासगंज, एटा, मैनपुरी, औरैया, शाहजहांपुर, बंदायूं और आसपास के इलाकों में ओलावृष्टि के आसार हैं। इन सबके बीच सोमवार को प्रदेश के कुछ इलाकों में बारिश ने लोगों को भिगोया। प्रदेश में न्यूनतम पारा अधिकांश शहरों में 10 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया, जबकि दिन का अधिकतम तापमान 27 डिग्री तक रिकॉर्ड किया गया।

योगी के कद्दावर मंत्री का भगवान राम पर आपत्तिजनक बयान

वायरल हो रहा पुराना वीडियो

लखनऊ, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में मंत्री संजय निषाद का एक वीडियो वायरल हो रहा है. सोशल मीडिया पर वायरल संजय निषाद का ये वीडियो काफी पुराना बताया जा रहा है. जिसमें निषाद पार्टी प्रमुख भगवान राम जन्म पर सवाल खड़े करते हुए नजर आ रहे हैं. वायरल वीडियो में मंत्री संजय निषाद बोल रहे हैं, राम और निषाद राज का जन्म मखौड़ा घाट पर हुआ. उनका जन्म नियोग विधि से खीर खिलाने के बहाने हुआ. तब ये सम्मानजनक तरीका था. राजा दशरथ के वो तथाकथित पुत्र हैं वो वास्तविक बेटे नहीं थे. असली पुत्र तो शृंगऋषी निषाद हैं. हालांकि तब संजय निषाद के इस बयान का जबरदस्त विरोध हुआ था. जिसके बाद निषाद पार्टी के अध्यक्ष ने माफी मांगी थी.

सपा विधायक के साथ महिला का घर फूंकने वाला आरोपी भोलू गिरफ्तार

कानपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। शहर के जाजमऊ में एक महिला के घर में आगजनी के मामले को लेकर महाराजगंज जेल में बंद सपा विधायक इरफान सोलंकी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं. सोमवार को पुलिस ने उक्त मामले में सपा विधायक के मददगार बिल्डर एजाज उर्फ अज्जन को जहां गिरफ्तार किया था. वहीं, सोमवार देर रात सपा विधायक के एक और करीबी भोलू को अब पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. मंगलवार को भोलू को पुलिस कोर्ट में पेश करेगी.

8 बदमाशों पर पुलिस ने लगाया गैंगस्टर

कुंडा और कौशाम्बी में लूटा था ट्रक

प्रतापगढ़, 24 जनवरी (एजेंसियां)। कुंडा व कौशाम्बी से ट्रक लूट करने वाले प्रयागराज के 8 बदमाशों पर पुलिस ने गैंगस्टर लगा दिया है. बदमाशों ने पिछले साल ट्रक लूट की 3 घटनाओं को अंजाम दिया था. ये लूट जुलाई और सितंबर महीने में की गई थी. पुलिस ने अक्टूबर 2022 में इसका पर्दाफाश कर बदमाशों को पकड़ लिया था. इनके पास से 2 ट्रक और कागजात बरामद किए गए थे. नवाबगंज थाना क्षेत्र के लेहदरी पुल से बदमाशों ने एक ट्रक को लूट लिया था. आरोपियों ने ट्रक के ड्राइवर को कुंडा के मझिलगांव तिरंगा ढाबा के पास बांधकर छोड़ दिया था. मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था.

सीवान में राशन नहीं मिलने से हंगामा

उपभोक्ताओं ने जमकर बवाल काटा

सीवान, 24 जनवरी (एजेंसियां)। सीवान जिले के मैरवा प्रखंड के बैकुंठ छापर गांव में जन वितरण प्रणाली के दुकान पर डीलर संजय पटेल का घेराव कर राशन उपभोक्ताओं ने जोरदार हंगामा किया। राशन की मांग करने पहुंचे उपभोक्ताओं का आरोप है कि डीलर के द्वारा उन्हें विगत 3 माह से राशन नहीं दी गई है। जब भी राशन लेने वह आते हैं उन्हें अगले दिन आने का बहाना करके लौटा दिया जाता है। मंगलवार की सुबह 10:00 बजे राशन की दुकान पर अपने हक का राशन लेने पहुंचे उपभोक्ताओं को राशन नहीं मिलने के बाद उन्होंने जोरदार हंगामा किया। डीलर के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे उपभोक्ता मनु कुमार यादव, ध्रुव कुमार कुशवाहा, संजय कुमार,संतोष कुमार इत्यादि उपभोक्ताओं ने अधिकारियों से उन्हें राशन दिलाने की मांग करते हुए आरोपी डीलर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

उपेंद्र कुशवाहा पर बोले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

हमको कोई लेना देना नहीं...क्या बनेगा अब समीकरण

पटना, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी पार्टी जनता दल यूनाईटेड के संसदीय बोर्ड अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा को लेकर साफ कहा है कि उनके बारे में कोई हमसे नहीं पूछे। नीतीश कुमार ने मंगलवार सुबह जननायक कर्पूरी ठाकुरी की 99वीं जयंती पर उनके गांव जाने से पहले पटना में आयोजित श्रद्धांजलि सभा के बाद पत्रकारों से बातचीत में कुशवाहा का नाम आते ही कहा- "उनकी किसी बात पर मत पूछिए। वह आजकल कुछ बोल रहे हैं तो जो मर्जी बालें। हमको कोई लेना-देना नहीं।" इसे जदयू में उपेंद्र कुशवाहा के लिए अंतिम कील समझा जा सकता है। मतलब, अब कुछ न कुछ नया समीकरण ही बनेगा। बनेगा तो क्या?

कुशवाहा निकलेंगे तो कूचे से अकेले ही

उपेंद्र कुशवाहा के पास बचा क्या है? सबसे अहम सवाल अभी यही है। उपेंद्र कुशवाहा एक जमाने में नीतीश के बहुत करीब हुआ करते थे। उसमें बाद दोनों में दरार आई, क्योंकि कुशवाहा को खुद में सीएम मैटेरियल नजर आने लगा था। इस दरार के साथ कुशवाहा की नीतीश से दूरी हुई। यह दरार दरअसल कभी भरी ही नहीं, कामचलाऊ कवर लगा था बस। कुशवाहा ने जब केंद्र में मंत्रीपद छोड़ा तो बिहार में नीतीश कुमार के खिलाफ अभियान चला रहे थे। शिक्षा को लेकर हमला कर रहे थे। फिर जब भाजपा-जदयू में दूरी हुई तो कुशवाहा ने अपनी रही-सही पार्टी का विलय जदयू में करा लिया। रही-सही इसलिए, क्योंकि महत्वाकांक्षा की लड़ाई के कारण राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (रालोसपा) पहले ही दो फाड़ हो चुकी थी। रालोसपा का जदयू में विलय होने के बाद कुशवाहा एक तरह से जदयू में अपनी पुरानी पार्टी के इकलौते झंडाबरदार हैं।

ऐसा इसलिए कहा जा सकता है, क्योंकि सोमवार को कुशवाहा की नाराजगी को लेकर एक सवाल के जवाब में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा था कि उन्होंने (कुशवाहा) अपने जिन लोगों को मुख्य संगठन या प्रकोष्ठों में जहां एडजस्ट करने कहा था, कर दिया गया था। मतलब, कुशवाहा के बाकी लोग जदयू में 'सेट' हैं। उप मुख्यमंत्री बनने का उनका सपना नीतीश खुद तोड़ चुके हैं। अगर कुशवाहा जदयू के कूचे से निकले तो शायद अकेले ही निकलें।

शराब कांड पर मंत्री का बेतुका बयान

मंत्री संतोष सुमन बोले- 8 लोगों की मौत को बताया छोटी-मोटी घटना

गया, 24 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के गया में पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के बेटे और मुख्यमंत्री नीतीश सरकार में एससी-एसटी कल्याण मंत्री संतोष सुमन ने सिवान जहरीली शराब से आठ की मौत पर बेतुका बयान दिया है। उन्होंने सीवान में जहरीली शराब से मरने वाले घटना को छोटी-मोटी बताया है। डोभी में एक कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री संतोष सुमन ने मीडिया के पूछे गए सवाल पर जवाब देते हुए कहा ऐसी छोटी-मोटी घटना होती रहती है। हालांकि उन्होंने उनके मृतकों के परिवार के प्रति संवेदना भी व्यक्त किया है। इसके साथ ही कहा कि इसके पीछे रह रहे लोगों पर सरकार सख्त कार्रवाई भी करेगी। शराब के सप्लाई चेन को तोड़ी भी जा रही है। निश्चित तौर पर आने वाले दिन में जहरीली शराब से हो रहे मौत की घटना धीरे-धीरे कम होने लगेंगी। उन्होंने कहा कि शराब सेवन से दूर होना चाहिए, लेकिन फिर कुछ भटके हुए लोग शराब पी रहे हैं। इससे जितना दूर रहिएगा, उतना अच्छा रहेगा। उन्होंने ने कहा कि सूबे मुखिया नीतीश कुमार समाधान यात्रा कर दौरान भी शराब से दूर रहने के लिए आग्रह कर रहे हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य के विरोध में उतरे शिवपाल सिंह यादव

सपा पर किया बड़ा दावा

लखनऊ, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा रामचरितमानस पर दिए गए विवादित बयान के बाद जुबानी जंग जारी है. बीजेपी समेत सभी विरोधी पार्टियां सपा पर निशाना साध रही हैं. अब सपा के दिग्गज नेता शिवपाल सिंह यादव का बयान आया है. शिवपाल सिंह यादव ने स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बयान पर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा, स्वामी प्रसाद मौर्य का ये अपना व्यक्तिगत बयान है. पार्टी का इससे कोई लेना देना नहीं है. उनका बयान पार्टी का बयान नहीं है. हम लोग भगवान राम और कृष्ण के आदर्शों पर चलने वाले लोग हैं. क्या बीजेपी के लोग भगवान राम के बताए रास्ते पर चलने वाले लोग हैं? भगवान कभी झूठ नहीं बोलते थे लेकिन यह राम को ही बेच रहे हैं.

केशव प्रसाद मौर्य पर पलटवार

सपा नेता ने केशव प्रसाद मौर्य पर भी पलटवार किया है. उन्होंने कहा, केशव प्रसाद मौर्य बहुत बड़बोले आए थे. अभी हमारे मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में जनता ने उन्हें सबक सिखा दिया है. आगे भी हम उन्हें बताएंगे कैसे चुनाव लडा जाता है. इसके अलावा रायबरेली के ऊंचाहार से सपा विधायक मनोज पांडेय ने कहा कि श्रीरामचरित मानस एक ऐसा 'ग्रन्थ' है, जिसे भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में भी लोग पढ़ते हैं, और इसका पालन भी करते हैं.

स्वामी प्रसाद मौर्य सपा में चाहते थे बड़ा पद

अखिलेश ने नहीं मानी बात, तो फिर कोल्डवार

लखनऊ, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य के रामचरितमानस पर विवादित बयान के बाद से जुबानी जंग जारी है. इसके बाद पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव बेहद ही नाराज बताए जा रहे हैं. इस बीच सूत्रों का दावा है कि स्वामी प्रसाद मौर्या सपा का प्रदेश अध्यक्ष बनना चाहते थे.बीते साल सपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक लखनऊ में हुई थी. तब दूसरे दिन राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव हुआ था. सपा का प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल को फिर से बनाया गया था. लेकिन सूत्रों की माने तो स्वामी प्रसाद मौर्य प्रदेश अध्यक्ष बनना चाहते थे. राष्ट्रीय और प्रदेश कार्यकारिणी के समय स्वामी प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव पर प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी देने को लेकर अपनी बात रखी थी.

सपा प्रमुख के साथ चल रहा कोल्ड वॉर

लेकिन नरेश उत्तम पटेल को फिर से प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली. संगठन कमजोर होने की वजह से अखिलेश यादव के पास कोई विकल्प नहीं था. बाहर से आए हुए किसी नेता को पार्टी के संगठन की कमान अखिलेश यादव नहीं सौंपना चाहते थे. इसके बाद मजबूरी में अखिलेश यादव को नरेश उत्तम पटेल को दोबारा प्रदेश अध्यक्ष बनाना पड़ा था. जिसके कारण कार्यकारिणी बैठक के बाद से ही अखिलेश यादव और स्वामी प्रसाद मौर्या के बीच कोल्ड वॉर चल रहा था. बता दें कि नरेश उत्तम पटेल 2017 से 2022 तक सपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं. सपा के वो चौथे प्रदेश अध्यक्ष हैं, पार्टी की स्थापना से लेकर अब तक सपा के चार प्रदेश अध्यक्ष ही हुए हैं. उनमें नरेश उत्तम पटेल भी शामिल हैं. अखिलेश यादव की सोची समझी रणनीति भी है. दावा है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में कुर्मी वोट भी सपा को मिला. खास बात है कि नरेश उत्तम पटेल भी कुर्मी बिरादरी से आते हैं.

धर्म परिवर्तन का आरोप लगाकर कोरियाई युवतियों से अभद्रता

अब पुलिस ने की ये कार्रवाई

मेरठ, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मेरठ के चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में दो दक्षिण कोरियाई छात्राओं से कथित अभद्रता के मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण ने प्राथमिकी दर्ज किए जाने की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने उन अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है जिन्होंने वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया मंच के विभिन्न समूहों में साझा किया और यह प्रचारित किया कि वे छात्राएं ईसाई धर्म का प्रचार कर रही हैं. एसएसपी ने बताया कि आरोपियों की शिनाख्त कर जल्दी उनकी गिरफ्तारी की जाएगी. मेरठ के एसएसपी ने बताया कि, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में 3 विदेशी महिलाएं घूमने आईं थीं. वह हिंदी जानती थीं और उनकी बातचीत किसी ने रिकॉर्ड की और इस तरह से प्रचारित किया कि वह धर्म-विशेष के बारे में बोल रही हैं. यह दुष्प्रचार के लिए किया गया था. अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है.

फतेहपुर में मिशनरी धर्म न अपनाने पर वर पक्ष ने तोड़ी शादी

फतेहपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। शादी का रिश्ता तय हो जाने के वर पक्ष ने वधू पक्ष के समक्ष मिशनरी धर्म अपनाने की शर्त रख दी। वधू पक्ष गिड़गिड़ाता रहा लेकिन वर पक्ष मतांतरण करने का दबाव डालता रहा। वधू पक्ष ने मतांतरण करने से इन्कार कर दिया जिस पर वर पक्ष ने शादी का रिश्ता तोड़ दिया। जबरन धर्म परिवर्तन के मामले में तहरीर मिलने पर हुसेनगंज पुलिस ने होने वाले दूल्हा जितेंद्र कुमार, उसके पिता मैयादीन पासवान, मां केशकली, कामता व जितेंद्र कुमार के मौसा के विरुद्ध अमानत में खयानत, धमकी देने व उ.प्र. विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। असोथर क्षेत्र के आदमपुर सैबसी मजरे सरकंडी गांव में रहने वाले रामनरेश पासवान ने बताया कि हुसेनगंज क्षेत्र के रहिमापुर गांव के मैयादीन पासवान अपने पुत्र जितेंद्र के लिए गत 05 मई 2022 को उसकी पुत्री को देखने आए थे। पुत्री पसंद आने पर शादी का रिश्ता तय हो गया। जिस पर 25 फरवरी 2022 को उसने 51 हजार रुपये बयाना रख दिया। 29 जनवरी 2023 को तिलक कार्यक्रम की तिथि रखी गई। उसके पहले वर पक्ष ने वधू पक्ष के सामने शर्त रख दी कि पहले मिशनरी धर्म अपनाओ अन्यथा शादी नहीं करेंगे। वधू पक्ष के इंकार करने पर वर पक्ष ने शादी का रिश्ता ही तोड़ दिया। इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित रामनरेश पासवान की ओर से वर व उसके चार स्वजन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

ट्रेनों में चोरी के आरोप में पूर्व प्रधानाचार्य व बेटा गिरफ्तार

आगरा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में एक सरकारी सहायता प्राप्त इंटर कॉलेज के बर्खास्त पूर्व प्रधानाचार्य को उनके बेटे के साथ ट्रेन यात्रियों से चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों को राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन पर नियमित जांच के दौरान गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) जीआरपी मोहम्मद मुश्ताक ने कहा, पिता-पुत्र की जोड़ी फिरोजाबाद जिले के निवासी हैं, लेकिन वे आगरा जिले के मधु नगर इलाके में किराए के मकान में रह रहे थे। उन्हें हमारी टीम ने नियमित निरीक्षण के दौरान आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन पर पूछताछ के लिए रोका था। पूछताछ के दौरान आरोपी नरेश ने खुलासा किया कि कॉलेज के प्रिंसिपल के रूप में पद से हटाए जाने के बाद उसने आपराधिक गतिविधियों का सहारा लिया। तब से वह अपने बेटे आर्यन के साथ ट्रेनों में चोरी-डकैती करने लगा। उन्होंने विशेष रूप से एसी कोच में यात्रा करने वाले यात्रियों को निशाना बनाया। अधिकारियों ने कहा कि वे दो महीने पहले मरुधर एक्सप्रेस में एक विदेशी नागरिक के साथ चोरी की घटना में नाम सामने आने के बाद 52 वर्षीय नरेश चंद की तलाश कर रहे थे।

गांव में पेड़ से लटका मिला दलित लड़के का शव

बदायूं, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में संपत्ति विवाद को लेकर ऊंची जाति के लोगों के एक समूह ने 10 साल के एक दलित लड़के की कथित तौर पर हत्या कर दी। तीसरी कक्षा का छात्र रविवार शाम को लापता हो गया था और उसका शव घंटों बाद गांव के खेत में एक पेड़ से लटका मिला था। यह घटना रफतपुर में हुई, जहां ऊंची जातियों और दलितों की मिश्रित आबादी है। वर्तमान ग्राम प्रधान दलित हैं। लड़के के परिवार के अनुसार गुरजीत जमीन के विवादित हिस्से के पास खेत में खेल रहा था, जब आरोपी लोगों ने लड़के को पकड़ लिया, गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और उसे एक पेड़ से बांध दिया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

सीएम नीतीश और तेजस्वी को महागठबंधन में चल रही बयानबाजी पर

लगाम लगाना चाहिए- पप्पू यादव

पटना, 24 जनवरी (एजेंसियां)। जन अधिकार पार्टी के संरक्षक पप्पू यादव ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जातीय जनगणना में बिहार में 2 और कॉलम को बढ़ाया जाना चाहिए, जिससे यह पता लग जाए कि कौन लोग बेरोजगार हैं और कौन लोग गरीब हैं. उन्होंने कहा कि हम सरकार से मांग करते हैं कि बिहार में जो जातीय जनगणना हो रही है. उसमें दो कॉलम और बढ़ाया जाए. इसके साथ ही उन्होंने महागठबंधन के नेताओं के बीच हो रहे बयानबाजी को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हु कहा कि नीतीश और तेजस्वी को इसपर लगाम लगाना चाहिए.

जाप सुप्रीमो ने शराब कांड पर दी प्रतिक्रिया

सिवान जिले में जहरीली शराब से हुई मौत को लेकर भी उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया दिया. जाप सुप्रीमो ने कहा कि जहरीली शराब से गरीबों की मौत हो रही है. सरकार ताड़ी पर प्रतिबंध लगा दिया है. बिहार में क्या हो रहा है, इस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए. उन्होंने कहा कि बिहार के थानेदार से लेकर प्रशासन के बड़े अधिकारी तक करोड़ों रुपए वसूल कर रहे हैं और बिहार में शराबबंदी को फ्लॉप कर दे रहे हैं. सरकार को चाहिए कि इन सब चीजों पर ध्यान दें.

उपेंद्र कुशवाहा को दी नसीहत

पप्पू यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर भी जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि देश के 5 राज्यों में बहुमत नहीं होने के बाद भी जोड़-तोड़ कर सरकार बना लिया. जबकि जनता का समर्थन उन्हें प्राप्त नहीं है और बिहार में भी अब भाजपा के लोग सरकार को गिराने की ताक में लगे हुए हैं. यही कारण है कि उपेंद्र कुशवाहा सहित कई मुद्दे पर बीजेपी के लोग कुछ-कुछ बयानबाजी कर रहे हैं लेकिन बिहार में वह कहीं से भी सफल नहीं होंगे.बीजेपी की बातों में नहीं आए कुशवाहाः पप्पू यादव ने कहा कि हम इतना कहना चाहेंगे कि उपेंद्र कुशवाहा जी को भाजपा के लोगों के बातों में नहीं आना चाहिए. फिलहाल उन्होंने कहा कि बिहार में ऐसा कुछ नहीं है, जो लोग बिहार को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं, वह पूरी तरह से गलत है. बिहार में बीजेपी की साजिश चल रही है. सरकार को लेकर सफल नहीं होने वाला है.

प्लास्टिक कंटेनर्स की सफ़ाई के आसान टिप्स और घर को महकाने के तरीके

प्लास्टिक कंटेनर्स की सफ़ाई होगी आसानी से

प्लास्टिक के डिब्बों का इस्तेमाल हर घर में होता ही है, ख़ासतौर पर भंडारण के लिए ये काफ़ी सहूलियत भरे होते हैं। इनके टूटने या चटकने का भी डर नहीं होता। लेकिन खाद्य सामग्री रखने पर इनमें दाग़ पड़ जाते हैं और बदबू भी आने लगती है। इनकी साफ़ सफ़ाई कैसे करें और गंध को कैसे दूर भगाएं। इसके लिए आसान तरीक़े आपके साथ साझा कर रहे हैं।

*एक बाल्टी में गर्म पानी लें और उसमें तीन-चार चम्मच बेकिंग सोडा और एक नींबू का रस डालें। प्लास्टिक के डिब्बों को बाल्टी में डाल दें और 15-20 मिनट बाद इन्हें निकालकर साफ़ कर लें।

* कंटेनर्स में खाना अधिक समय के लिए न रखें। ऐसा करने से भोजन की गंध डिब्बे में रह जाती है, जो साफ़ करने के बाद भी आसानी से नहीं जाती।

* अगर डिब्बे पर लगे ज़िद्दी दाग़ आसानी से नहीं छूट रहे तो ऐसे में बेकिंग सोडा और पानी का पेस्ट बनाकर इससे डिब्बे को साफ़ करें। ऐसा करने से दाग़ आसानी से साफ़ हो जाएंगे। नींबू से भी साफ़ कर सकते हैं। इससे बदबू भी दूर होगी।

* कई बार धोने के बाद भी डिब्बों के ढक्कन या बारीक किनारियों में खाना रह जाता है। इन्हें साफ़ करने के लिए नए टूथ ब्रश का इस्तेमाल करें। ये कोनों को भी आसानी से साफ़ कर देता है।

* प्लास्टिक के डिब्बों से गंध और दाग़ हटाने के लिए उसमें कुछ बूंदे डिश सोप की डालें और फिर गर्म पानी डाल दें। ढक्कन लगाकर अच्छी तरह से हिलाएं (शेक करें) और कुछ देर ऐसे ही छोड़ दें। कुछ समय बाद साफ़ पानी से धो लें।

* गंध न जाने पर अख़बार को मोड़कर डिब्बे में भर दें और ढक्कन लगाकर 1-2 दिन छोड़ दें। अख़बार गंध सोख लेगा और फिर डिब्बे को गर्म पानी से धो लें।

* दाग़ दूर करने के लिए डिब्बे में व्हाइट विनेगर भर दें। 1-2 घंटे बाद कंटेनर साफ़ कर लें। सिरके की जगह हैंड सैनिटाइज़र या रबिंग अल्कोहल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इन्हें कपड़े या नैपकिन में लेकर इससे कंटेनर साफ़ करें।

* कंटेनर में एसिडिक खाद्य पदार्थ जैसे टमाटर, मसालेदार भोजन को स्टोर न करें। ये खाने का रंग छोड़ देते हैं।

* ब्लीच और पानी को बराबर मात्रा में मिलाएं और दाग़ वाले कंटेनर में भर दें। 20-30 मिनट बाद पानी से धो लें।

इनका भी रखें ख़्याल — हर प्लास्टिक कंटेनर जो अच्छी कंपनी का हो वो माइक्रोवेव फ्रेंडली हो, यह ज़रूरी नहीं है। इसलिए बिना जानकारी के इन्हें माइक्रोवेव में न रखें। जो प्लास्टिक कंटेनर माइक्रोवेव फ्रेंडली होते हैं उन पर इस बारे में लिखा होता है। इसलिए ख़रीदते समय इनके बारे में पढ़कर ही ख़रीदें। — जब प्लास्टिक के डिब्बों का रंग फीका पड़ने लगे या रंग बदलने लगे, तो समझिए इनकी उम्र पूरी हो चुकी है। ऐसे में इन्हें इस्तेमाल करना बंद कर देना चाहिए। — हमेशा अच्छी कंपनी के प्लास्टिक कंटेनर ही ख़रीदें। इस बात का भी ख़्याल रखें कि ये मुलायम प्लास्टिक के हो।

हर मौसम में महकेगा घर...

हर मौसम में घर की दुर्धगंध को भगाने के लिए यह कर सकते है। ऐसे में घर में सीलन की गंध आने लगती है। गंध भगाने के लिए आज़माएं ये उपाय...

* कपूर को जलाने से फंगल इंफेक्शन और गंध से बचा जा सकता है। इसे जलाने के बाद कमरे के दरवाजे और खिड़कियां बंद कर 5-10 मिनट बाद खोल दें।

* पसंदीदा फूलों की मदद से बदबू को दूर कर सकते हैं। अपने पसंदीदा फूलों की पत्तियों को लगभग आधा घंटा पानी में उबालें और ठंडा होने पर पानी को छानकर स्प्रे बोतल में भरकर घर में छिड़कें। पानी को तुरंत पूरा इस्तेमाल कर लें।

* कीड़े-मकोड़ों के डर से दरवाज़े और खिड़कियां बंद न रखें। इससे कमरे के अंदर गंध भर जाती है। भले ही थोड़ी देर के लिए ही सही घर के खिड़की-दरवाज़ों को खुला अवश्य रखें ताकि बाहर की ताज़ी हवा अंदर आ सके।

* पायदानों को फैब्रिक कंडिशनर से हर 4-5 दिन में धोकर सुखाएं। कंडिशनर न हो तो ख़ुशबूदार डिटर्जेंट का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

* किचन की दुर्गंध को दूर करने के लिए कुकीज़ या कुछ और भी बेक करें। इससे दुर्गंध दूर भागती है और सौंधी ख़ुशबू से किचन महकता है।

* नमक गंध को सोखने के लिए अच्छा विकल्प है। यह कमरे की नमी को कम करने के अलावा दुर्गंध भी दूर करता है। नमक को पतले कपड़े में रखकर चारों ओर से सिलकर कमरे में रखें। हर 2-3 दिन के अंतराल में नमक को बदल दें।

*पोछा लगाने के लिए फिनायल डालें। अगर न हो तो पानी में हल्का-सा शैम्पू और नमक डालकर पोछा लगाएं। इससे घर महकेगा और कीटाणु भी नष्ट होंगे।

* फर्नीचर साफ़ करने के लिए हमेशा सूखे कपड़े का इस्तेमाल करें गीले कपड़े का नहीं। गीले कपड़े के प्रयोग से फर्नीचर के ख़राब होने का भी डर रहता है साथ ही गीले फर्नीचर से दुर्गंध भी आती है।

काम में व्यस्तता के कारण नाराजगी को दूर करने के लिए आसान उपाय...

आज की दौड़-भाग वाली ज़िंदगी में लगभग हर कोई व्यस्त है, जिससे भी पूछो वो यही कहता है कि समय नहीं है। ऐसे में देखा जाता है कि कई लोग अपने काम में हमेशा ही व्यस्त रहते हैं, जिसकी वजह से वो दूसरी चीजों पर ध्यान नहीं दे पाते। जैसे- घर के लोगों पर, घर के लोगों के साथ समय नहीं बिता पाते हैं, उनके सुख-दुख के बारे में नहीं जान पाते हैं आदि। ऐसे में व्यक्ति के बच्चे, पार्टनर और माता-पिता तक

उससे नाराज हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि अपने काम के चक्कर में आप उन्हें भूल गए हैं, जिसकी वजह से आप उन्हें समय नहीं दे पा रहे हैं। ऐसे में व्यक्ति की चिंता बढ़ जाती है, और फिर वो अपने घरवालों की नाराजगी दूर करने के तरीके खोजने लगता है। अगर आपके साथ भी ऐसा हुआ है, तो हम आपको कुछ तरीके बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप अपने नाराज घर वालों को मना सकते हैं।

बाहर घुमाने ले जाए

आपके परिवार के लोग अगर आपसे नाराज हो सकते हैं, तो आप उन्हें बाहर ले जा सकते हैं। अनलॉक की वजह से अब काफी चीजें खुल गई हैं। ऐसे में आप उन्हें उनकी पसंदीदा जगहों पर घुमाने ले जा सकते हैं। हालांकि, अगर आप अभी घर से बाहर जाना बेहतर नहीं समझते हैं, तो आप अपने परिवार संग घर पर ही अपनी पुरानी यादों को ताजा कर सकते हैं। इससे आपके बच्चों, पार्टनर और माता-पिता को काफी अच्छा लगेगा और हो सकता है कि उनकी नाराजगी भी दूर हो जाए।

डिनर पर ले जाएं

आप अपने परिवार संग डिनर का प्लान कर सकते हैं। आप उन्हें उनकी पसदीदा जगह पर ले जाकर डिनर करवा सकते हैं या फिर घर पर ही एक अच्छे डिनर की व्यवस्था करके घर पर उनके साथ डिनर कर सकते हैं। आप डिनर में अपने बच्चों, पार्टनर और माता-पिता की पसंदीदा खाने की चीजों को शामिल कर सकते हैं। इस दौरान उनकी नाराजगी भी दूर हो सकती है।

सप्ताह में एक दिन परिवार के नाम

परिवार के लोग फिर चाहे वे बच्चे हैं या आपके पार्टनर या फिर आपके माता-पिता। हर कोई चाहता है कि आप उनके साथ समय बिताएं। ऐसे में अगर आप अपने काम की वजह से व्यस्त हैं, तो सप्ताह में एक दिन (छुट्टी वाले दिन या अन्य दिन) उनके साथ समय बिता सकते हैं। इस पूरे दिन को आप अपने परिवार के नाम कर सकते हैं। इससे आपके घरवालों को आपसे शिकायत भी नहीं होगी और उनकी नाराजगी भी दूर हो सकती है।

पसंद या जरूरत की चीजें उपहार करें

अगर आपके व्यस्त होने के कारण आपके घर वाले आपसे नाराज हैं, तो आप उन्हें उपहार देकर मना सकते हैं। आप उनकी पसंद के, उनकी जरूरत के हिसाब से या अपनी पसंद से भी तोहफे दे सकते हैं। उपहार लेना हर किसी को पसंद होता है। ऐसे में आपके घर वालों की भी उपहार पाने के बाद नाराजगी दूर हो सकती है।

माता-पिता के बीच झगड़े को इस तरह बच्चे बदल सकते हैं प्यार में

जब कोई कपल शादी के पवित्र बंधन में बंधता है, तो उसके कई सपने होते हैं। वे चाहते हैं कि वे अपने इस शादी के रिश्ते को खुशी-खुशी निभाएं, सबकुछ अच्छा हो, लड़ाई-झगड़े न हो और दोनों साथ में समय गुजारे। लेकिन बाकी सब एक तरफ और पति-पत्नी के बीच लड़ाई-झगड़े होना एक तरफ। पति-पत्नी का रिश्ता विश्वास की नींव पर टिका होता है। जरा सा भी विश्वास खत्म हुआ, तो ये रिश्ता बिखर तक सकता है। वहीं, इस रिश्ते में जितना प्यार होता है, उतनी ही नोंकझोक इसी रिश्ते में देखी जाती है। लेकिन कई बार ये झगड़े इतने बढ़ जाते हैं कि कई हफ्तों तक कपल एक-दूसरे से बात नहीं करते हैं, अपनी गलती मानकर आगे नहीं बढ़ते हैं, छोटी सी बात को लेकर बैठे रहते हैं आदि। लेकिन अगर बच्चे चाहें तो अपने माता-पिता की इस लड़ाई को खत्म करवा सकते हैं। अगर आपके माता-पिता के भी अक्सर लड़ाई-झगड़े होते हैं, तो चलिए हम आपको कुछ तरीके बताते हैं। हो सकता है कि शायद ये तरीके आपके काम आ जाए।

दोनों को एक-दूसरे की अहमियत बताकर

जब पति-पत्नी के बीच अनबन होती है, तो वे दोनों एक-दूसरे से बात नहीं करते हैं, तो फिर आखिर दोनों के बीच फिर से बातचीत कैसे शुरू हो? ऐसे में बच्चे ये कर सकते हैं कि वे अपने माता-पिता दोनों को एक-दूसरे की अहमियत बता सकते हैं, उन्हें बता सकते हैं कि कैसे मां आपका हर वक्त साथ देती है, कैसे पिता आपकी हर ख्वाहिश को पूरा करते हैं आदि। वहीं, जब दोनों को एक-दूसरे की अहमियत पता चलेगी, तो हो सकता है कि माता-पिता अपना गुस्सा त्यागकर फिर से एक हो जाएं।

दोनों की बात करवाकर

जब पति-पत्नी की लड़ाई होती है, तो अक्सर उनके अंदर गुस्सा भर जाता है। ऐसे में दोनों एक-दूसरे से बात करना तो दूर की बात, साथ बैठते तक नहीं हैं। इसलिए बच्चों का फर्ज बनता है कि वे अपने माता-पिता की इस लड़ाई को खत्म करवाएं और एक खुशहाल जिंदगी बिताएं। इसके लिए बच्चे अपने माता-पिता से बात कर सकते हैं, उन्हें समझा सकते हैं कि लड़ाई-झगड़े से कुछ अच्छा नहीं होगा आदि।

कैंडल लाइट डिनर से

माता-पिता की लड़ाई को खत्म करने का एक तरीका कैंडल लाइट डिनर भी हो सकता है। बच्चे अपने माता-पिता के लिए घर पर ही कैंडल लाइट डिनर की व्यवस्था कर सकते हैं। इस दौरान दोनों जब साथ में होंगे, तो हो सकता है कि दोनों के बीच फिर से प्यार बढ़ जाए और चल रहा लड़ाई-झगड़ा खत्म हो जाए।

समय देकर

कई बार पति-पत्नी के बीच झगड़ा इतना बढ़ जाता है कि उन्हें अकेला छोड़ना ही बेहतर होता है। ऐसे समय में बच्चों को अपने माता-पिता को समय देना चाहिए, ताकि जब वे अकेले में समय गुजारे तो उन्हें खुद लगे कि वे बेवजह झगड़ा कर रहे हैं।

स्मार्टफोन के कुछ हैक्स

ऑटो-रोटेट डिसेबल रखें

मोबाइल फोन के स्क्रीन-रोटेट फंक्शन को अगर हमेशा ऑन रखते हैं तो अब ऐसा करना बंद कर दें। इसे चालू रखने से एक्सेलेरोमीटर नामक एक विशेष सेंसर का उपयोग होता है जो फोन की बैटरी का अधिक इस्तेमाल करता है और इस कारण बैटरी जल्दी ख़त्म हो जाती है। इसीलिए केवल आवश्यक होने पर ही ऑटो-रोटेट फंक्शन का उपयोग करें।

नया फिल्टर आज़माएं

यह थोड़ा अजीब है, लेकिन इसे आज़माकर ज़रूर देखें। यदि तस्वीर लेते समय रोशनी बहुत अधिक हो तो फ़ोन के कैमरे को

धूप के चश्मे पर रखकर तस्वीर लें। इससे तस्वीर ख़ूबसूरत तो आएगी ही साथ ही अधिक रोशनी की समस्या से भी निजात मिलेगी।

बेहतर ऑडियो पाएं

स्मार्टफोन से वीडियो बनाते समय अक्सर आसपास की कई आवाज़ें भी रिकॉर्ड हो जाती है, जो सुनने में अच्छी नहीं लगतीं। इस समस्या से बचने के लिए माइक्रोफ़ोन को कवर करके अपने वीडियो की ऑडियो गुणवत्ता में सुधार कर सकते हैं। ये ट्रिक बैकग्राउंड के शोर को कम करती है जिससे आप मुख्य ऑडियो स्ट्रीम को बेहतर ढंग से सुन सकते हैं। वीडियो बनाते समय माइक्रोफ़ोन को ढकने के लिए बस एक अंगुली का उपयोग करें।

फोन रीस्टार्ट करें

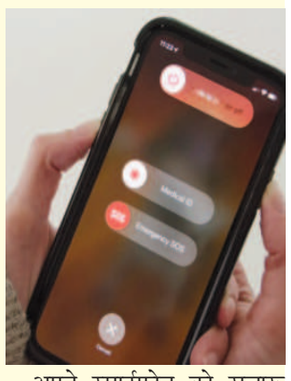

अपने स्मार्टफोन को सुचारू रूप से चलाने के लिए इसे सप्ताह में कम से कम 3 बार रीस्टार्ट करें। इस तरह ऐप्स रीसेट हो जाएंगे और स्मार्टफोन को ब्रेक मिल जाएगा। कई बार फोन अधिक हैंग करने लगता है। ऐसी स्थिति में भी फोन को रीस्टार्ट करना बेहतर होता है।

साइकिल चलाना संपूर्ण शरीर का व्यायाम है, लेकिन इसके भी कुछ नियम हैं

साइकिल चलाना व्यायाम का हिस्सा बन चुका है। कई लोग सुबह के समय व्यायाम करने के बजाय साइकिलिंग कर लेते हैं। इससे शरीर फिट तो रहता है, साथ ही यह हृदय के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। वज़न को नियंत्रित करता है, टाइप-2 मधुमेह के जोख़िमों को कम करता है, मांसपेशियों को मज़बूत करता है और गठिया की रोकथाम में भी मदद करता है।

पर ये फ़ायदे तब नुक़सान में बदल जाते हैं जब हम साइकिल चलाते वक़्त ग़लतियां करते हैं। अगर साइकिलिंग को व्यायाम के तौर पर कर रहे हैं तो इससे जुड़ी सावधानियां और ज़रूरी बातों का ध्यान रखना भी ज़रूरी है। साइकिलिंग किसी भी वक़्त कर सकते हैं। पर कुछ अध्ययनों के मुताबिक़ सुबह के समय यह अधिक फ़ायदेमंद है।

हम क्या-क्या ग़लतियां करते हैं?

साइकिल चलाते हैं तो कम किलोमीटर से शुरुआत करने के बजाय एक बार में 10-15 किलोमीटर बिना रुके तय कर लेते हैं।

बीच में आराम नहीं करते।

इस दौरान खानपान का ध्यान भी नहीं रखा जाता। इससे वज़न घटने के बजाय बढ़ सकता है।

ये है सही तरीक़ा

साइकिलिंग से पहले वॉर्मअप ज़रूर करें। अगर पहली बार साइकिलिंग करने जा रहे हैं तो पहले 2-3 किलोमीटर से शुरुआत करें। धीरे-धीरे इसे बढ़ाते जाएं। अगर क्षमता से अधिक दूरी तय करेंगे तो पैरों में दर्द होगा और शरीर में भारीपन व दर्द महसूस होगा। रोज़ साइकिलिंग की अधिकतम दूरी 10 से 12 किलोमीटर ही होनी चाहिए। साइकिल बहुत तेज़ी से न चलाएं। गति सामान्य रखें। समूह में साइकिलिंग कर रहे हैं तो बातें न करते हुए सिर्फ़ साइकिल चलाएं। ईयर फोन्स लगाना भी उचित नहीं है। सिर्फ़ सड़क पर ध्यान दें। ऐसी जगह या सड़क चुनें जहां अधिक ट्रैफिक न हो। ख़ाली सड़क होने से आप पूरा ध्यान साइकिलिंग पर लगा सकेंगे।

इन्हें साइकिलिंग से बचना चाहिए

अगर कमर और घुटनों से संबंधित कोई समस्या है तो साइकिलिंग से पहले चिकित्सक की सलाह लें।

अस्थमा के मरीज़ों को या फिर जिन्हें सांस फूलने की समस्या है, उन्हें साइकिलिंग नहीं करनी चाहिए।

जिन्हें मिर्गी के दौरे आते हैं उन्हें भी किसी की देखरेख और डॉक्टर की सलाह पर ही साइकिलिंग करनी चाहिए।

आहार पर दें ध्यान

साइकिल चलाने से पहले ज़्यादा भोजन न करें और साइकिलिंग के तुरंत बाद भी भोजन नहीं करना चाहिए। ख़ूब पानी पिएं और रस भरे फलों व जूस का सेवन करें ताकि साइकिलिंग के वक़्त निकलने वाले पसीने की पूर्ति की जा सके।

सुबह का नाश्ता

सुबह के नाश्ते में दलिया खा सकते हैं। चना, मूंग की दाल और सोयाबीन के दाने रात में भिगोकर सुबह नाश्ते में ले सकते हैं। उबले अंडे, ब्रेड, ऑमलेट और एक गिलास मलाईदार दूध भी पी सकते हैं। नाश्ता करके कुछ देर बाद मौसमी फल या ग्रीन टी ले सकते हैं। सूखे मेवे लें जिससे शरीर को ऊर्जा मिलती रहे।

दोपहर का भोजन

गेहूं की दो रोटियां, सब्ज़ी, दाल और थोड़े-से चावल ले सकते हैं। सूखे मेवे भी खा सकते हैं। खाने के साथ खीरा, चुकंदर आदि का सलाद ज़रूर लें। एक कटोरी दही खाने से पाचन सही रहेगा और ऊर्जा बनी रहेगी।

शाम का नाश्ता

फल, सूखे मेवे, ब्रेड-ऑमलेट और पोहा ले सकते हैं। एक कप ग्रीन टी पी सकते हैं।

रात का भोजन

दो रोटी और दाल के साथ हरी व मौसमी सब्ज़ियों का सेवन ज़रूर करें। रात में तला-भुना खाने से बचें।

लॉकरधारकों को आरबीआई ने दी बड़ी राहत

अब 31 दिसंबर तक बैंक के साथ कर सकते हैं समझौता

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। आरबीआई ने लॉकर रखने वाले ग्राहकों के साथ संशोधित करार करने को बैंकों के लिए समयसीमा को 31 दिसंबर, 2023 तक बढ़ा दिया है। इसकी वजह यह है कि अभी बड़ी संख्या में लॉकरधारक ऐसा नहीं कर पाए हैं। पहले यह समय-सीमा एक जनवरी, 2023 थी। केंद्रीय बैंक ने कहा, हमारे संज्ञान में आया है कि बड़ी संख्या में ग्राहकों ने अभी तक संशोधित समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। कई मामलों में बैंकों ने अभी तक ग्राहकों को निर्धारित तिथि (एक जनवरी, 2023) से पहले ऐसा करने की जरूरत के बारे में सूचित नहीं किया है।

आरबीआई ने कहा, 30 अप्रैल, 2023 तक बैंकों को हर लॉकरधारकों को सूचित करना होगा। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि 30 जून, 2023 तक 50 फीसदी और 30 सितंबर, 2023 तक 75% ग्राहक संशोधित समझौते पर हस्ताक्षर कर लें। बैंकों को यह प्रक्रिया पूरी करने के लिए स्टाम्प पेपर की व्यवस्था, समझौते के इलेक्ट्रॉनिक निष्पादन, ई-स्टॉम्पिंग और ग्राहक को समझौते की एक कॉपी देने जैसे सभी उपाय करने होंगे। इसके अलावा, एक जनवरी, 2023 तक समझौता नहीं होने की वजह से जो लॉकर बंद हो गए हैं, उन्हें तत्काल प्रभाव से सक्रिय किया जाए। नए नियम के तहत अगर कोई नुकसान होता है तो यह जिम्मेदारी सीधे तौर पर बैंक की होगी और उसे ग्राहक को मुआवजा देना होगा।

नौ साल में खर्चे कई गुना बढ़े पर आईटी पर छूट का दायरा वही रहा, इस बार क्या उम्मीद?

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2023-24 का बजट पेश करेंगी। चूंकि 2024 में लोकसभा चुनाव होने हैं ऐसे में यह मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का आखिरी पूर्ण बजट होगा। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि लंबे समय से अपरिवर्तित आयकर स्लैब पर वित्त मंत्री इस बार के बजट में कोई बड़ी घोषणा करेंगी। वित्त मंत्री सीतारमण टैक्स स्लैब में संशोधन कर भारतीय करदाताओं को राहत देंगी इस बात की अटकलें लग रही हैं। बाजार के जानकार मानते हैं कि इस बार के बजट में इक्विटी निवेश पर एलटीसीजी कर और रियल एस्टेट क्षेत्र की मांगों पर भी विचार करते हुए बजट में बड़ी घोषणाएं हो सकती हैं।

नौ साल से आयकर स्लैब में नहीं हुआ कोई बदलाव, क्या इस बार पसीजेगा सरकार का दिल?

सरकार ने पिछले 9 वर्षों में आयकर स्लैब में कोई परिवर्तन नहीं किया है। पिछली बार साल 2014 में आयकर छूट की सीमा को बढ़ाया था। यह परिवर्तन नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल के पहले बजट में किया गया था। अब साल 2023 में मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का आखिरी पूर्ण बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पेश करने वाली हैं, ऐसे में देश का नौकरीपेशा से लेकर व्यापारी वर्ग सभी वित्त मंत्री से बड़ी घोषणा की उम्मीद कर रही हैं।

2014 की तुलना में लोगों का खर्च बढ़ा, आमदनी बढ़ी पर आयकर का दायरा वही रहा

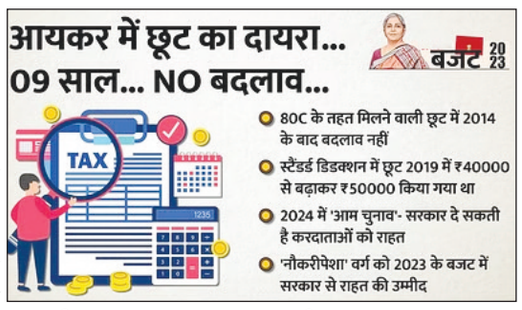

बढ़ती महंगाई के कारण बीते कई वर्षों में लोगों का खर्चा कई गुना बढ़ गया है। लिविंग कॉस्ट में तो बढ़ोतरी हुई है पर सरकार ने आमदनी पर लगने वाले कर में बीते नौ वर्षों में कोई रियायत नहीं दी है। ऐसे में करदाता नए टैक्स सिस्टम के तहत 2.5 लाख की आयकर छूट की सीमा को बढ़ाकर पांच लाख रुपये करने की उम्मीद कर रहे हैं। फिलहाल लोगों को 2.5 से पांच लाख तक की सैलरी पर पांच फीसदी और पांच से 7.5 लाख पर 20 फीसदी टैक्स देना पड़ता है।

क्या 80सी के तहत मिलने वाली छूट की सीमा बढ़ाई जाएगी?

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80सी के तहत हर साल करदाताओ को अपने निवेश पर 1.5 लाख रुपये की छूट मिलती है। टैक्सपेयर्स इस लिमिट को बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। अगर बजट में सरकार इसपर फैसला लेती है, तो टैक्सपेयर्स को बड़ी राहत मिलेगी। पीपीएफ, ईएलएसएस, एनएससी, एनपीएस, बैंक एफडी जैसे सेविंग स्कम्स पर इसी 80सी के तहत करदाताओं को राहत मिलती है।

2014-15 में 80सी के तहत छूट की सीमा 1 लाख से बढ़ाकर 1.5 लाख की गई थी

आखिरी बार साल 2014 में सरकार ने टैक्स फ्री इनकम और सेक्शन 80सी की लिमिट बढ़ाई थी। पिछली बार वित्त वर्ष 2014-15 में इस सीमा को एक लाख रुपये से बढ़ाकर 1.5 लाख रुपये किया गया था। उसके बाद से इसकी सीमा नहीं बदली गई है। उम्मीद है कि 2024 के आम चुनावों के पहले सरकार कार 80सी की लिमिट बढ़ाकर करदाताओं को खुश कर सकती है।

आईसीएआई ने सरकार को 80सी की लिमिट बढ़ाने का दिया है सुझाव

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ने अपने प्री-बजट मेमोरेंडम 2023 में सुझाव दिया है कि आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80सी के तहत कर कटौती की सीमा बजट 2023 में मौजूदा 1.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 2.5 लाख रुपये किया जाना चाहिए। आईसीएआई ने कहा कि धारा 80सी की कटौती सीमा में बढ़ोतरी जनता को बड़े पैमाने पर बचत के अवसर प्रदान करेगी।

स्टैंडर्ड डिडक्शन में इजाफा पर क्या फैसला लेगी सरकार?

आयकर की धारा 16 के तहत नौकरीपेशा वर्ग को 50,000 रुपये की स्टैंडर्ड डिडक्शन की सुविधा दी जाती है। नौकरीपेशा वर्ग के लोग इसमें बढ़त की उम्मीद कर रहे हैं। जानकार मानते हैं कि सरकार स्टैंडर्ड डिडक्शन सीमा को 50,000 से बढ़ाकर 75,000 रुपये करने का फैसला ले सकती है। फिनफ्लुएंसर और बीमा क्षेत्र के जानकार संत कुमार दास के अनुसार स्टैंडर्ड डिडक्शन पर सरकार बड़ा फैसला ले सकती है। 2023 में इसे बढ़ाकर 1 लाख रुपये सालाना करने की उम्मीद की जा सकती है। केंद्र सरकार ने आयकर पर मिलने वाले स्टैंडर्ड डिडक्शन में आखिरी बदलाव वर्ष 2019-20 में किया था। 1 फरवरी 2019 के बजट में वित्त मंत्री ने स्टैंडर्ड डिडक्शन के तहत मिलने वाली छूट को 40 हजार से बढ़ाकर 50 हजार करने का फैसला किया था। वर्ष 2020 और 2021 के बजट में इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया। इसके अलावे जानकारों के मुताबिक सरकार पीपीएफ पर भी 2023 के बजट में बड़ा एलान कर सकती है।

एलटीसीजी पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण क्या फैसला लेंगी?

आर्थिक जानकारों के अनुसार बजट 2023-24 के बजट में दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) कर को और तर्कसंगत बनाया जा सकता है। वर्तमान में एक वर्ष से अधिक समय के लिए रखे गए शेयरों पर 10% टैक्स लगता है। एलटीसीजी कर को वर्ष 2005 में बंद कर दिया गया था, लेकिन 2018 में भाजपा सरकार ने इसे फिर लागू कर दिया।

सूत्रों ने कहा, समझा जाता है कि वित्त मंत्रालय एलटीसीजी कर ढांचे को तर्कसंगत बनाकर और मुद्रास्फीति समायोजित पूंजीगत लाभ की गणना के लिए आधार वर्ष को संशोधित करके समान परिसंपत्ति वर्गों के बीच समानता सुनिश्चित करने पर विचार कर रहा है।

सेवा क्षेत्र निर्यात चालू वित्त वर्ष में 300 अरब डॉलर के पार होगा, गांधीनगर में बोले पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। देश का सेवा क्षेत्र निर्यात काफी अच्छी स्थिति में है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को ये बातें कही। गोयल ने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष में सेवाओं का निर्यात करीब 20 प्रतिशत बढ़कर 300 अरब डॉलर के लक्ष्य को पार कर जाएगा। उन्होंने कहा कि वस्तुओं के निर्यात की बात की जाए, तो यह क्षेत्र भी स्वस्थ वृद्धि दर्ज कर रहा है। दुनिया में मंदी, मुद्रास्फीतिक दबाव और जिंसों की ऊंची कीमतों के बावजूद वस्तुओं का निर्यात अच्छा रहा है। उन्होंने कहा कि इन सब दबावों के बावजूद चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह अप्रैल-दिसंबर में देश के निर्यात में नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। गोयल ने कहा, ''सेवाओं की बात करें, तो हमने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। सेवाओं के मामले में हम निर्यात में कम से कम 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेंगे। हम 300 अरब डॉलर के सेवा क्षेत्र के निर्यात लक्ष्य को पार कर लेंगे।'' उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''वैश्विक स्तर पर प्रतिकूल परिस्थितियों तथा दुनिया के प्रत्येक हिस्से से दबाव की खबरों के बीच कुल मिलाकर यह एक बहुत ही संतोषजनक साल होगा।'' उन्होंने कहा कि सरकार के संरचनात्मक सुधारों तथा 'मेक इन इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' जैसे कदमों के नतीजे दिखने लगे हैं। अप्रैल-दिसंबर 2022-23 के दौरान, कुल निर्यात नौ प्रतिशत बढ़कर 332.76 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 24.96 प्रतिशत बढ़कर 551.7 अरब डॉलर रहा है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में व्यापार घाटा बढ़कर 218.94 अरब डॉलर हो गया है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 136.45 अरब डॉलर रहा था। पिछले वित्त वर्ष में देश का वस्तुओं का निर्यात 422 अरब डॉलर के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया था।

दुनिया के टॉप 500 रईसों में नहीं है एक भी पाकिस्तानी

जानिए कितनी है पाकिस्तान के 'अंबानी' की नेटवर्थ

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान बुरे आर्थिक हालात से गुजर रहा है। जानकारों की मानें तो पाकिस्तान के लिए 1971 के बाद यह सबसे खराब दौर है। देश में खानेपीने की चीजों, गैस, दवा और बिजली की भारी किल्लत हो गई है। देश की विदेशी मुद्रा भंडार नौ साल के न्यूनतम स्तर पर है। इससे केवल तीन हफ्ते का ही आयात हो सकता है। पाकिस्तान ने 24वीं बार आईएमएफ से कर्ज की गुहार लगाई है लेकिन उसने शर्तें मानना पाकिस्तान के लिए आत्मघाती होगा। आईएमएफ ने देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ाने की शर्त रखी है। देश को इस स्थिति से उबारने के लिए पाकिस्तान के सबसे बड़े रईस मियां मोहम्मद मंशा ने भारत के साथ बॉर्डर खोलने की हिमायत की है। मंशा का परिवार विभाजन के समय भारत से पाकिस्तान चला गया था। वह निशात समूह के चेयरमैन हैं। साल 2012 में उन्होंने भारत में बैंक खोलने की योजना बनाई थी लेकिन बात नहीं बन पाई। पाकिस्तान को कोई भी शख्स दुनिया के टॉप 500 अमीरों की लिस्ट में शामिल नहीं है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक भारत के 20 रईस इस लिस्ट में शामिल हैं। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम

अडानी इस लिस्ट में चौथे और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 12वें नंबर पर हैं। गौतम अडानी की नेटवर्थ 120 अरब डॉलर और मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 84.7 अरब डॉलर है। मियां मोहम्मद मंशा को पाकिस्तान का अंबानी कहा जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ एक अरब डॉलर के करीब है। वैसे उनकी नेटवर्थ में हाल के वर्षों में गिरावट आई है। मंशा का जन्म 1947 में हुआ था। उनके पिता ने एक कॉटन मिल की स्थापना की थी जिसे आज निशात टेक्सटाइल्स मिल्स के नाम से जाना जाता है। मंशा 1969 में फैमिली बिजनस से जुड़े और इसे बुलंदियों पर पहुंचाया। 2005 में वह पाकिस्तान के सबसे अमीर शख्स बनकर उभरे। उनका कारोबार बैंकिंग, टेक्सटाइल्स, इंश्योरेंस, सीमेंट और पावर तक फैला है। मार्च 2010 में उन्हें फोर्ब्स की अरबपतियों की लिस्ट में जगह मिली।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर	में	मकर-	06-11 बजे
चंद्र-	कुंभ	में	कुंभ -	08-01 बजे
मंगल	वृष	में	मीन...	09-40 बजे
बुध-	धनु	में	मेष--	11-15 बजे
गुरु-	मीन	में	वृष--	13-00 बजे
शुक्र-	कुंभ	में	मिथुन..	15-02 बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क...	17-13 बजे
राहु-	मेष	में	सिंह...	19-25 बजे
केतु-	तुला	में	कन्या..	20-32 बजे
			तुला	23-37 बजे
			वृश्चिक.	01-48 बजे
			धनु.....	04-05 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत -**1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् -**5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् -**1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् -**2549,**हिजरी सन् -**1443**
ऋतु-शिशिर**दिशाशूल-** उत्तर • धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी- **12 -34** तक उपरान्त पंचमी
मास - माघ शुक्ल पक्ष , बुधवार **Jan 25**
नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद - **20 -05** तक उपरान्त उत्तराभाद्रपद
योग - परिघ - **18 - 14** - तक उप शिव
करण- विष्टि - **12 - 34** - तक उप- बव
विशेष:- बसंत पंचमी श्री पंचमी
व्रत -त्योहार -सरस्वती जं.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:28 से 13:53 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ.	06:53 - 08:15 शुभ	उत्पात	18:03 - 19:42 अशुभ
अमृत	08:15 - 09:40 शुभ	शुभ	19:42 - 21:17 शुभ
काल.	09:40 - 11:04 अशुभ	अमृत	21:17 - 22:53 शुभ
शुभ.	11:04 - 12:28 शुभ	चंचल	22:53 - 00:28 शुभ
रोग	12:28 - 13:53 अशुभ	रोग	00:28 - 02:04 अशुभ
उत्पात	13:53 - 15:17 अशुभ	काल	02:04 - 03:39 अशुभ
चंचल	15:17 - 16:42 शुभ	लाभ	03:39 - 05:15 शुभ
लाभ	16:42 - 18:03 शुभ	उत्पात	05:15 - 06:53 अशुभ

आपका राशिफल

मेष धू धे धो ला ली लू ले लो आ

अपने झगड़ालू व्यवहार पर क़ाबू रखें, क्योंकि इससे आपका रिश्ता हमेशा के लिए बिगड़ सकता है। आप खुले दिमाग को बढ़ावा देकर और किसी के प्रति पूर्वाग्रहों को दूर करके इस पर काबू पा सकते हैं। आपको आकर्षित करने वाली निवेश योजना के बारे में गहराई से जानने के लिए गहराई से देखें- कोई भी वादा करने से पहले अपने विशेषज्ञों से सलाह लें।

वृष ई उ ए जो वा वी वू वे वो

तनाव से बचने के लिए अपना कीमती समय बच्चों के साथ बिताएं। आप बच्चे की उपचार शक्ति का अनुभव करेंगे। चूंकि वे पृथ्वी पर सबसे शक्तिशाली आध्यात्मिक और भावनात्मक व्यक्तित्व हैं। आप खुद को तरोताज़ा महसूस करेंगे। सोच समझ कर निवेश करें। बच्चे और बुजुर्ग अधिक ध्यान देने की मांग करते हैं।

मिथुन का की कू घ ङ झ के को हा

आपकी शाम मिली जुली भावनाओं से भरी होगी जो आपको तनाव में रख सकती है। लेकिन ज़्यादा चिंता करने की ज़रूरत नहीं है- क्योंकि आपकी ख़ुशी आपको निराशा से ज़्यादा खुशी देगी। ऐसी वस्तुएँ ख़रीदने के लिए उत्तम दिन है, जिनकी क़ीमत में वृद्धि होगी। अपने दृष्टिकोण में उदार बनें।

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

गर्भवती महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का अतिरिक्त ध्यान रखने की आवश्यकता है। आप ख़ुद को किसी रोमांचक नई स्थिति में पा सकते हैं- जिससे आपको आर्थिक फ़ायदा भी होगा। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है लेकिन कोई ऐसा व्यक्ति जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

आपका व्यक्तित्व आज किसी इत्र की तरह काम करेगा। अटकलें खतरनाक होंगी- इसलिए सभी निवेश अत्यधिक सावधानी से किए जाने चाहिए। अपने रिश्तेदारों और दोस्तों को अपने वित्त का प्रबंधन न करने दें या आप जल्द ही अपना बजट पार कर सकते हैं।

कन्या टो पा पी पू ष ण ट पे पो

दोस्तों के साथ शाम सुखद रहेगी लेकिन खाने-पीने की अधिकता का ध्यान रखें। अगर आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो सोच समझकर पैसा खर्च करें, क्योंकि आपको धन हानि होने की संभावना है। आप लोगों के साथ अपना रास्ता बना सकते हैं।

तुला स री रु रे से ता तू ते

पत्नी के मामलों में अपनी टांग न अड़ाएं, क्योंकि यह उसके क्रोध को आमंत्रित करेगा। बेहतर होगा आप अपने काम से काम रखें। हस्तक्षेप जितना संभव हो उतना कम करें अन्यथा यह निर्भरता पैदा कर सकता है। अपने ख़र्चों पर क़ाबू रखें और कोशिश करें कि आज ख़र्चों में ज़्यादा फिजूलखर्ची न करें।

वृश्चिक तो मा मी मू मे मो य यी यू

आउटिंग-पार्टियां और मौज-मस्ती आज आपका मूड अच्छा रखेगी। पिछले निवेश से आय में वृद्धि की संभावना है। आपको नीचे खींचने की कोशिश करने वाले लोगों को संभालना बेहद मुश्किल होगा। आपका प्रिय कुछ चिढ़ा हुआ प्रतीत होगा- जो आपके दिमाग पर दबाव डालेगा।

धनु ये यो भा भी मू धा फा ढा भे

बच्चे आपकी शाम को रोशन करेंगे। सुस्त और व्यस्त दिन को अलविदा कहने के लिए एक अच्छे डिनर की योजना बनाएं। उनकी कंपनी आपके शरीर को रिचार्ज करेगी। पिता की कोई सलाह कार्यक्षेत्र में फायदेमंद साबित हो सकती है। शाम को अपने जीवनसाथी के साथ मूवी-थिएटर या डिनर पर जाना आपको सुकून और शानदार मूड में रखता है।

मकर भे जे जी खी खू खो मा मी

लोगों को अपने लिए चीजें करने के लिए मजबूर और विवश न करें। दूसरों की इच्छा और रुचि के बारे में सोचें जो आपको असीमित खुशी देगा। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और संदिग्ध वित्तीय योजनाओं से बचें। घर के लंबित काम आपका कुछ समय ले लेंगे। आप अपने मधुर प्रेम जीवन में आज एक्सोटिका के मसाले को संजोएंगे।

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

आप अपने दिन की शुरुआत योग और ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और आप दिन भर अपनी ऊर्जा के स्तर को बनाए रखेंगे। ख़र्चा बढ़ेगा लेकिन आय में वृद्धि आपके ख़र्चों का ध्यान रखेगी। कोई आपको नुकसान पहुँचाने की कोशिश कर सकता है-

मीन ढी ढू ध ज्ञ ञ दे दो घ घी

जीवन का आनंद लेने के लिए अपनी आकांक्षाओं की जांच करें। अपने स्वभाव को सुधारने के लिए योग-जो आपको शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रहने की कला सिखाता है, का सहारा लें। किसी भी लंबी अवधि के निवेश से बचें और बाहर जाकर अपने अच्छे दोस्त के साथ कुछ सुखद पल बिताने की कोशिश करें।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

किसी हवेली से कम नहीं अशनीर ग्रोवर का ये घर

लग्जरी कारें, 10 करोड़ का टेबल और भी कई चीजों का है कलेक्शन

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। भारतपे के पूर्व को-फाउंडर और शार्क टैंक इंडिया के पूर्व जज ने हाल ही में अपने साउथ दिल्ली में एक घर की सैर कराई है।इस वीडियो में अशनीर ग्रोवर के साथ उनकी पत्नी माधुरी जैन भी मौजूद थीं।उन्होने बताया कि कैसे इस घर को पाने में उन्हें कितना संघर्ष करना पड़ा है।अशनीर ग्रोवर ने अपने घर को कई खूबसूरत तरीके से सजाया है।आइए जानते हैं अशनीर ग्रोवर के इस घर में क्या—क्या खास चीजें और कितनी महंगी हैं।शार्क टैंक इंडिया के पूर्व जज कितनी लग्जरी लाइफ जीते हैं, जिसका अंदाजा आप सिर्फ एक टेबल से लगा सकते हैं।इनके घर पर खाने को टेबल 10 करोड़ रुपये का है।ये टेबल हाथी के दांत के बने हुए हैं।अशनीर ग्रोवर बताते हैं कि कैसे उन्हें इस टेबल को लाने के लिए समस्याओं का सामना करना पड़ा है।इनके घर पर 100 से 150 शराब की बोतलें भी रखी

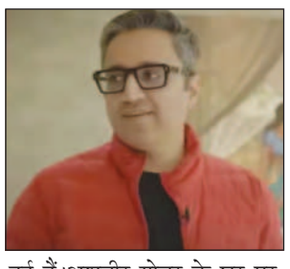

हुई हैं।अशनीर ग्रोवर के घर पर सोने की परत वाले कोस्टर हैं, जो उनके घर की शान बढ़ा रहे हैं।ब्रूट इंडिया को दिए अपने एक इंटव्यू में अशनीर ग्रोवर के घर की लग्जरी चीजें दिखीं, जिसमें एक बड़ा कोरिडोर, एक शानदार किचन, बच्चों के लिए रूम, कई देशों से लाई गई मैंगनेट आदि चीजें थीं।इस घर में अशनीर ग्रोवर की एक मुर्ति भी है, जो शार्क टैंक के सीजन वन के समाप्त होने पर दी गई थी।अशनीर ग्रोवर के पास कई लग्जरी कारों का कलेक्शन है।अशनीर ग्रोवर और उनकी पत्नी माधुरी जैन इन कारों का इस्तेमाल कुछ दिनों के अंतराल पर करते हैं।

हरे निशान पर बंद होने में सफल रहा बाजार, सेंसेक्स 60978 पर

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन भारती उतार चढ़ाव के बाद बाजार सपाट ढंग से बंद हुआ। मंगलवार के कारोबारी सेशन के बाद सेंसेक्स 37.08 अंकों की बढ़त के साथ 60,978.75 अंकों पर जबकि निफ्टी 18,118.30 के लेवल पर बंद हुआ। बैंक निफ्टी 88 अंकों की गिरावट के साथ 42733 पर बंद हुआ। इस दौरान घरेलू शेयर बाजार में टाटा मोटर्स और मारुति सुजूकी के शेयरों में 3.25% की शानदार मजबूती दिखी। मारुति सुजुकी के तिमाही नतीजों में मुनाफा 130 फीसदी तक बढ़ गया है। इससे कंपनी के शेयरों को मजबूती मिली। वहीं दूसरी ओर तिमाही परिणामों के बाद एक्सिस बैंक के शेयरों में 2.5% की गिरावट दिखी। पावरग्रिड और एलएंडटी के शेयर भी कमजोरी के साथ बंद हुए। वहीं, डॉलर के मुकाबले रुपए में 33 पैसे की गिरावट दर्ज की गई और यह 81.72 रुपये के लेवल पर बंद हुआ।

सोने ने फिर ऑल टाइम हाई:57 हजार 362 रुपए पर पहुंचा

साल के आखिर तक 64 हजार रुपए तक जा सकती है कीमत

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। साल के पहले महीने यानी जनवरी में सोने की चमक लगातार बढ़ रही है, और इसी का नतीजा है की ये लगातार कीमत के कीर्तिमान बना रहा है। आज मंगलवार को सोने ने फिर नया ऑल टाइम हाई बनाया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, 24 जनवरी को सर्राफा बाजार में सोना 312 रुपए महंगा होकर 57 हजार 362 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले 20 जनवरी को सोने ने पिछला हाई बनाया था, जो 57 हजार 50 रुपए था।

जनवरी में अब तक 2400 रुपए से ज्यादा महंगा हुआ सोना

जनवरी महीने में अब तक सोना 2,427 रुपए महंगा हो चुका है। इस महीने की शुरुआत में ये 54 हजार 935 रुपए पर था, जो अब 57 हजार 362 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। आने वाले दिनों में 64 हजार तक जा सकता है।

चांदी में आज गिरावट

चांदी की बात करें तो इसकी कीमत में भी आज गिरावट देखने को मिली है। सर्राफा बाजार में ये 267 रुपए कमजोर होकर 68 हजार 6 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। 23 जनवरी को ये 68 हजार 273 हजार पर थी।

2023 में 64,000 रुपए तक जा सकता है सोने का दाम

आर्थिक अनिश्चितता के बीच भारतीय रिजर्व बैंक जैसे दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों

ने सोने का भंडार बढ़ाया है। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक, केंद्रीय बैंकों की तरफ सोने की खरीदारी बढ़ना सकारात्मक संकेत है। इससे सोने की कीमतों को सपोर्ट मिलेगा। अजय केडिया ने कहा कि 2023 में सोना 64,000 रुपए तक पहुंच सकता है।

जेवर खरीदने में दुनिया में दूसरे नंबर पर भारतीय

चीन (673 टन) के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा सोने के जेवर भारत (611 टन) में ही खरीदे जाते हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की ताजा रिपोर्ट में ये आंकड़े सामने आए हैं। इसके मुताबिक, भारत में जेवरातों की बिक्री में सबसे ज्यादा 60% हिस्सेदारी चूड़ियों और चेन की है। इस लिस्ट में नेकलेस भले ही 15-20% के साथ पीछे हो, लेकिन वजन के मामले में यह सबसे आगे है। चूड़ियों और चेन का वजन अधिकांश 10 से 15 ग्राम रहता है, वहीं ज्यादातर नेकलेस 30 से 60 ग्राम के होते हैं। औसतन 3 से 7 ग्राम तक में बनने वाली ईयरिंग्स और अंगूठियों की बाजार हिस्सेदारी 10-20% है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को भरना होगा 100 करोड़ रुपये का जुर्माना

सीईओ का वेतन रोकने का आदेश किया खारिज

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) को को-लोकेशन मामले में बड़ी राहत दी है। इसने 625 करोड़ रुपये की वसूली का आदेश पलटते हुए कहा कि अब एनएसई को केवल 100 करोड़ का ही जुर्माना भरना होगा। सैट ने कहा, एनएसई ने कोई अवैध लाभ नहीं कमाया है। ट्रिब्यूनल ने इसके साथ ही सेबी को ब्रोकरों के सांठगांठ की जांच का आदेश दिया है। एनएसई के सीईओ और चेयरमैन का वेतन रोकने का आदेश भी खारिज कर दिया है। मुंबई। मारुति सुजुकी ने एसयूवी ग्रांड विटारा की 11,177 इकाइयां वापस मंगाई है। कंपनी ने सोमवार को कहा, प्रभावित इकाइयों का विनिर्माण 8 अगस्त से 15 नवंबर, 2022 के बीच हुआ था। आशंका है कि इन इकाइयों के पिछली सीट बेल्ट के ब्रैकेट आगे चलकर ढीले हो सकते हैं। इस बारे में कंपनी वाहन मालिकों को अधिकृत डीलर वर्कशॉप पर लाने की सूचना देगी। वहां प्रभावित हिस्से को निशुल्क बदला जाएगा।

एटम बम का ऐलान किया फिर प्लेन क्रैश

होमी भाभा समेत 117 लोग आज तक नहीं मिले, हादसा या अमेरिकी साजिश?

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 1965 की बात है। ऑल इंडिया रेडियो पर डॉ. होमी जहांगीर भाभा ने एक इंटरव्यू दिया। इस इंटरव्यू में उन्होंने एक ऐसी घोषणा की, जिसने दुनिया के बड़े-बड़े मुल्कों को चौंका दिया। भाभा ने कहा, 'अगर मुझे छूट मिले, तो मैं 18 महीने में भारत के लिए एटम बम बनाकर दिखा सकता हूं।' इस इंटरव्यू के 3 महीने बाद 24 जनवरी 1966 को एअर इंडिया के बोइंग 707 विमान ने मुंबई से लंदन के लिए उड़ान भरी, लेकिन यह पहुंच नहीं सका। यूरोप के आल्प्स माउंटेन रेंज में यह विमान क्रैश हो गया। हादसे में 117 लोगों की जान गई। इनमें भारत के न्यूक्लियर प्रोग्राम के जनक वैज्ञानिक डॉक्टर होमी जहांगीर भाभा भी थे। आज उनकी 56वीं बरसी पर जानेंगे कि भारत के लिए कितने अहम थे होमी भाभा, कैसे हुआ उनका प्लेन हादसा और क्या इसके पीछे अमेरिकी खुफिया एजेंसी की साजिश थी?

न्यूक्लियर प्रोग्राम के जनक थे होमी भाभा

होमी भाभा 1909 में एक अमीर पारसी परिवार में पैदा हुए। 1927 में कैमब्रिज यूनिवर्सिटी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। इसके बाद एटॉमिक फिजिक्स में काम शुरू कर दिया। 1939 में वो इंग्लैंड छोड़कर भारत लौट आए। उनका भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से करीबी रिश्ता था। नेहरू को बस दो लोग भाई कहते थे। एक थे जयप्रकाश नारायण और दूसरे होमी भाभा। होमी भाभा ने अपने सभी पत्रों में नेहरू को माई डियर भाई कहकर संबोधित किया है। इंदिरा गांधी ने संसद में दिए अपने एक भाषण में इस बात का जिक्र किया है कि नेहरू को भाभा अक्सर देर रात में फोन करते थे और नेहरू हमेशा उनसे बात करने के लिए समय निकालते थे। होमी भाभा ने भारत के परमाणु कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की। देश के आजादी के तुरंत बाद साल 1948 में उन्होंने परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना की और इसी साल नेहरू ने उन्हें परमाणु कार्यक्रमों का निदेशक बना दिया। 1955 में उन्होंने परमाणु कार्यक्रमों पर आधारित यूनाइटेड नेशन की उस सभा की अध्यक्षता की जिसमें 73 देशों के 1,428 प्रतिनिधि मौजूद थे।

1962 में चीन-भारत युद्ध हुआ और भारत की हार के बाद परमाणु हथियारों को लेकर होमी भाभा ने सार्वजनिक रूप से काम तेज कर दिया। सरकार ने भी सपोर्ट किया और परमाणु रिएक्टरों से उत्पन्न बिजली को तीसरी पंचवर्षीय योजना (1961-1966) में शामिल कर लिया। 1963 में राजस्थान में भारत का पहला न्यूक्लियर पावर प्लांट लगाने के अंतर्राष्ट्रीय समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इन समझौतों में कई कठोर नियम थे जिससे यह सुनिश्चित किया गया कि इनका प्रयोग युद्ध और सेना के अन्य कार्यक्रमों में नहीं किया जाएगा।

होमी भाभा जल्द ही भारत को अमेरिका, सोवियत यूनियन, चीन की लीग में खड़ा कर देते, लेकिन 24 जनवरी की मनहूस तारीख को प्लेन क्रैश में भाभा का निधन हो गया।

24 जनवरी 1966, दुर्घटना वाले दिन एअर इंडिया की कंचनजंघा नाम की फ्लाइट मुंबई से 11 क्रू और 106 पैसेंजर्स को लेकर सुबह 8:02 बजे लंदन के लिए उड़ी। ये फ्लाइट अपने तीसरे स्टॉपेज जेनेवा में उतरने वाली थी। मुंबई से दिल्ली, दिल्ली से बेरूत और बेरूत से जेनेवा होते हुए लंदन जाने वाली ये फ्लाइट उतरने से ठीक पहले इटली और फ्रांस के सीमा पर स्थित मोंट ब्लांक की बर्फीली पहाड़ियों से टकरा गई। रेस्क्यू टीम पहुंची तो विमान का नामों निशान मिट चुका था। पता चला कि प्लेन का मलबा ग्लेशियर में धंस चुका है। वहां सिर्फ कुछ डेली यूज के सामान और चिट्ठियां वगैरह मिलीं। न ब्लैक बॉक्स मिला न ही पूरी तरह से मलबे का पता लग सका। मौसम खराब था तो फ्रांस के अधिकारियों ने रेस्क्यू ऑपरेशन रोक दिया।

सितंबर 1966 में जांच फिर से शुरू की गई, लेकिन कुछ नहीं मिला। फ्रांस सरकार ने रिपोर्ट बनाई कि बेरूत से उड़ते वक्त ही विमान के एक उपकरण में खराबी थी। जांच के दौरान जेनेवा कंट्रोल रूम को बताया गया कि

डॉ. होमी जहांगीर भाभा सहित 117 लोग आज तक नहीं मिले

लैंडिग के वक्त जिस उपकरण की मदद से (वेरी हाई फ्रिक्वेंसी ऑमिनी रेंज वीओआर) जमीन की दूरी नापी जाती है, वो खराब था। कंट्रोल रूम को पायलट ने अपनी ऊंचाई 19000 फीट बताई थी। यानी मोंट ब्लांक पहाड़ी से 3000 फीट की ऊंचाई पर। कंट्रोल रूम ने रडार की हेल्प से पायलट को विमान का पोजिशन क्लियर किया और उसे उतरने के लिए कहा।

जांच अधिकारियों ने कहा कि यहां पायलट ने एक गलती कर दी थी। उसे लगा कि उसने ग्लेशियर की सबसे ऊंची पहाड़ी मोंट ब्लांक क्रॉस कर ली है, जबकि ऐसा नहीं था और लैंडिंग के वक्त आलप्स की पहाड़ियों में विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस थ्योरी पर भरोसा कम था, लेकिन चूंकि सरकारी निष्कर्ष यही था तो इसे माना जाता रहा। फ्रांसीसी तर्क को भारत सरकार द्वारा भी स्वीकार कर लिया गया। इस थ्योरी को सबसे पहले नकारा फ्रांस की सरकारी न्यूज एजेंसी ओआरटीएफ के एडिटर फिलीपे रेयाल ने। उन्होंने ग्लेशियर वाले दुर्घटनास्थल पर अपने कैमरा मैन और रिपोर्टर्स भेजे। इसके बाद 1843 नाम की मैगजीन में एक रिपोर्ट छपी। रिपोर्ट में कहा गया कि फिलीपे को वहां दो सबूत मिले हैं। वहां एक प्लेन का टुकड़ा मिला जिस पर जून 1960 लिखा था, जबकि एअर इंडिया की जो प्लेन दुर्घटनाग्रस्त हुई थी वो 1961 में बना था।

इसके अलावा प्लेन के सामने के हिस्से का पीले रंग का टुकड़ा भी मिला जो एअर इंडिया के प्लेन का नहीं था। इसके बाद फिलीपे की टीम ने मोंट ब्लांक पर जाकर और तहकीकात करने का फैसला किया, लेकिन फ्रांस सरकार के एक मंत्री ने न्यूज एजेंसी ओआरटीएफ की टीम को वापस बुला लिया।

मामला लगभग शांत हो ही रहा था और टीम वापस लौट ही रही थी कि टीम के एक मेंबर ने अपना पक्ष सबके सामने रख दिया। उसने कहा कि एअर इंडिया की फ्लाइट पहाड़ी से नहीं टकराई थी, बल्कि एक दूसरे विमान से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। इस थ्योरी को बल तब मिल गया जब टीम के लौटते ही उनकी खोज में मिली चीजों को सरकार ने अपने कब्जे में ले लिया। साल 2008 में सीआईए के एजेंट रॉबर्ट क्रॉली और अमेरिकी पत्रकार ग्रेगरी डगलस के बीच कथित बातचीत पर एक किताब प्रकाशित हुई।

कन्वर्सेशन विद द क्रो नाम की इस किताब के मुताबिक भारत जैसे देश के परमाणु हथियार बनाने का ऐलान करने के बाद अमेरिका परेशान था। साल 1945 से ही अमेरिका परमाणु हथियार से लैस इकलौता देश बना हुआ था। 1964 में सोवियत संघ और चीन दोनों ने परमाणु परीक्षण किया और फिर साल 1965 में होमी भाभा ने ऑल इंडिया रेडियो को एक इंटरव्यू दिया। जिसमें उन्होंने कहा कि भारत 18 महीने के अंदर परमाणु हथियार बना लेगा। इस इंटरव्यू के तीन महीने बाद ही प्लेन क्रैश में होमी भाभा की जान चली गई। इससे पहले लाल बहादुर शास्त्री ने चीन-भारत युद्ध के बाद की स्थिति से निपटते हुए परमाणु हथियार के ऐक्सपैरिमेंट को और तेज करने की स्वीकृति प्रदान कर दी थी। इस किताब में शास्त्री जी की मृत्यु के लिए भी सीआईए को ही जिम्मेदार बताया गया है। सीआईए एजेंट ने होमी भाभा का जिक्र करते हुए कहा, तुम मेरी बात मानो, वो (होमी भाभा) बहुत खतरनाक था। हमारे लिए और अधिक परेशानी खड़ी करने के लिए विएना जा रहा था और उसके बोइंग 707 के कार्गो होल्ड में बम फट गया।'

फिर 2017 में एक शख्स ने नई थ्योरी दी

डेनियल रौश फ्रांस के पुराने बिजनेसमैन और स्पोर्ट्समैन थे। उन्हें विमान हादसों में बहुत इंट्रेस्ट रहता था। उन्हें जब इस विमान हादसे के बारे में मालूम चला तो उन्होंने खोज शुरू की। साल 2017 में उन्हें आल्प्स की पहाड़ियों पर एक विमान के अवशेष मिले। इसके बाद बारी बारी से उन्हें सीट बेल्ट, कॉकपिट का हिस्सा, एक फ्लेयर पिस्टल, कागजातों से भरा बैग, कैमरा वगैरह मिला। साल 2018 में उन्हें फ्लाइट 101 का जेट इंजन मिला। उसके बाद उन्होंने भी किसी दूसरे विमान से टक्कर की थ्योरी पर जोर दिया। कहा, 'अगर एअर इंडिया की फ्लाइट पहाड़ी से टकराकर गिरी होती तो बहुत तेज आग लगती और विस्फोट होता, क्योंकि प्लेन में 41,000 टन फ्यूल था। मेरे हिसाब से एअर इंडिया के प्लेन की टक्कर इटली के किसी विमान से हो गई थी। चूंकि ऊंचाई ज्यादा थी, ऑक्सीजन कम था तो आग नहीं लगी।' होमी भाभा के बारे में रौश ने कहा, 'विमान हादसा उनकी मौत के लिए कोई साजिश थी या नहीं इसका अंदाजा नहीं है, लेकिन चूंकि वो भारत को पहला परमाणु हथियार देने वाले थे, इसलिए भारत सरकार चाहे तो मैं वहां से प्राप्त भारतीय यात्रियों के दस्तावेज उन्हें दे सकता हूं। मेरी जिम्मेदारी है कि मैं सबूतों के आधार पर दुनिया को सच बताऊं।'

रौश ने फ्रांस के अधिकारियों पर आरोप भी लगाया कि उन्हें रोकने की बार-बार कोशिश की गई। रौश ने दूसरे प्लेन का नाम भी बता दिया। एफ-104जी स्टार फाइटर जेट। रौश का कहना है, '1960 के आसपास इटली वाले फ्रांस की सेना की जासूसी के लिए स्टार फाइटर प्लेन की मदद लेते थे। इसमें फ्रांस की नजर से बचने के लिए ट्रांसपोंडर हटा देते थे।'

ट्रांसपोंडर की मदद से एक विमान दूसरे को रेडियो सिग्नल भेजते हैं जिससे पायलट एयर ट्रैफिक या दूसरे विमान की स्थिति का अंदाजा लगाता है। रैश की थ्योरी के मुताबिक स्टार फाइटर जेट में ट्रांसपोंडर नहीं था जिसके चलते वो एअर इंडिया के 'कंचनजंघा' से भिड़ गया। रैश कहते हैं कि चूंकि ये मामला सेना से जुड़ा हुआ था, इसलिए इसे वहीं दबा दिया गया।

भाई से हुआ विवाद गाड़ियों पर निकाली भड़ास

युवक ने तेज रफ्तार स्कॉर्पियो से बाइक, साइकिल और कार को मारी टक्कर, डॉगी को भी रौंदा

कोरबा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। कोरबा जिले के ग्राम खम्हरिया में एक युवक ने जमकर उत्पात मचाया। उसने अपनी स्कॉर्पियो से 2 बाइक, एक साइकिल और एक चारपहिया वाहन के साथ ही एक मकान को भी जोरदार टक्कर मार दी। इससे मकान क्षतिग्रस्त हो गया है। युवक का गांव में ही रहने वाले चचेरे भाई के साथ विवाद हुआ था, जिसके बाद उसने घटना को अंजाम दिया। ग्रामीणों की शिकायत पर पुलिस ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मामला हरदीबाजार थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम खम्हरिया में रहने वाले सुनील केवट का अपने चचेरे भाई वीरेंद्र केवट के साथ कोई पुराना विवाद था, जिसे लेकर रविवार को पहले तो दोनों के बीच बहस हुई, फिर मामला बढ़ते-बढ़ते गालीगलौज तक पहुंच गया। इसके बाद देर रात फिल्मी स्टाइल में सुनील अपनी स्कॉर्पियो पर चढ़ा और तेज रफ्तार से एक के बाद एक 2 बाइक, एक साइकिल और चचेरे भाई वीरेंद्र की एक चारपहिया वाहन को टक्कर मार दी।

इससे सभी गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। इसके बाद उसने एक अपनी गाड़ी से एक घर को भी जोरदार टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर लिया। वहीं एक कुत्ते पर भी अपनी गाड़ी आरोपी ने चढ़ा दी,

जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी सुनील ने खुद अपनी स्कॉर्पियो को आग के हवाले कर दिया।

इधर इस घटना का विरोध करने की हिम्मत किसी गांववाले ने नहीं की। सभी खिड़की से पूरी घटना को केवल देखते रहे। कुछ लोगों ने घटना का वीडियो भी बना लिया। वहीं दोनों पक्ष यानी सुनील केवट और उसके चचेरे भाई वीरेंद्र के बीच हो रही गालीगलौज की घटना को भी कुछ लोगों ने अपने मोबाइल में कैद कर लिया।

घटना के बाद गांववाले हरदीबाजार थाने पहुंचे और वहां घटना की जानकारी दी। इस मामले में जिन लोगों की बाइक और साइकिल क्षतिग्रस्त हुई है, उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। वहीं सुनील और वीरेंद्र केवट ने भी एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने सभी की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। थाना प्रभारी मयंक मिश्रा ने बताया कि जांच के बाद आरोपियों पर कार्रवाई की जाएगी।

पिछले साल नवंबर के महीने में बिलासपुर जिले के तिफरा स्थित होंडा कंपनी के शोरूम और वर्कशॉप में एक्टिवा की सर्विसिंग में देर होने पर युवक भड़क गया था। उसने अपनी गाड़ी को एजेंसी के सामने खड़ा किया और पेट्रोल छिड़ककर उसमें आग लगा दी थी। घटना से हड़कंप मच गया था। एजेंसी संचालक ने पुलिस को घटना की सूचना दी थी। जिस पर सिविल लाइन पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया था।

राजीव गांधी चौके के पास रहने वाला नितिन लाल शनिवार को अपनी एक्टिवा को सुधरवाने के लिए तिफरा स्थित होंडा एजेंसी आया था। उसकी गाड़ी की सर्विसिंग में देर हो रही थी, इससे युवक नाराज हो गया। उसने अपनी एक्टिवा को एजेंसी के सामने खड़ा किया और पेट्रोल छिड़कर आग लगा दी थी।

दिसंबर 2022 में भिलाई से भी ऐसी ही घटना सामने आई थी, जिसमें सपना टॉकीज के पास नंदिनी रोड पावर हाउस निवासी एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की स्कूटी पर पेट्रोल छिड़ककर उसे आग लगा दी थी।

आरोपी का अपनी पत्नी से विवाद चल रहा था, जिसके बाद उसने इस घटना को अंजाम दिया था। पत्नी विवाद के चलते किराये पर दूसरी जगह रहती थी। आरोपी ने अपनी पत्नी को साथ में रायपुर चलने के लिए कहा था। उसने साथ में चलने से इनकार किया, तो आरोपी ने उसकी स्कूटी में आग लगा दी थी। एक अन्य घटना में दो बदमाशों ने घर के बाहर खड़ी एक बाइक को भी आग लगा दी थी।

कोच कृपा शंकर ने बताया कुश्ती खिलाड़ियों का दर्द

अर्जुन अवॉर्डी बोले, बार-बार टूटती है कान की हड्डी, खेल को समझने आमिर ने छोड़ी थी शराब

रायपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। ये कुश्ती नही आसां, दर्द का दरिया है और डूब कर जाना है। एक कुश्ती के खिलाड़ी को आम आदमी हारते-जीतते देखता है। मगर इसके पीछे की जो जिंदगी होती है उसकी मुश्किलें सामने नहीं आ पातीं। इन दिनों कुश्ती के खिलाड़ी शोषण के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, आंदोलन कर रहे हैं। इस बीच कोच कृपा शंकर पटेल ने बताया कि एक कुश्ती खिलाड़ी को क्या कुछ सहना पड़ता है। कृपा को अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है ये फिल्म दंगल में आमिर खान और फिल्म की एक्ट्रेसेस को ट्रेन कर चुके हैं। इंटरनेशनल कोच कृपा शंकर गीता-बबीता जैसे मशहूर कुश्ती खिलाड़ियों को ट्रेनिंग दे चुके हैं। उन्होंने बताया कि फिजिकल ट्रेनिंग तो होती ही है। खिलाड़ी दर्द से गुजरते हैं। कुश्ती के इस खेल में शरीर बुरी तरह से तोड़ा, मरोड़ा जाता है। ट्रेनिंग और खेलने के बाद इतना दर्द होता है कि समझ नहीं आता कहीं चोट लगी है या थकान का दर्द है। फिल्म दंगल की ट्रेनिंग में मैं एक्ट्रेसेस फतिमा को मूव्स सिखाया करता था तो उनका और बुरा हाल होता था क्योंकि वो खिलाड़ी नहीं थे। कुश्ती के दर्द को ऐसे समझिए कि जैसे हजारों लठ आपके पूरे शरीर पर किसी ने मारे हों। ये सहकर खिलाड़ी मजबूत बनता है लाखों

बार दर्द सहता है।

चोट खिलाड़ियों का गहना है

कृपा शंकर ने बताया उनके कान टूट गए, उंगली टूट गई। कुश्ती में खिलाड़ियों को चोट लगती ही है। कोई ऐसा खिलाड़ी नहीं हो सकता जो नेशनल या इंटरनेशनल मैडल लाए और उसे चोट न लगे। योगेश्वर दत्त ने दो बार ओलिंपिक्स मैडल जीते दो बार सर्जरी करवाई है घुटने की। चोट, इस खेल में खिलाड़ियों का गहना है। कोई खिलाड़ी इस प्रसाद से बचा नहीं है।

क्यों टूट जाते हैं पहलवानों के कान

अक्सर देखा जाता है कि कुश्ती के पहलवानों के कान का आकार बदला हुआ होता है। आम लोगों के मुकाबले पहलवानों के कान सपाट से बाहर की तरफ उभरे होते हैं। कृपा शंकर बताते हैं कि ऐसा कान की नसें टूटने की वजह से होता है। जब बार-बार पहलवानों को खेल के दौरान दूसरा खिलाड़ी पूरा दम लगाकर उनकी गर्दन मरोड़ता है, सिर को पकड़ता है दबोचता है तो कान, बार-बार रगड़ खाते हैं, दबते हैं बुरी तरह मुड़ते हैं। इससे कान की नसें टूटती हैं, खून जमता है। वहां मक्खी भी बैठ जाए तो असहनीय दर्द होता है। बार-बार प्रैक्टिस में कान इसी तरह से बदल जाते हैं।

फिल्म दंगल में एक्टर्स ने किसी प्रोफेशनल की तरह कुश्ती स्क्रीन पर दिखाई। ये मुमकिन हो पाया था कृपा शंकर की ट्रेनिंग की वजह से। कृपा ने दंगल के सेट्स पर ट्रेनिंग के किस्सों को याद करते हुए बड़ी बात बताई। उन्होंने कहा कि कुश्ती को समझने और एक पहलवान की जिंदगी जीने के लिए आमिर खान को सिगरेट शराब छोड़नी पड़ी थी।

कृपा ने बताया कि फिल्म की एक्ट्रेसेस ट्रेनिंग से परेशान हो चुकी थीं। वो बुरी तरह से थक जाया करती थीं। मेरे लिए भी नई बात थी क्योंकि अब तक मैं नेशनल खिलाड़ियों को सिखा रहा था जो हट्टे-कट्टे थे। फिल्म वाली लड़कियां छुई-मुई सी थीं, हाथ लगाया नहीं कि उई मां कह दें। ट्रेनिंग में उन्हें तकलीफ हुई मगर मैंने उन्हें मजबूत बनाया उन्होंने भी हौसला दिखाते हुए ट्रेनिंग को सीरियसली लिया। एक बार एक्ट्रेस फातिमा सना से कुछ कुश्ती के मूव्स हो नहीं रहे थे, उनके मुंह से अपशब्द भी निकल गए। मैंने ये सहन नहीं किया, कुश्ती का अनुशासन होता है गुरु शिष्य परंपरा होती है। मेरी आपत्ति के बाद उन्होंने अपशब्द कहने बंद किए।

कृपा कहते हैं- दंगल फिल्म के वक्त टफ ट्रेनिंग की वजह से आमिर खान भी परेशान हो उठते थे। सिगरेट शराब का सेवन कर लिया करते थे तनाव में। एक दिन वो पीकर कुश्ती के मैट पर आ गए। मैंने उन्हें टोका। मैंने कहा कि आप महावीर फोगाट के जीवन का किरदार कर रहे हैं।

बाबूलाल मरांडी के दलबदल के मामले में आया फैसला

हाईकोर्ट ने बाबूलाल मरांडी की याचिका की रद्द, पांच जनवरी को सुनवाई के बाद सुरक्षित रखा था फैसला

रांची, 24 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी की ओर से दायर रिट याचिका पर आज झारखंड हाइकोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। जस्टिस राजेश शंकर ने फैसला सुरक्षित रखा था। आज उन्होंने फैसला सुनाते हुए बाबूलाल मरांडी की याचिका को खारित कर दिया है। इस मामले में सुनवाई पांच जनवरी को ही पूरी हो गयी थी। दोनों पक्षों की ओर से बहस पूरी होने के बाद अदालत ने इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब अदालत के फैसले पर बाबूलाल मरांडा की भविष्य टिका है। बाबूलाल मरांडी की ओर से वरीय अधिवक्ता बीपी सिंह, अभय मिश्रा और विनोद साहू ने पक्ष रखा। विधानसभा की तरफ से अधिवक्ता अनिल कुमार और दीपिका पांडे की तरफ से अधिवक्ता सुमित गड़ोडिया ने बहस की ही। पूर्व की सुनवाई में झारखंड विधानसभा की ओर से सुप्रीम कोर्ट व अन्य हाइकोर्ट के जजमेंट को प्रस्तुत किया गया था। कहा गया कि स्पीकर के न्यायाधिकरण में जब तक कोई आदेश बाबूलाल मरांडी के मामले में न हो जाये तब तक झारखंड हाई कोर्ट इस रिट को नहीं सुन सकता है। यह याचिका मेंटेनेबल नहीं है, इसलिए इसे खारिज कर देना चाहिए। संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत स्पीकर का न्यायाधिकरण किसी विधायक को डिसक्वालीफाई करने के निर्णय लेने में सक्षम है। हाइकोर्ट इसमें इंटरफेयर नहीं कर सकता है। यह भी कहा गया था कि किसी राजनीतिक दल का विलय करना या न करना यह विधानसभा अध्यक्ष के अधिकार क्षेत्र में आता है।

'छत्तीसगढ़ में बीजेपी फैला रही दंगा'

सीएम भूपेश बोले-इसी में मास्टरी है इनकी इसलिए रासुका का विरोध किया, छटपटा रहे हैं

रायपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया है। भाजपा पर उन्होंने प्रदेश की शांति भंग करने और हिंसा भड़काने की साजिश करने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री मंगलवार की दोपहर भोपाल रवाना होने से ठीक पहले एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ की भारतीय जनता पार्टी को लेकर बड़ा बयान दिया।

मुख्यमंत्री ने भाजपा को लेकर कहा- इनके पास कुछ नहीं है, धर्मांतरण, साम्प्रदायिकता, दंगा फैलाना बस। युवा मोर्चा की रैली में पुलिस से मारपीट की गई। नारायणपुर में हुई घटना में भाजपा और आरएसएस के लोग जेल में हैं। ये लोग दंगा फैलाने का काम कर रहे हैं । इसी में मास्टरी है इनकी। इसी कारण रासुका का

विरोध कर हरे थे। छटपटा रहे हैं, उनके पांव उखड़ गए हैं छत्तीसगढ़ से, जनता ने नकार दिया है तो इसी ताक में हैं, कैसे पांव जमाएं।

एक दिन पहले सोमवार को भी मुख्यमंत्री ने भाजपा के हिंसा पर बयान दिया था। उन्होंने कहा था- भाजपा ने आदिवासी के हित में कोई फैसला नहीं किया। ऊपर से जमीन छीनने में भी कोई कसर नहीं छोड़े, और कानून बना रहे थे जमीन हासिल करने के लिए, लेकिन हमने उसे पलटा। आदिवासियों की जमीन बड़े कॉर्पोरेट को देने की तैयारी थी। किसी आदिवासी को भाजपा ने अपने वक्त में पट्टा नहीं दिया। अब मुद्दा बचा नहीं है। नक्सली हमारी नीति के कारण पीछे चले गए। अब वहां हिंसा फैलाने के लिए तरह तरह के षडयंत्र कर रहे हैं भाजपा के लोग । मंगलवार को मीडिया से चर्चा में भूपेश बघेल ने ये भी कहा था कि कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर भारत जोड़ो अभियान और हाथ से हाथ जोड़ो अभियान चला रही है, भाजपा के पास में इसका कोई तोड़ नहीं है इसलिए वे बौखलाए हुए हैं। भाजपा लगातार कह रही है कि धान खरीदी के लिए रुपए केंद्र सरकार देती है। इसलिए मुख्यमंत्री को पीएम मोदी का शुक्रिया कहना चाहिए। इसके पलटवार में भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा की जब यहां सरकार थी, तब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, तब भाजपा के लोगों ने उनका धन्यवाद दिया था क्या, तो दूसरों से क्यों उम्मीद कर रहे हैं।

नक्सलियों ने कई इलाकों में बिछा रखा है बम

आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आया युवक चाचा के साथ जा रहा था बाजार, चाईबासा रेफर

पश्चिमी सिंहभूम, 24 जनवरी (एजेंसियां)। नक्सलियों ने पश्चिम सिंहभूम जिले के कई जंगली इलाकों में लैंड माइंस बिछा रखा है। इस जिले के गोइलकेरा प्रखंड अंतर्गत कुरकुटिया गांव में आईडी ब्लास्ट की चपेट में आ गया। गंभीर हालत में उसे चाईबासा रेफर किया गया है। युवक को पैर में, हाथ में कई चोट आयी है हालांकि उसकी हालत खतरे से बाहर बतायी जा रही है। गोइलकेरा प्रखंड के हाराहासा पंचायत के कटम्पा वन ग्राम का रहने वाला माटा अंगरिया उस वक्त इस धमाके की चपेट में आया जब वह अपने चाचा के साथ बाजार जा रहा था। गोइलकेरा बाजार जाने के रास्ते में ही कुरकुटिया गांव पड़ता है। इसी रास्ते पर नक्सलियों ने आईडी लगा रखा था। सुरक्षा बलों के द्वारा चलाये जा रहे सर्च अभियान से बचने के लिए नक्सलियों ने कई जगहों पर बम बिछा रखा है। पहले भी पश्चिम सिंहभूम के इन इलाकों में सर्च अभियान के दौरान सुरक्षा बल आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आये हैं। जैसे ही इस धमाका हुआ घायल युवक को तुरंत गोइलकेरा पुलिस के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। उसकी हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उसे चाईबासा रेफर कर दिया है। चाईबासा में उसका इलाज चल रहा है हालांकि स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार किया गया है। घायल युवक के साथ उसके चाचा चोकरो अंगरिया ने बताया कि हम बाजार जा रहे थे तभी तभी कुरकुटिया गांव के पास नक्सलियों द्वारा लगाया गया आईडी ब्लास्ट के चपेट में मेरे भतीजा आ गया। अभी उसकी हालत खतरे से बाहर है। इस धमाके के बाद सुरक्षा बल सतर्क हो गये हैं। साथ ही स्थानीय लोगों से भी अपील की जा रही है कि वह बेवजह जंगली इलाकों में ना जाएं।

देश-दुनिया में कोरोना का खतरा

जापान में 23 दिन में 8 हजार से ज्यादा मौतें, मरने वालों में 97% बुजुर्ग

टोक्यो, 24 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया के कई हिस्सों में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इनमें चीन, जापान, रूस, साउथ कोरिया, फ्रांस और अमेरिका जैसे देश शामिल हैं। जापान में इस महीने कोरोना से अब तक 8 हजार 103 मरीजों की जान गई। हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक, यह एक माह में होने वाली मौतों का नया रिकॉर्ड है। मरने वालों में 97% लोग ऐसे हैं, जिनकी उम्र 60 साल से ज्यादा है।

इधर, भारत में सोमवार को 94 नए मामले सामने आए। हेल्थ मिनिस्ट्री के आंकड़ों के मुताबिक, देश में अभी एक हजार 934 एक्टिव केस हैं। कोरोना के शुरुआती दौर से अब तक देश में 5 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

स्वदेशी वैक्सीन निर्माता भारत बायोटेक 26 जनवरी को भारत में अपनी तरह की पहली इंट्रानेजल कोविड-19 वैक्सीन इनकोवैक लॉन्च करेगी। दिसंबर में भारत बायोटेक ने घोषणा की थी कि वह इंट्रानेजल वैक्सीन को सरकार द्वारा खरीद के लिए 325 रुपए प्रति शॉट और निजी वैक्सीन सेंटर्स के लिए 800 रुपए प्रति शॉट के हिसाब से बेचेगी।

दुनिया में कोरोना की स्थिति

जापान: 12 दिन में 5 हजार मौतें

जापान में कोरोना से होने वाली मौतों के सारे रिकॉर्ड टूट गए हैं। हेल्थ मिनिस्ट्री के अनुसार, यहां 12 दिन में 5 हजार मरीजों की मौत हुई है। यहां दिसंबर से ही कोरोना से मरने वालों में इजाफा हो रहा है। इसका जिम्मेदार देश में आई 8वीं लहर को बताया जा रहा है। जापान में कोरोना से अब तक 65,400 मौतें हो चुकी हैं। पिछले 24 घंटे में 32 हजार 571 नए मामले सामने आए हैं।

चीन: लूनर न्यू ईयर के लिए प्रतिबंध खत्म

चीन में लूनर न्यू ईयर के जश्न के बीच कोरोना से हालात बदतर हो गए हैं। इसके बावजूद चीन की सरकार ने ज्यादातर प्रतिबंधों को खत्म कर दिया है। बीजिंग के लामा टेंपल में 53 हजार लोगों की भीड़ इकट्ठा हुई। हालांकि, एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक यह संख्या महामारी के पहले के मुकाबले कम है।

हाल ही में चीन की हेल्थ एजेंसी ने बताया कि जीरो-कोविड

पॉलिसी खत्म होने के बाद देश की 80% आबादी कोरोना से संक्रमित हो गई है। इसका मतलब कि 110 करोड़ चीनियों को वायरस ने अपनी चपेट में ले लिया है। चीन के ग्रामीण इलाकों में भी कोरोना का कहर जारी है।

अमेरिका: चीन से आने वालों पर प्रतिबंध लगाना जरूरी

लूनर न्यू ईयर के चलते दुनियाभर से चीनियों की आवाजाही जारी है। ऐसे में एक्सपर्ट्स का मानना है कि अमेरिका में कोरोना के नए खतरे से बचने के लिए चीन से आने वाले यात्रियों पर प्रतिबंध लगाने चाहिए। द वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट में सलाह दी गई है कि चीन से अमेरिका आने वालों को तीन दिन पहले की नेगेटिव कोरोना टेस्ट रिपोर्ट दिखाना अनिवार्य कर देना चाहिए।

दुनिया में 67 करोड़ से ज्यादा मामले

कोरोना वर्ल्डोमीटर के मुताबिक, दुनिया में अब तक 67 करोड़ 33 लाख 82 हजार 868 मामले सामने आ चुके हैं। 11 जनवरी 2020 को चीन के वुहान में 61 साल के बुजुर्ग की मौत हुई थी। ये दुनिया में कोरोना से होने वाली पहली मौत थी। इसके बाद मौत का सिलसिला बढ़ने लगा। अब तक 67 लाख 46 हजार 918 मौतें हो चुकी हैं।

इन देशों ने चीन के यात्रियों पर लगाया प्रतिबंध

चीन से आने वाले यात्रियों पर स्वीडन, जर्मनी, मलेशिया, कतर, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, मोरक्को, फ्रांस, ब्रिटेन, स्पेन, अमेरिका, जापान, इजराइल, भारत, इटली और साउथ कोरिया ने प्रतिबंध लगाए हैं। यहां चीन से आने वाले यात्रियों को नेगेटिव कोरोना रिपोर्ट दिखानी होगी। मोरक्को ने तो चीन के यात्रियों को बैन ही कर दिया है।

ताइवान ने भी चीन से आने वालों के लिए कोविड टेस्टिंग कंपलसरी की है। पाकिस्तान और फिलीपींस भी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। थाईलैंड और न्यूजीलैंड ने कोई भी प्रतिबंध लगाने से मना कर दिया है।

ईरान में रास्ते जा रही महिला को पुलिसवाले ने पीटा

लात-घूंसे मारे और फिर चले जाने को कहा, ईयू ने नए प्रतिबंध लगाए

तेहरान, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पिछले साल यानी 2022 सितंबर में पुलिस हिरासत में हुई महासा अमीनी की मौत के बाद से ईरान में प्रदर्शन जारी हैं। वहां के युवा कई अधिकारों को लेकर सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरे हुए हैं। इसी बीच एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है जिसमें एक पुलिस वाला बिना किसी वजह एक महिला को लात-घूंसों से मारता हुआ दिखाई दे रहा है।

वीडियो को ईरान की एक महिला पत्रकार मासिह अलिनेजद ने शेयर किया है। इसमें पुलिस वाला गाड़ियों के बीच से दौड़ता हुआ आता है और महिला को बेवजह मारने लगता है।

दूसरी महिलाएं डर कर भाग गईं

वीडियो में देखा जा सकता है कि पुलिस वाले को दौड़ता हुआ देखते ही कुछ महिलाएं भागने लगती हैं, लेकिन उनमें से एक महिला वहीं खड़ी रहकर उसे देखने लगती है। तभी पुलिस वाला पहले उसे लात मारता है। फिर उसे धक्का देकर थप्पड़ भी मार देता है। हमले के बाद महिला हैरान रह जाती है।

इसी दौरान एक दूसरी महिला उसके बचाव में आती है। पुलिस वाला महिला को जाने के लिए कहता है और फिर दूसरे लोगों को वहां आता हुआ देख मुंह ढ़क कर भाग जाता है।

महिलाओं ने हिजाब नहीं पहना था

वीडियो में देखा जा सकता है कि जिन महिलाओं पर पुलिस वाले ने अचानक से हमला किया उन्होंने हिजाब नहीं पहना हुआ था। सोशल मीडिया पर प्रदर्शनकारी ने लिखा कि ईरान की महिलाओं को हिजाब नहीं पहनने की सजा दी जा रही है। उसने कहा कि महिला को पीटने वाला ईरान का रिवोल्यूशनरी गार्ड है। इसे आतंकी संगठन घोषित कर दिया जाना चाहिए।

आईआरजीसी आतंकी संगठन घोषित नहीं होगा

ईयू में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी को आतंकी संगठन घोषित करने पर काफी बहस चल रही है। इसी बीच सोमवार को यूरोपियन फॉरेन पॉलिसी के चीफ ने कहा कि बिना कोर्ट की मंजूरी ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स को आतंकी संगठन घोषित नहीं किया जा सकता है। हालांकि, ईयू ने ईरान पर हिजाब विरोधी प्रदर्शनकारियों को प्रताड़ित करने और उन्हें मौत की सजा देने पर उस पर नई पाबंदियां लगाई हैं।

क्या है ईरान का रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स

ईरान के रिवोल्यूशनरी आर्म्ड ग्रुप को 1979 में ईरानी क्रांति की सफलता के बाद बनाया गया था। इसका मकसद वहां इस्लामी तंत्र की रक्षा करना था। 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) ईरान के लिए धार्मिक, राजनीतिक और आर्थिक मोर्चे पर लड़ने वाली सेना है। ये घरेलू संकट के साथ विदेशी खतरों के बीच ईरान के हितों की रक्षा करती है।

अमेरिका में एक दिन में 3 जगह शूटिंग, 11 मौतें

कैलिफोर्निया में 7, शिकागो में 2 की मौत, आयोवा में 2 स्टूडेंट्स की जान गई

वॉशिंगटन, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में 12 घंटे के भीतर फायरिंग की 3 घटनाएं हुई हैं। इनमें 2 छात्रों समेत 11 लोगों की मौत हुई। 2 दिन पहले लॉस एंजिल्स में मास शूटिंग के दौरान 11 लोगों की मौत हो गई थी।

पहली फायरिंग कैलिफोर्निया में, 7 की मौत: उत्तरी कैलिफोर्निया में सोमवार को गनमैन ने हाफ मून बे इलाके की दो अलग-अलग जगहों पर फायरिंग की। इस हमले में 7 लोगों की मौत हो गई। जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। शेरिफ ने बताया कि मास शूटिंग के बाद 67 साल के जहाओ चुनली नाम के संदिग्ध हमलावर को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस को यह संदिग्ध पार्किंग लॉट में अपनी कार में बैठा हुआ मिला। पुलिस ने इसके पास से हमले के दौरान इस्तेमाल की गई गन को भी बरामद कर लिया है। हमला किन कारणों से किया गया था अभी यह स्पष्ट नहीं है।

हमलावर की पत्नी से होगी पूछताछ

कैलिफोर्निया के हाफ मून बे में घटना के बाद पुलिस ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि जिस समय वहां शूटिंग हुई उस दौरान घटनास्थल पर काफी बच्चे भी

मौजूद थे। हमलावर पौधों की नर्सरी में काम करता था। उसने एक हमला तो नर्सरी के पास ही किया। पुलिस हमलावर के साथ-साथ उसकी पत्नी से भी पूछताछ करेगी।

वहीं कैलिफोर्निया में हो रहे एक के बाद एक हमले पर वहां के लोगों में डर पैदा हो गया है। हाफ मून बे में रहने वाली एक महिला ने कहा कि उन्हें लगने लगा है कि वो अब कहीं भी सेफ नहीं हैं।

दूसरी फायरिंग आयोवा में, 2 छात्र मारे गए: खास बच्चों के लिए चलाए जाने वाले एक स्कूल में गनमैन ने गोलियां चलाईं। इसमें 2 छात्रों की मौत हो गई और 3 घायल हो गए। इनमें 2 की स्थिति नाजुक है। फायरिंग तब हुई, जब स्कूल में एक प्रोग्राम चल रहा था। पुलिस ने बताया कि फायरिंग के करीब 20 मिनट बाद एक कार से तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक आरोपी फरार हो गया।

घटना के बाद सार्जेंट पॉल पारिजेक ने बताया कि हमले को सोच समझ कर अंजाम दिया गया था। यह टारगेट किलिंग है। हालांकि, इसके पीछे क्या मकसद था इसका अभी पता नहीं चल पाया है। स्कूल की वेबसाइट के मुताबिक वहां पढ़ने वालों में 80% बच्चे अल्पसंख्यक समुदाय के हैं।

तीसरी फायरिंग शिकागो में, 2 की मौत: फायरिंग की तीसरी घटना देर रात शिकागो के एक अपार्टमेंट में हुई। इसमें 2 लोगों की जान चली गई, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया की घटना को अंजाम देने में कई लोग शामिल थे। हालांकि, अभी तक किसी को पकड़ा नहीं गया है। डिप्टी पुलिस चीफ के मुताबिक यह घुसपैठ का मामला है।

लॉस एंजेलिस के हमलावर ने खुद को गोली मार ली थी

कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स में 21 जनवरी को हुई मास शूटिंग के मामले में पुलिस को एक वैन से 72 साल के संदिग्ध हमलावर की लाश मिली थी।

लॉस एंजिल्स टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावर ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। खुदकुशी से पहले हमलावर ने मोंटेरी पार्क इलाके में आंधाधुंध गोलियां चला दीं। इसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में 5 महिलाएं थीं। हमला तब हुआ था, जब यहां एक डांस हॉल में लूनर न्यू ईयर सेलिब्रेशन चल रहा था।

वॉट्सऐप कॉल पर महिला ने कपड़े उतारे

वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया आईपीएस बनकर धमकाया जेबीटी टीचर से 6.95 लाख ठगे

पानीपत, 24 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत जिले के एक गांव के रहने वाले जेबीटी टीचर सेक्सटॉर्शन गिरोह का शिकार हो गया। वॉट्सऐप कॉल पर एक महिला ने नग्न होकर अश्लील बातें की। महिला ने वीडियो बना ली और फिर पैसे मांगने शुरू कर दिए। पीड़ित ने रुपए देने से मना किया तो उनमें से एक ठग ने आईपीएस राकेश अस्थाना बनकर उसे धमकाया।

पीड़ित से कहा गया कि केस खत्म करना चाहते हो तो पैसे दे दो। वह उनके झांसे में आ गया और कुल 6 लाख 95 हजार 500 रुपए उनके खातों में डलवा दिए। जब उससे और पैसों की डिमांड की गई तो उसे ठगी का अहसास हुआ। जिसके बाद उसने पुलिस को शिकायत दी। समालखा थाना पुलिस को दी शिकायत में सुनील कुमार ने बताया कि वह थाना क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला है। वह जेबीटी टीचर है।

20 दिसंबर को उसके वॉट्सऐप पर एक वीडियो कॉल आई। उसने कॉल रिसीव की तो सामने एक नग्न लड़की बैठी हुई थी। उसने कुछ देर उसके साथ अश्लील बातें की। बातचीत के दौरान ही उसके वॉट्सऐप पर मैसेज आए।

पाकिस्तानी विदेश मंत्री को भेजा भारत आने का न्यौता!

पीएम मोदी को लेकर दिया था विवादित बयान

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान इन दिनों अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर बुरी तरह फंसा हुआ है। पड़ोसी देश में हालात इतने खराब हैं कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बीते दिनों भारत के साथ बातचीत की पेशकश की थी। हालांकि भारत ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अब पाकिस्तानी मीडिया के हवाले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बता दें कि पाकिस्तान के अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के हवाले से खबर आई है कि भारत ने शंघाई कॉपरेशन ऑर्गेनाइजेशन की बैठक में शामिल होने के लिए पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी और पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश उमर अत्ता बंदियाल को निमंत्रण दिया है।

पाकिस्तानी मीडिया की यह रिपोर्ट सही है तो भारत की तरफ से यह न्यौता ऐसे समय भेजा गया है, जब बीते माह ही पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर विवादित बयान दिया था। जिसके चलते बिलावल भुट्टो जरदारी को अपने देश में ही आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा था। दरअसल संयुक्त राष्ट्र की बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने पाकिस्तान पर आतंकवाद को पालने-पोसने का आरोप लगाया था। जिसके जवाब में बिलावल भुट्टो ने पीएम मोदी पर विवादित बयानबाजी की थी।

बता दें कि शंघाई कॉपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) एक ताकतवर क्षेत्रीय फोरम है, जिसके सदस्यों में रूस, चीन, भारत, पाकिस्तान और ईरान के साथ ही मध्य एशिया के देश शामिल हैं। एससीओ की अध्यक्षता फिलहाल भारत के पास है और भारत की अध्यक्षता में इस साल एससीओ की बैठकें होनी हैं। इनमें एससीओ के सदस्य देशों के मुख्य न्यायाधीशों और विदेश मंत्रियों की बैठकें शामिल हैं।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि भारत ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री और मुख्य न्यायाधीश को भी बैठकों में शामिल होने का न्यौता दिया है। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री और मुख्य न्यायाधीश खुद इस बैठक में शामिल होते हैं या फिर अपने प्रतिनिधियों को इन बैठकों में शामिल होने के लिए भेजते हैं। वैसे पाकिस्तान जिस तरह से भारत के साथ बातचीत के लिए उतावला है, उसे देखते हुए संभव है कि पाकिस्तान इतने बड़े मौके को चूकना नहीं चाहेगा। यदि पाकिस्तान के विदेश मंत्री भारत का दौरा करते हैं तो यह कई सालों के बाद पाकिस्तान के किसी उच्च स्तरीय नेता का दौरा होगा।

इससे दोनों देशों के रिश्तों में थोड़ी बर्फ पिघलने की उम्मीद जरूर बंध सकती है।

पैरोल पर बाहर आने के बाद राम रहीम ने तलवार से काटे पांच केक

बोले- 5 साल बाद मिला जश्न मनाने का मौका

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम फिलहाल पैरोल पर बाहर आए हैं और उन्हें तलवार से केक काटकर जश्न मनाते देखा गया। बलात्कार और हत्या के आरोप में 20 साल की जेल की सजा काट रहे सिरसा डेरा प्रमुख शनिवार को हरियाणा के रोहतक जिले की सुनारिया जेल से 40 दिन की पैरोल पर बाहर आए और उत्तर प्रदेश के बागपत में अपने बरनावा आश्रम पहुंचे। राम रहीम द्वारा केक के साथ सेलिब्रेशन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

5 साल बाद मिला जश्न मनाने का मौका- राम रहीम

अपनी जमानत अर्जी में राम रहीम ने कहा था कि वह 25 जनवरी को पूर्व डेरा प्रमुख शाह सतनाम सिंह की जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होना चाहता है। सोशल मीडिया पर आए कथित वीडियो में डेरा प्रमुख को यह कहते हुए सुना जा सकता है, "पांच साल बाद ऐसा जश्न मनाने का मौका मिला है तो मुझे कम से कम पांच केक काटने चाहिए। यह पहला केक है।"

संयोग से शस्त्र अधिनियम के

तहत हथियारों का सार्वजनिक प्रदर्शन (तलवार से केक काटना) प्रतिबंधित है। राम रहीम ने सोमवार को हरियाणा और कुछ अन्य राज्यों में कई स्थानों पर अपने संप्रदाय के स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित एक मेगा स्वच्छता अभियान का वर्चुअल उद्घाटन किया था। इस कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद कृष्ण लाल पंवार और पूर्व मंत्री कृष्ण कुमार बेदी सहित हरियाणा के कुछ वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने भी भाग लिया। पिछले 14 महीनों में चौथी बार और तीन महीने से भी कम समय में दूसरी बार राम रहीम को पैरोल दी गई है। इससे पहले उन्हें हरियाणा पंचायत चुनाव और आदमपुर विधानसभा उपचुनाव से पहले अक्टूबर 2022 में 40 दिनों के लिए पैरोल पर रिहा किया गया था।

बता दें कि राम रहीम को अगस्त 2017 में पंचकूला की एक विशेष सीबीआई अदालत ने दो महिला अनुयायियों से बलात्कार के लिए दोषी ठहराया था। सीबीआई ने 2003 में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेशों पर मामला दर्ज किया था। कुरुक्षेत्र में पुलिस स्टेशन सदर में पहले दर्ज मामले की जांच सीबीआई ने अपने हाथ में ली थी।

50 दिन सूरज नहीं निकलता फिर भी जिंदगियों में उजाला

नॉर्वे में पारा -25 डिग्री तक जाता है, फिर भी बंद नहीं होते स्कूल

ट्रोमसो, 24 जनवरी (एजेंसियां)। करीब 4 साल पहले जब मैं नॉर्वे के इस ट्रोमसो शहर में आया था, तो लग रहा था कि जिंदगी कितनी मुश्किल होगी यहां। 50-50 दिन सूरज नहीं निकलता। पारा -25 डिग्री तक चला जाता है। बर्फ पर फिसलने से चोट लगना आम बात है। अंधेरे में एक्सीडेंट बहुत होते हैं। चीजें बहुत महंगी हैं। ऐसी जगह कैसे रह पाऊंगा? मगर ये सिक्के का एक पहलू है। कई बार निगेटिविटी में पॉजिटिविटी भी होती है। सिर्फ नजरिया बदलने की जरूरत है, नजारा खुद बदल जाता है। यह रिपोर्ट पढ़ने के बाद गारंटी है कि आपको भी ये तो जरूर लगने लगेगा कि काश, मैं भी यहां जा पाता या फिर यहीं बस भी जाता। जैसा कि अब मुझे महसूस होता है।करीब 70 हजार की आबादी वाले इस शहर का दूसरा पहलू ये है कि यह चारों तरफ ऊंचे पर्वत से घिरा है। बीच में समंदर है। आसमान में ऑरोरा और दोनों किनारों पर बसी आबादी का नजारा देखते ही बनता है। जिन 50 दिनों में यहां सूरज नहीं निकलता, उससे पहले लोग विटामिन डी, विटामिन सी और ओमेगा बी 12 के सप्लीमेंट्स जुटा लेते हैं, ताकि शरीर में जरूरी चीजों की कमी न हो। सभी लोग रोज घर में कुछ वक्त एलईडी लाइट्स को देखते हैं, ताकि शरीर में सूरज की रोशनी की कमी पूरी कर सकें। पेड़-पौधों के सामने भी यही लाइट्स लगाते हैं, ताकि वे जिंदा रह सकें। बर्फ पर न फिसलें, उसके लिए स्पाइक्स लगाते हैं।

लोग जिंदादिली से जीते हैं

नॉर्वे में जब लोग बाहर निकलते हैं तो रेट्रो रिफलेक्टर पहनते हैं, जो बांह में लगता है। लाइट पड़ते ही चमकने लगता है, ताकि एक्सीडेंट न हों। सर्दी हो, गर्मी हो, बर्फबारी हो या बारिश, यहां स्कूल-कॉलेज और ऑफिस का वक्त नहीं बदलता। इनकी टाइमिंग सुबह 8 बजे से शाम करीब 4 बजे ही रहती है। लोग पूरी जिंदादिली से जीते हैं। पैसों के बारे में तो सोचते भी नहीं। बचत नहीं करते, क्योंकि इलाज-पढ़ाई का खर्च सरकार उठाती है।

ड्राइवर और क्लीनर जैसा काम करने वाले भी हर महीने ढाई से तीन लाख रुपए कमा लेते हैं। एक सिनेमाहॉल है, जहां अलग-अलग भाषाओं की फिल्में लगती हैं, जिनमें अंग्रेजी में सब टाइटल्स होते हैं। हाल में लाल सिंह चड्ढा व आरआरआर भी लगी थी। यहां क्राइम न के बराबर है। अगर आपका पर्स बस में गिर जाए, तो संभवतः वापस मिल जाएगा।

हरियाणा सरकार ने कैदियों को दी राहत

26 जनवरी पर मिलेगी 3 महीने की छूट, जमानत पर गए अपराधियों को नहीं मिलेगा लाभ

चंडीगढ़, 24 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा की जेलों में बंद कैदियों को सरकार ने बड़ी राहत दी है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्य में आपराधिक अधिकार क्षेत्र के न्यायालयों द्वारा सुनाई गई सजा भुगत रहे कैदियों को 3 महीने की विशेष छूट दी जाएगी।

जिन अपराधियों को आजीवन कारावास, 10 वर्ष या इससे अधिक की अवधि की सजा सुनाई गई है, उन्हें 90 दिन और जिन अपराधियों को पांच वर्ष से ऊपर व 10 वर्ष से कम की सजा सुनाई गई है, उन्हें 60 दिन की छूट प्रदान की जाएगी।

हरियाणा के ऊर्जा एवं जेल मंत्री चौधरी रणजीत सिंह ने बताया कि गणतंत्र दिवस यानी 26 जनवरी, 2023 को कारागार से पैरोल और फरलो पर आए सभी अपराधियों को यह छूट भी दी जाएगी। सरकार ने शर्त रखी है कि कैदी अपने निर्धारित समय पर संबंधित कारागार में आत्म समर्पण करते हैं तो उस स्थिति में कारावास के बचे हुए समय में यह छूट दी जाएगी।

सीटेट एग्जाम सेंटर में लगाई आग

शरारती तत्वों ने शीशे भी तोड़े, पेट्रोल की बोतलें मिली, दूसरे स्थान पर कराई परीक्षा

करनाल, 24 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के करनाल में इंद्री के सलारू में फ्यूचर विजन इंस्टीट्यूट में शरारती तत्वों ने आग लगा दी। आज इस इंस्टीट्यूट में सीटेट का एग्जाम होना था, लेकिन रात को करीब 2 बजे इंस्टीट्यूट में आग लगा दी। आसपास के लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस व फायर ब्रिगेड को दी। जिसके बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

इंस्टीट्यूट के अंदर से पेट्रोल की बोतलें भी बरामद हुई है। इतना ही नहीं, बदमाशों ने इंस्टीट्यूट के शीशों को भी पत्थर मार कर तोड़ डाला। इंस्टीट्यूट में आग लगने से वहां 80-90 कंप्यूटर जल गए है। जिसकी वजह से लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। इंस्टीट्यूट प्रबंधन को भी समझ में नहीं आ रहा कि आखिर किसने और क्यों आगजनी की घटना को अंजाम दिया है।

कुंजपुरा रोड पर हुआ एग्जाम शिफ्ट

फ्यूचर विजन में आज सीटेट का एग्जाम होना था, लेकिन उससे कुछ घंटे पहले ही इंस्टीट्यूट में आगजनी हो गई। ऐसे में परीक्षार्थियों को दिक्कत न आए इसके लिए कुंजपुरा रोड स्थित कंप्यूटर लैब को एग्जामिनेशन हाल बनाया गया।

पुलिस ने किया मामला दर्ज

आगजनी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने इंस्टीट्यूट को सील कर दिया था। एफएसएल की टीम मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाएगी। रंभा चौकी इंचार्ज अंकित कुमार ने बताया कि अज्ञात शरारती तत्वों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

पेपर लीक में सीबीआई जांच की मांग

खाचरियावास बोले-बीजेपी को चैलेंज, विधानसभा में टेबल करें नाम

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पेपर लीक की सीबीआई जांच की मांग को लेकर एक ओर जहां मनागलवार को राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा विधानसभा का घेराव करने वाले हैं, तो वहीं सीबीआई जांच की मांग को लेकर बीजेपी और कांग्रेस के नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी जारी है। भाजपा विधायकों ने पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। वहीं कांग्रेस ने बीजेपी की इस मांग को नकारते हुए कहा कि राजस्थान की एजेंसिया जांच करने में सक्षम हैं। राजस्थान विधानसभा के बाहर मीडिया से बातचीत में कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि सीबीआई केंद्र की एजेंसी है, लेकिन राजस्थान की पुलिस और जांच एजेंसियां सक्षम हैं। पेपर लीक करने वालों को राजस्थान की ही एजेंसियों ने पकड़ा है और कार्रवाई की है। क्या हम उनका मोरल डाउन कर दें। पहले भी ऐसे कई मामले आए हैं जब राजस्थान की पुलिस और जांच एजेंसियों ने कई बड़े मामले का खुलासा किया है। ऐसे में इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप कर राजस्थान की एजेंसियों को हतोत्साहित नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने बीजेपी की मांग पर कहा कि बीजेपी केवल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर नौटंकी कर रही है। अगर बीजेपी के पास कोई सबूत है, कोई नाम है, तो उसे सदन में पेश करना चाहिए। प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि बीजेपी के पास कोई मुद्दे नहीं बचे हैं, इसलिए अब पेपर लीक का नाम लेकर लोगों को बरगलाया जा रहा है। भाजपा के उप नेता एक मामले को लेकर हाईकोर्ट चले गए थे। अगर उन्हें बहस करनी थी, तो इस मामले पर विधानसभा में बहस करनी चाहिए थी। खाचरियावास ने कहा कि केंद्र में बैठी बीजेपी की सरकार हर मुद्दे पर फेल हो गई है और उस पर कैसे पर्दा डाला जाए, इसलिए मुद्दों को भटकाया जा रहा है । लेकिन कांग्रेस के विधायक सदन में बीजेपी के आरोपों का मुंहतोड़ जवाब देंगे।

सांसद किरोड़ीलाल मीणा आंदोलन करने वाले बड़े नेता

राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा के पेपर लीक मामले पर सीबीआई जांच की मांग उठाने और जयपुर कूच पर मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने सांसद मीणा की तारीफ की। खाचरियावास ने कहा कि सांसद मीणा दमखम वाले नेता हैं। मैं उन्हें बचपन से देख रहा हूं, वह आंदोलन करने वाले बड़े नेता हैं। पिछले 4 सालों में उन्होंने कई बड़े आंदोलन किए हैं, लेकिन बीजेपी ने सांसद किरोड़ी मीणा का साथ नहीं दिया और उन्हें कई बार आंदोलन करने से रोका है।

युवाओं को बरगला रही बीजेपी

विधानसभा में सरकारी मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी ने कहा कि पेपर लीक रोकने के लिए सरकार ने कठोर कानून बनाया हुआ है, पेपर लीक हुआ है। लेकिन इस मामले में भी सरकार ने कठोर कदम उठाए हैं। आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, उनकी संपत्तियों को जमींदोज किया गया है। उन्होंने भाजपा की सीबीआई जांच की मांग को एक राजनीतिक स्टंट बताते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा इस मामले को उठा रही है। उन्होंने कहा कि सांसद किरोड़ी लाल मीणा आंदोलन करें या बीजेपी, यह केवल एक राजनीतिक स्टंट है। इस मुद्दे के जरिए युवाओं को बरगलाया जा रहा है, क्योंकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जो बजट पेश करेंगे, उसमें युवाओं पर खास फोकस रहने वाला है। राजस्थान का युवा समझदार है और वह जानता है कि चार सालों में सबसे ज्यादा भर्ती इस सरकार में ही निकली है।

राजनीतिक संरक्षण में पेपर लीक

बीजेपी विधायक और मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई से कराए जाने की मांग की है। रामलाल शर्मा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सदन से सड़क तक भाजपा विधायक इस मामले को पुरजोर शब्दों में उठा रहे हैं। लेकिन जब तक इस मामले की जांच सीबीआई को नहीं सौंपी जाएगी, तब तक सच सामने नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार केवल अपने अनुकूल मामलों को ही सीबीआई को सौंप देती है। उन्होंने कहा कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड चेयरमैन रहे डीपी जारोली ने भी कहा था कि राजनीतिक संरक्षण में पेपर लीक होते हैं, इसलिए इस मामले की जांच सीबीआई से जरूरी है। रामलाल शर्मा बोले कि गहलोत सरकार ने केवल छोटी-छोटी मछलियों को पकड़ कर इतिश्री कर ली है,जबकि बड़े-बड़े मगरमच्छ बाहर घूम रहे हैं।

किरोड़ीलाल का जयपुर कूच

बोले-पेपर लीक की सीबीआई जांच हो

विधानसभा घेराव के लिए एनएच-21 पर बेरोजगारों का मार्च

दौसा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद डॉ किरोड़ीलाल मीणा के नेतृत्व में विधानसभा घेराव के लिए दौसा जिला मुख्यालय से जयपुर कूच शुरू हो गया। दौसा से राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा बड़ी तादाद में युवाओं के साथ जयपुर कूच के लिए निकले हैं। दोपहर 12.30 के करीब नारेबाजी करते हुए युवाओं का हुजूम दौसा जिला कलेक्ट्रेट के लिए निकले, जिन्हें पुलिस ने रोक कर आगरा बाइपास की तरफ डायवर्ट कर दिया। सांसद के साथ युवाओं की भीड़ NH 21 से होते हुए जयपुर की तरफ बढ़ रही है।

राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामले को लेकर जयपुर कूच और विधानसभा घेराव का ऐलान किया था। इसके लिए दौसा में मंगलवार सुबह से ही युवाओं की भीड़ जुटने लगी थी। दौसा में कार की छत पर बैठकर राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने युवाओं को संबोधित किया। सरकार पर आरोप लगाए और पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की। दौसा में कार की छत पर बैठकर राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने युवाओं को संबोधित किया। सरकार पर आरोप लगाए और पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की। राज्यसभा सांसद के नेतृत्व में बड़ी तादाद में बेरोजगार युवा दौसा चौराहे पर कलेक्ट्रेट के पास जुट गए। इस दौरान कार की छत पर सवार हाथ में माइक लिए राज्यसभा सांसद नारेबाजी करते रहे। उनके साथ युवा भी डीजे पर थिरकते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। राज्यसभा सांसद ने कहा-राजस्थान में पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए। पेपर लीक माफियाओं को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर आज जयपुर में विधानसभा का घेराव करेंगे। राजस्थान के कोने-कोने से आए युवा यहां जुटे हैं। राजस्थान सरकार प्रभावशाली लोगों को नहीं पकड़ रही है। पेपर लीक में मंत्री, विधायक और बड़े ब्यूरोक्रेट शामिल हैं। ऐसे में मामले की जांच सीबीआई को देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान में बाहर के राज्यों के लोगों को नौकरी दी जा रही है। इससे प्रदेश के युवाओं के अवसर कम हो रहे हैं। वे लोग राजस्थान के युवाओं की नौकरी खा रहे हैं। यह बंद होना चाहिए। जब राज्यसभा सांसद से पूछा गया कि सीएम तो मामले की जांच की बात कह रहे हैं, कार्रवाई भी कर रहे हैं तो सांसद ने कहा कि फिर डीपी जारोली कहां गया, सीएमओ के अधिकारी कहां गए, आरपीएससी के लोग कहां गए।

8 बंदरों के शव मिलने से हड़कंप

ग्रामीणों ने जताई हत्या की आशंका, पुलिस बोली-फ़ूड पॉइजिंग या जहर देने से हुई मौत

भरतपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। भरतपुर के पहाड़ी थाना इलाके में मंगलवार सुबह एक साथ 8 बंदरों के शव मिले। आस-पास के इलाके के गांव वालों का कहना है कि बंदरों को मारकर यहां फेंका गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से बंदरों का पोस्टमॉर्टम कराने की बात कही है। बंदरों के शव पहाड़ी कस्बे के गाजुका इलाके में सड़क के किनारे झाड़ियों में मिले हैं। मंगलवार सुबह कुछ ग्रामीण सुबह जंगल की तरफ गए तो उन्हें मरे हुए बंदर दिखाई दिए। ये शव सड़क के किनारे कुछ फीट अंदर झाड़ियों में पड़े थे। गांव वालों ने गाजुका गांव जाकर बाकी लोगों को सूचना दी। इसके बाद मौके पर गांव वाले बड़ी तादाद में जमा हो गए। पुलिस को इसकी जानकारी दी तो पुलिस मौके पर पहुंची। पहाड़ी थाना अधिकारी शिव लहरी ने कहा कि व्यस्क बंदरों के शव नहीं हैं, ये बंदर के बच्चे हैं। पहली नजरि में लगता है कि बंदरों को या तो सड़ा गला खाना दिया गया है, इससे ये फ़ूड पॉइजनिंग के शिकार हो गए। या फिर बंदरों से परेशान होकर किसी ने जहरीला खाना खिलाया है, इससे इनकी मौत हो गई। फिलहाल मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया जा रहा है। उसके बाद ही पूरी स्थिति साफ होगी।

ग्रामीण आरिफ खान ने बताया कि किसी ने बंदरों को जान-बूझकर मारा है। इसके बाद शव सड़क के किनारे फेंक दिए। बंदरों के शरीर पर खून और चोट के निशान हैं। इस घटना के बाद से इलाके के लोगों में काफी रोष है।

जयपुर में महसूस किए भूकंप के झटके, दिल्ली-एनसीआर में भी हिली धरती

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर सहित जयपुर में दोपहर 2.30 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। जयपुर में लोग अपने-अपने ऑफिस और घरों से बाहर आ गए। ऑफिसों में शीशे के गेट और घरों में पंखे हिलने लगे। इससे लोग दहशत में आ गए। इसकी तीव्रता कितनी है और इसका केंद्र कहां है, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। अधिक जानकारी का इंतजार है।

पुलिस ने तीन चरवाहों को डकैतों के चंगुल से मुक्त कराया

तीन अपहरणकर्ता असलहा समेत गिरफ्तार

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की धौलपुर-करौली पुलिस, क्यूआरटी तथा श्योपुर पुलिस की टीम ने मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में थाना विजयपुर क्षेत्र से अगवा किए गए तीन चरवाहों को खुशहालपुर के जंगलों से सकुशल छुड़ा लिया। पुलिस की सघन कॉम्बिग देख डकैत उन्हें छोड़कर भाग गए। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर एक राइफल और दो राउंड बरामद किए हैं।

डीजीपी राजस्थान उमेश मिश्रा ने पुलिस टीम के कार्य की सराहना की। वहीं, मध्य प्रदेश के एडीजी क्राइम ने राजस्थान पुलिस के सराहनीय कार्य के लिए धौलपुर पुलिस को 15000 रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया है।

फिरौती के लिए किया अगवा

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में थाना विजयनगर से तीन चरवाहों को फिरौती के लिए अगवा कर लिया गया था। अपहरणकर्ताओं की लोकेशन चंबल बीड़ क्षेत्र के थाना सरमथुरा, सोने का गुर्जा एवं करौली के मंडरायल आने पर मध्य प्रदेश के एडीजी क्राइम की सूचना पर धौलपुर एसपी धर्मेंद्र सिंह तथा श्योपुर एसपी आलोक कुमार के पर्यवेक्षण में विशेष अभियान चलाया गया। थानाधिकारी बाड़ी सदर हीरालाल के साथ साइबर सेल, डीएसटी, क्यूआरटी टीम एवं मध्य प्रदेश पुलिस के एसआई विकास तोमर भारत सिंह गुर्जर, हिमांशु भार्गव के नेतृत्व में आई टीम ने 17 जनवरी को चंबल के बीहड़ तथा डांग क्षेत्र के गांव चंदेली, सामरदा, अरौरा, चिरमिल, कसेड, मुरीला, मंडरायल, कूना के जंगल, श्योपुर खुशहालपुर, रिछरा और सरमथुरा के जंगल में जगह-जगह दबिश दी।

सूचना मिलते ही की घेराबंदी

संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़कर पूछताछ की गई। 20-21 जनवरी की देर रात खुशहालपुर के जंगल में डकैत बीरू उर्फ वीरेंद्र नाई निवासी निजामपुर थाना बाड़ी सदर एवं उसके भाई सोनू और पांच-छह अन्य हथियार बंद बदमाशों के होने की सूचना मिलने पर पुलिस टीमों ने घेराबंदी कर दी।

पुलिस की घेराबंदी बढ़ती देख बदमाश अगवा किए गए चरवाहों रामस्वरूप यादव, भत्तु बघेल एवं गुड्डा बघेल को जंगल में छोड़ कर फरार हो गए, जिन्हें पुलिस द्वारा दस्तयाब कर एमपी पुलिस को सौंपा गया। बाद में एमपी पुलिस ने घटना में शामिल तीन आरोपियों को असलहा समेत गिरफ्तार किया।

पुलिस चोर पकड़ रही थी बदमाश एटीएम उखाड़ ले गए

अजमेर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर जिले के अरांई में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का एटीएम चोरी करने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने कैंपर जीप के जरिए एटीएम को उखाड़ा और लेकर फरार हो गए। घटना अरांई थाना क्षेत्र के पावर हाउस चौराहे की है। सूचना मिलते ही औराई थाना प्रभारी गुमान सिंह थाने के जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार रात 2:43 मिनट पर कुछ बदमाशों के द्वारा एटीएम चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। चोरों ने पहले एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरों पर स्प्रे किया और एटीएम की लाइट बंद कर दी। बाद में कैंपर गाड़ी के जरिए बदमाशों ने एटीएम को उखाड़ा और लेकर के फरार हो गए।बैंक के अधिकारियों के अनुसार एटीएम में 30 लाख रुपए करीब कैश मौजूद था। हालांकि अधिकारी रकम से जुड़ी संबंधित जानकारी ले रहे हैं। अरांई थाना प्रभारी गुमान सिंह ने बताया कि एटीएम चोरी की वारदात थाना क्षेत्र में हुई है। घटनास्थल का जायजा लिया गया है। बैंक अधिकारियों से शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान में बंद किए गए 7 लाख मोबाइल कनेक्शन

60 हजार से ज्यादा कनेक्शन के जरिए अलवर-भरतपुर से हो रही थी ऑनलाइन ठगी

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में 7 लाख मोबाइल कनेक्शन बंद कर दिए गए हैं। इनमें से 6.28 लाख कनेक्शन काफी समय से यूज में नहीं लिए जा रहे थे। वहीं, 60 हजार से ज्यादा कनेक्शन केवल अलवर-भरतपुर बेल्ट के मेवात एरिया के बताए जा रहे हैं।

जो ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराध से जुड़े थे। इन पर कंट्रोल के लिए पुलिस और दूरसंचार विभाग की टीम लगातार कार्यवाही कर रही थी। इसके बावजूद मामले कम नहीं हो रहे थे। आखिर सभी नंबर बंद कर गिए गए हैं। ये सभी नंबर फर्जी आईडी के जरिए उठाए गए थे।

टेलीकॉम विभाग के अधिकारियों के मुताबिक मेवात क्षेत्र में पहाड़ी, जुहररा, नगर, सिकरी, खो, कैथवाड़ा, गोपालगढ़, कामां थाना क्षेत्र में बड़ी संख्या में मोबाइल कनेक्शन बंद किए गए हैं। जिन हैंडसेट में मोबाइल सिम उपयोग की गई।

उनमें से 74131 को भी ब्लॉक कर दिया है। इनके आईईएमआई नम्बर बंद कर दिए हैं।

ये कारण रहा मोबाइल कनेक्शन बंद करने का

टेलीकॉम डिपार्टमेंट के अधिकारियों के मुताबिक जो नंबर लम्बे समय से उपयोग में नहीं थे ऐसे करीब 6.28 लाख कनेक्शन थे, जिन्हें बंद किया गया। इसके अलावा मेवात क्षेत्र में बिना वेरीफिकेशन करवाए करीब 60 हजार कनेक्शन चल रहे थे, जिन्हे बंद किया गया। वहीं, एक ही फोटो से कई फर्जी कनेक्शन लेने के मामले में 12 हजार से ज्यादा कनेक्शन बंद किए गए है।

आपके नाम से फर्जी सिम उठाने का आप यूं कर सकेंगे पता

टेलीकॉम विभाग ने लोगों की सुविधा के लिए नया सिस्टम शुरू किया है।

इसके तहत लोगों की आईडी से फर्जी तरीके से सिम अलॉर्ट करवाने पर लोग पता कर सकेंगे कि उनके नाम से कितनी सिम चल रही है। इसके लिए दूरसंचार विभाग ने एक पोर्टल तैयार किया है, जिसका नाम टेफकोप (टेलीकॉम एनालेटिक्स फॉर फ्राड मैनेजमेंट एण्ड कंज्यूमर प्रोटेक्शन) है।

इसी पोर्टल के माध्यम से उपभोक्ता फर्जी तरीके से संचालित सिम कनेक्शन को बंद करा सकता है। पोर्टल पर मौजूद विकल्प पर इसकी जानकारी देनी होगी। इसके बाद डीओटी यह जानकारी संबंधित मोबाइल ऑपरेटर को भेजेगा। यहां से संबंधित उपभोक्ता से मामले की तस्दीक की जाएगी और सही पाए जाने पर कनेक्शन बंद कर दिया जाएगा।

घूसखोर एएसपी दिव्या अजमेर जेल में नंगे पैर घूम रही

महिला बंदियों के साथ लाइन में खड़ी दिखी, 2 करोड़ की मांगी थी रिश्वत

अजमेर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। लग्जरी लाइफ जीने वाली गिरफ्तार स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की एडिशनल एसपी का रुतबा कल तक पूरे राजस्थान में चलता था। वह अब अपने काले कारनामों के चलते अजमेर की सेंट्रल जेल में बंद है। जेल के अंदर का दिव्या मित्तल का एक फोटो सामने आया है। इसमें मित्तल जेल में नंगे पैर लाइन में खड़ी दिख रही है। सर्द मौसम में सीमेंट के फर्श पर नंगे पैर खड़ी दिव्या का फोटो सोशल मीडिया पर भी खूब शेयर किया जा रहा है। दिव्या 3 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में ही रहेंगी।

दरअसल, सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रामपाल जाट अजमेर सेंट्रल जेल स्थित महिला बंदी सुधार गृह का निरीक्षण करने पहुंचे थे। जाट के इस निरीक्षण की फोटो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने जारी की है। इस फोटो में एसओजी की निलंबित एडिशनल एसपी दिव्या मित्तल आम महिला बंदियों की लाइन में नजर आई। निरीक्षण के दौरान विचाराधीन महिला बंदियों से व्यक्तिगत रूप से बात की। दरअसल, जिन बंदियों के बाद वकील नहीं होते हैं प्राधिकरण उनकी कानूनी सहायता में मदद करता है। वहीं, दिव्या मित्तल के केस में डीएसपी मांगीलाल ने बताया कि घूसखोर कांड में बर्खास्त कांस्टेबल सुमित की तलाश की जा रही है। दिव्या से रिमांड के दौरान लैपटॉप और कुछ अन्य इलेक्ट्रोनिक्स गैजेट्स बरामद किए गए हैं, इनकी एफएसएल से जांच कराई जाएगी।

झील में 3 घंटे हुआ था सर्च

दिव्या के सरकारी गाड़ी के ड्राइवर बहादुर की निशानदेही पर रिमांड के दौरान आनासागर के रामप्रसाद घाट इलाके में झील में सर्च किया गया था। पता चला था कि दिव्या ने ए सी बी मुख्यालय में केस दर्ज होने के एक दिन पहले रविवार को आनासागर में मोबाइल, बैग और अन्य सबेत फेंक दिए थे। 21 जनवरी को जयपुर एसीबी के द्वारा दो करोड़ की रिश्वत मामले में गिरफ्तार निलंबित एसओजी के एडिशनल एसपी दिव्या मित्तल को अजमेर कोर्ट में पेश किया गया था। जज ने दिव्या मित्तल को 3 फरवरी तक जेल भेजने के आदेश दिए थे।

दिव्या ने मांगी थी रिश्वत

2 करोड़ की रिश्वत मांगने के मामले में जयपुर एसीबी टीम ने अजमेर में 16 जनवरी को एसओजी की एडिशनल एसपी दिव्या मित्तल को पकड़ा गया। मित्तल को एसीबी की टीम अजमेर से जयपुर लाई थी। इसके बाद गिरफ्तार कर लिया गया। माना जा रहा है कि एसओजी के किसी अधिकारी का रिश्वत में इतनी बड़ी रकम मांगने का यह पहला मामला है।

इतनी बड़ी अधिकारी को ट्रैप करना भी आसान नहीं था। दिव्या ने मादक पदार्थ तस्करी के मामले में हरिद्वार की फार्मा कंपनी के मालिक को गिरफ्तार नहीं करने की एवज में बर्खास्त पुलिसकर्मी सुमित कुमार के माध्यम से यह घूस मांगी थी।

लग्जरी लाइफ की शौकीन

दिव्या से जुड़े लोगों ने बताया कि उसे हमेशा से लग्जरी लाइफ का शौक है। उदयपुर में एक रिसॉर्ट नेचर हिल पैलेस के बारे में तो ज्यादातर लोगों को पता है, लेकिन इसके अलावा भी कई प्रॉपर्टी हैं, जो दिव्या ने अपने रिश्तेदारों के नाम से खरीदी है। दिव्या के नजदीकियों का कहना है कि वो हर साल प्रॉपर्टी में इंवेस्ट करती है। दिव्या की पर्सनल लाइफ भी उतार-चढ़ाव भरी रही है।

विश्वकर्मा रोड स्थित फैक्ट्री में लगी भीषण आग

छत से कूदकर जान बचाने के प्रयास में चार युवक घायल

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर में मंगलवार सुबह विश्वकर्मा थाना इलाका स्थित एक फैक्ट्री में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में लिया। इस दौरान अंदर फंसे मजदूरों ने जान बचाने के लिए छत से छलांग लगा दी। इनमें से चार मजदूर गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। सूचना पर फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फैक्ट्री में प्लास्टिक पाइप की पैकिंग का काम होता है।

बता दें कि विश्वकर्मा रोड नंबर 14 पर विद्याधर नगर जयपुर निवासी आशीष माणक बोहरा की श्री कृष्णा इंजीनियरिंग वर्क्स के नाम से फैक्ट्री है। यहां फैक्ट्री में प्लास्टिक पाइप की पैकिंग का काम होता है। बताया जा रहा है कि बीती रात यहां मजदूर काम कर रहे थे। इसी दौरान मंगलवार तड़के पांच बजे फैक्ट्री में आग लगने का हल्ला मचा। अंदर फंसे लोग कुछ समझ पाते तब तक आग ने भयानक रूप ले लिया। लोग जान बचाने के लिए छत की ओर भागे, लेकिन बढ़ती आग के बीच कुछ मजदूर छत से ही कूद गए। इस दौरान चार मजदूरों को चोट आईं। सूचना पर थाना प्रभारी रमेश सैनी मौके पर पहुंचे। सभी घायलों को कांवटिया अस्पताल ले जाया गया।

श्री श्रीयादे माता जन्मोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री श्रीयादे माता मंदिर ट्रस्ट, प्रजापति समाज हैदराबाद सिकंदराबाद द्वारा प्रजापति समाज की आराध्य देवी श्री श्रीयादे माता जी का जन्मोत्सव धमाईगुडा स्थित श्रीयादे माता मंदिर प्रांगण में बड़े धूमधाम से मनाया गया। आज यह प्रेस वज्ञप्ति में कैलाश प्रजापति ने बताया कि माघ सुदी बीज श्री यादें माता की जयंती के अवसर पर दीप प्रज्वलित कर आरती उतारी गई। इस अवसर पर सम्पूर्ण रात्रि भंजन संध्या का आयोजन किया गया। इसमें सोहन नाथ, गिरधारीलाल प्रजापति एवं मोहनलाल प्रजापति ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस बीच मध्यरात्रि बोलियों का कार्य क्रम रखा गया जिस में समाज के बंधुओं ने बोलियाँ ली। प्रात: हवन, पूजा, आरती की गई एवं माताजी का विशाल श्रृंगार किया गया इस के बाद समाज एवं ट्रस्टी द्वारा बोली लेने वाले एवं समाज द्वारा गठीत नई कार्यकारीणी का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में पधारे सभी समाज बंधु एवं भक्तों के लिए महाप्रासदी का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर समाज के उपप्रधान प्रेमराज भाणा, अध्यक्ष मीठालाल ब्रांदणा, कोषाध्यक्ष माँगीलाल रेडवल, कैलाश सारडीवाल, मदनलाल भाणा, बाबूलाल ब्रांदणा, लालाराम कावाडीया, जस्साराम मंडावरा, गिरधारीलाल बोबरिया, गोविंद मांडवरा, भुंड़ाराम, गणपतलाल सर्डीवाल, रमेश, प्रशांत, माणक, सुरेश रेडवाल, चंपालाल एवं समस्त प्रजापति समाज बंधु उपस्थित हुए।

किसानों को संकट में डालने के बाद कर लगाने की तैयारी में बीजेपी : केटीआर

नारायणपेट, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामा राव ने मंगलवार को भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र के खिलाफ एक व्यापक अभियान चलाया, जिसमें देश में कृषक समुदाय को संकट में डालने और किसानों की आय पर करों पर विचार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष बिबेक देबरॉय ने एक लेख में किसानों की आय पर आयकर लगाने की सिफारिश की थी, उन्होंने कहा कि किसान पहले से ही बढ़ती लागत और उनकी उपज के लिए खराब कीमतों से चिंतित हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था, लेकिन इसके बजाय जब किसानों की आय घट रही है। उन्होंने पूछा कि इस पर भी भाजपा सरकार उन पर आयकर लगाने की तैयारी कर रही है, यह कैसे न्यायोचित है। मंत्री जिले में कुल 196 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सुविधाओं का उद्घाटन करने के अलावा विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास करने के बाद बोल रहे थे। अगले आम चुनावों में मोदी को महबूबनगर संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ने की भाजपा की कथित योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए, रामाराव ने पूछा कि लोगों को प्रधानमंत्री के लिए अपना वोट क्यों देना चाहिए।

तेलंगाना केंद्र सरकार से कृष्णा नदी जल बंटवारे के विवाद को हल करने और पलामुरु रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई (पीआरएलआई) योजना को राष्ट्रीय दर्जा देने की अपील कर रहा था, लेकिन केंद्र पिछले आठ वर्षों से इनकी अनदेखी कर रहा था। उन्होंने सवाल किया कि फिर लोग प्रधानमंत्री को वोट क्यों दें।

केंद्र सरकार के साथ तेलंगाना के लंबे समय से लंबित मुद्दों को उठाने में विफल रहने के लिए उन्होंने भाजपा की राज्य इकाई पर भी जमकर निशाना साधा।

वनडे में भी नंबर-1 बना भारत

तीसरे मैच में न्यूजीलैंड को 90 रन से हराया, कीवियों पर तीसरी बार क्लीन स्वीप

इंदौर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने तीसरे वनडे में न्यूजीलैंड को 90 रन से हरा दिया है। इसके साथ ही भारतीय टीम ने सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया है। इस रिजल्ट का मतलब यह है कि भारतीय टीम अब वनडे क्रिकेट में दुनिया की नंबर-1 टीम भी बन गई है। टी-20 में हम पहले से नंबर-1 हैं। टेस्ट में हमारी रैंकिंग नंबर-2 है। भारत ने तीसरी बार न्यूजीलैंड को वनडे में क्लीन स्वीप किया है। उसने 1988 और 2010 में भी ऐसा किया था। भारत ने लगातार 7वां वनडे मैच भी जीता है।

इंदौर के होलकर मैदान पर भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 385/9 का स्कोर बनाया। गिल ने 78 गेंदों पर 112 रन बनाए, जबकि रोहित ने 85 गेंदों पर 101 रन बनाए। इन दोनों के अलावा हार्दिक पंड्या ने भी अच्छी बैटिंग की। उन्होंने 38 गेंदों पर 54 रन बनाए। विराट कोहली ने बीच में 36 रन जोड़े। न्यूजीलैंड की ओर से जैकब डफी और ब्लेयर टिकनर ने 3-3 विकेट लिए।

जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 41.2 ओवर में 295 रन पर ऑलआउट हो गई। उसकी ओर से ड्वेन कॉन्वे (138 रन) ने शतकीय पारी खेली, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। कॉन्वे के अलावा हेनरी निकल्स ने 42 और माइकल ब्रेसवेल ने 26 रन बनाए। भारत की ओर से शार्दुल ठाकुर और कुलदीप यादव ने 3-3 विकेट लिए। जबकि युजवेंद्र चहल को 2 सफलता मिली। हार्दिक पंड्या और उमरान मलिक के हिस्से एक-एक विकेट आया।

पहाड़ी श्याम मंदिर, महेंद्रा हिल्स, सिकंदराबाद में आयोजित होने वाले भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में बतौर अतिथि भाग लेने के लिए विधायक टी. राजासिंह, नगर पुलिस आयुक्त सीवी आनंद तथा आयकर आयुक्त को अंमंत्रित करते हुए शयाम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट के परामर्शदाता अरुण डाकोतिया।

मंत्री तलसानी ने इसामिया बाजार में कंटी वेलुगु कार्यक्रम में शिरकत की

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीएम केसीआर की अंधापन मुक्त तेलंगाना योजना की दिशा में पूरे राज्य में कंटी वेलुगु योजना के दूसरे चरण के तहत विक्टोरिया खेल के मैदान, इसामिया बाजार, गोशामहल विधानसभा खंड में तेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। स्थानीय बीआरएस नेता नंदकिशोर व्यास बिलाल के सहयोग से आयेजित कार्यक्रम में पशुसंवर्धन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने स्थानीय बीआरएस के वरिष्ठ नेताओं, पूर्व-नगरसेवकों, पार्टी कार्यकर्ताओं और महिला नेताओं और अन्य लोगों से कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

श्री रामदेव कीर्तन संगम मंदिर ट्रस्ट द्वारा श्री रामदेव दरबार मंदिर, शिवरामपल्ली में माघ सुदी दूज के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बतौर अतिथि भाग जिये समाजसेवी गोपाल बल्देवा का सम्मान करते हुए श्यामसुंदर गिलडा, कमल जाजू, धर्मचंद, श्यामसुंदर व अन्य।

सेरिलिंगमपल्ली में की अल्वीन कॉलोनी में आयोजित सुभाष चंद्र बोस की जयंती कार्यक्रम में भाग लेते हुए क्षेत्र के भाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद।

जन ऊर्जा मंच ने मनाई नेताजी की जयंती

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जन ऊर्जा मंच ने बट्टुका कॉलेज सभागार में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती मनाई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना उच्च न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्रीमति सुरेपल्ली नंदा रहीं। विशेष अतिथियों में तेलंगाना के पूर्व एमएलसी व वरिष्ठ अधिवक्ता एन. रामचंद्र राव, विंग कमांडर (रि") ए" बी" भूषण, बट्टुका एजुकेशन सोसाइटी के प्रो. अभिरामकृष्ण, एडवोकेट डॉ. एस प्रशांत रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ धर्मगुरु व जन ऊर्जा मंच के मार्गदर्शक रामनाथ आश्रम के पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 सेवाराम जी बापजी महाराज ने गणपति भगवान् के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। तदुपरांत मुख्य अतिथि जस्टिस नन्दा द्वारा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया। जस्टिस नन्दा ने अपने उद्बोधन में नेताजी को एक महान देशभक्त, सबको साथ लेकर चलने वाले एक आदर्श लीडर, एक शौर्यवान कमांडर व एक दूरदर्शी नेता बताया और उनके बताए मार्ग पर चलने के लिये सबको प्रेरित किया।

इस अवसर पर जन ऊर्जा मंच की ओर से समाज में विशिष्ट योगदान करने वाले व्यक्तियों को नेताजी अवाड्र्स दिए गए। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एल. सुरेश गौड़ को चिकित्सा सेवाओं के लिए नेताजी चिकित्सा गौरव सम्मान, समाज में जन कल्याण के कार्य करने के लिए वीर प्रताप मारम को नेताजी समाज सेवा सम्मान, देशभक्ति- गौ सेवा-सामाजिक कार्यों के लिए डॉ. सी. श्याम सुन्दर कश्यप को नेताजी समाज गौरव सम्मान, जीवन में अनेक संघर्षों का डट कर सामना करने व समाज में अपना व्यक्तित्व स्थापित करने के लिए एडवोकेट प्रिया आयंगर को नेताजी नारी शक्ति सम्मान, पिछले 30 वर्षों से निरंतर हैदराबाद शहर में अंजान लाशों को व सरकारी अस्पतालों में लावारिस लाशों को सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार करने के लिए सत्य हरीशचंद्रफाऊंडेशन के डॉ के राजेश्वर राव व के साई किशोर को नेताजी समाज रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अपने स्वागत भाषण में जन ऊर्जा मंच की अध्यक्ष डॉ. निशीता ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की आजाद हिंद फौज को भारत की स्वतंत्रता का आधार बताया व युवाओं को उनके व्यक्तित्व से प्रेरणा लेने के लिए कहा। इस अवसर पर संस्था के मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. मनीष अग्रवाल, सलाहकार सुरेश शर्मा, श्याम गोपाल दास, भारती पटेल, मानसी पटेल, सुश्री अनिका अग्रवाल, चंदन ठाकुर, कमल सोनी, राकेश सुगंध, रिद्धेश्वरी सुगंध, पार्वती उपाध्याय, रवीन्द्र रेड्डी, राजन शर्मा , प्रवीण तीरंदास व अन्य उपस्थित रहे।

वीवीआईएसएम स्टार्टअप बिजनेस प्लान प्रतियोगिता के विजेताएं पुरस्कृत

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वीवीआईएसएम हैदराबाद ने अपनी वार्षिक व्यापार योजना प्रतियोगिता आयोजित की। वीवीआईएसएम लॉन्चपैड नामक प्रतियोगिता, पीजीडीएम कार्यक्रम के एक मुख्य पाठ्यक्रम 'उद्यमिता और स्टार्टअप प्रबंधन' के पूरा होने का प्रतीक है। आठ फाइनलिस्ट स्टार्टअप टीमों ने एक अंतरराष्ट्रीय जूरी के सामने अपना पक्ष रखा। जूरी सदस्यों ने छात्रों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया।

उद्यमशीलता धन और रोजगार पैदा करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में उद्यमिता को भी बल दिया गया है। जे. मित्रा और पी. सिंधुरा की विजेता टीम को पुस्तक पुरस्कार और प्रमाण पत्र के अलावा 30,000 रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वेस्ट टू वुड नाम के उनके स्टार्टअप आइडिया का उद्देश्य चावल की भूसी को कंप्रेस्ड बोर्ड में बदलना है। दो उपविजेता टीमों को क्रमशः 13,000 और 7,000 रुपये का नकद पुरस्कार मिला।

मार्कण्डेय जयंती बड़ी भक्ति भाव से मनाई गई

मदनूर, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय पद्मशाली समाज के नेतृत्व में मंगलवार के दिन मार्कंडेश्वर जयंती बड़ी भक्ति भाव से मनाई गई। इस मंदिर कमिटी के सदस्यों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष ही मार्कंडेश्वर मंदिर में इस जयंती के अवसर पर मंदिर में भजन कीर्तन तथा महिलाओं ने नामकरण का आयोजन किया। मंदिर परिसर में महाप्रसाद का आयोजन किया गया। स्थानीय जनता ने बड़ी संख्या में आकर महाप्रसाद का लाभ लिया। इस समय ओम महाराज, सरपंच सुरेश, उप सरपंच विट्ठल, डॉक्टर विजय, खुशाल, रमना, सुरेश, दतू रामदीनवार मनोहर कन्नावार लक्षुमान कन्नावार, उमाकांत, वेंकटेश, श्रीनिवास, संतोष, जगदीश के साथ अन्य भक्त गण उपस्थित थे।

सिकंदराबाद छावनी क्षेत्र स्थित मोंडा डिवीजन के तहत रेल निलयम, अंबेडकर में 42 लाख की नई सीवरेज लाइन के काम की आधारशिला रखते हुए विधायक जी. सायन्ना व अन्य।

मातृभाषा और राष्ट्रभाषा के प्रसार में परिवार की भूमिका विषय पर व्याख्यान संपन्न

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी की वरिष्ठ साहित्यकार सदस्य, हिंदी सलाहकार समिति, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार डॉ. अहिल्या मिश्र ने कहा कि विश्व में आज हिंदी का बड़ी तेजी से प्रसार हो रहा है। इसमें प्रवासी भारतीयों का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने भारत की संस्कृति को बचाए रखने के लिए भारत की भाषा हिंदी को अपनाया है। देश विदेश में हिंदी के प्रचार-प्रसार में रामायण और हिंदी फिल्मों की भी अहम भूमिका रही है। भारतवासी को चाहिए कि वे अपनी मातृभाषा का प्रयोग अपने परिवार में और राष्ट्रभाषा का प्रयोग अपने दैनिक कामकाज के लिए करते रहें। अंग्रेजी के प्रभाव में आकर अपनी भाषा-अपनी धरोहर को नष्ट करें। उन्होंने मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि), हैदराबाद में उद्यम की स्वर्ण जयंती के अवसर पर आयोजित किए जा रहे व्याख्यान श्रृंखला की कड़ी और विश्व हिंदी दिवस समारोह 2023 के उपलक्ष्य में मातृभाषा और राष्ट्रभाषा के प्रसार में परिवार की भूमिका विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि माँ, बेटी, मातृभाषा और राष्ट्रभाषा का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। अवसर पर मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. संजय कुमार झा ने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भारत की जनता भारतीय संस्कृति, लोकगीत और हिंदी फिल्म आदि से काफी जुड़ी हुई है। अवसर पर उद्यम के मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. उपेंदर वेन्नम, आईपीओएस ने डाक टिकट के माध्यम से हिंदी का प्रसार विषय पर व्याख्यान दिया। भारत सहित मॉरिश, फिजी, वेंडा आदि देशों में भी हिंदी दिवस, विश्व हिंदी दिवस तथा विश्व हिंदी सम्मेलनों के अवसर पर देवनागरी लिपि में डाक टिकट जारी करने का प्रचलन है।

मिधानि में स्वर्ण जयंती के अवसर पर आयोजित किए जा रहे व्याख्यान शृंखला की कड़ी और विश्व हिंदी दिवस समारोह 2023 के अवसर पर आयोजित व्याख्यान का शुभारंभ डॉ. अहिल्या मिश्र, डॉ. संजय कुमार झा व श्रीमती कल्पना झा, डॉ. उपेंदर वेन्नम व श्रीमती स्वप्ना वेन्नम द्वारा दीप प्रज्वलन व डॉ. बी. बालाजी द्वारा गणेश वंदना से किया हुआ। रोहित निगुडकर, उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) ने उपस्थित कर्मचारियों व उनके परिवार सहित गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। इस अवसर पर विशेष व्याख्यान के साथ ही मिधानि के कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों के लिए अंत्याक्षरी प्रतियोगिता और बच्चों के लिए सांस्कृतिक नृत्य, कविता पाठ, हिंदी फिल्मों पर नृत्य व गायन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। अंत्यक्षारी प्रतियोगिता में गरिमा ओझा, सहायक प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) के परिवार ने प्रथम, प्रतीक शर्मा, प्रबंधक (विपणन) के परिवार ने द्वितीय तथा अमित सिंह, प्रबंधक (विपणन) व वर्षा, कनिष्ठ प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) के परिवारों ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। इसी क्रम में अन्य प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अक्षया, प्रिया शमुखी, प्रचिती निगुडकर, अनन्य शर्मा, शसिता जैन, आत्रेयी मलिक, सान्वी दुर्गा, साई श्रद्धा, विहान वजस, प्रत्यूषा साहू, अश्विनी, मृदुला को उत्कृष्टता पुरस्कार तथा प्रतिभागी यामिनी तेजस, जागृति, पल्लवी, साहिती, त्रिशा सिंह, निहारिका, साई पूजा, दुर्गा, सृजना और बी. निहारिका को प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए। प्रतियोगिताओं के निर्णायक, बीपीडीएवी स्कूल के प्राध्यापक - संतोष, दीपाली, सिंधु, साई ज्योति, शैलजा, अपर्णा दीप्ति, रेवती, पार्वती तथा नीना साह को स्मृति चिह्न भेंट किए गए। अंत्याक्षरी प्रतियोगिता तथा कार्यक्रम का संचालन उद्यम के उप प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) डॉ. बी बालाजी ने किया। समारोह के सफल आयोजन में हिंदी विभाग की श्रीमती रत्नकुमारी, वरि. कार्य. अधी. का सक्रिय सहयोग रहा।

जाट समाज ट्रस्ट अध्यक्ष दूदाराम बाबल राष्ट्रीय गौरव पुरुस्कार से सम्मानित

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दिल्ली स्थित एक शाम श्री शनिधाम गौशाला के नाम कार्यक्रम में बत्तौर सम्मानित अतिथि तेलंगाना प्रवासी समाजसेवी, उद्यमी जाट समाज ट्रस्ट अध्यक्ष दूदाराम बाबल का कार्यक्रम में पधारे मध्यप्रदेश गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा, अ.भा.अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविन्द्रपुरी, आयोजक दाती महाराज द्वारा सम्मान के रुप मे स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र, राजस्थानी पगड़ी व शॉल उड़ाकर राष्ट्रीय गौरव पुरुस्कार से सम्मानित किया।

वसंतोत्सव के संबंध में रामंतापुर में बैठक संपन्न

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सरस्वती पूजा समिति रामंतापुर के तत्वावधान में रामतापुर में बैठक संपन्न हुई, जिसमें गंगा भवानी मंदिर, रामतापुर के ग्राउंड में 26 जनवरी को झंडोत्तोलन और सरस्वती पूजन धूम-धाम से मनाने का फैसला लिया गया। इस अवसर पर झंडोत्तोलन, सरस्वती पूजन, निराला जयन्ती, अक्षराभ्यास, अन्नदानम एवं मधुर भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर पूजा को सफल बनाने के लिए कई विभाग बनाया गया एवं संबंधित सदस्य को सोपा गया। बैठक में समिति परिवार के सुरेश सिंह, रामप्रकाश गुप्ता, भगवान सिंह, पंकज झा, कमलेश पांडेय, अजय शर्मा, सुनील सिंह, मंजूनाथ गुप्ता, पवन सिंह, राजू राय, राजीव कुमार, बाबा, राजेश शर्मा, सुरेश पासवान हरेन्द्र चौबे, उदय शर्मा, शिव कुमार, संतोष गुप्ता धनंजय शर्मा, पप्पू सिंह, अनिल झा, विजय शर्मा, राज कुमार, श्रवण शर्मा, शत्रो सिंह एवं अन्य ने अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

तीसरे वनडे : रोहित शर्मा और शुभमन गिल के शतक

रोहित का शतक
रन: 101 | गेंद: 85
स्ट्राइक रेट: 118.82
4/6: 9/6

गिल की सेंचुरी
रन: 112 | गेंद: 78
स्ट्राइक रेट: 143.59
4/6: 13/5

इंदौर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल के शतकों की मदद से टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में 385/9 का स्कोर बनाया। गिल ने 78 गेंदों पर 112 रन बनाए जबकि रोहित ने 85 गेंदों पर 101 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा हार्दिक पंड्या ने भी अच्छी बैटिंग की। उन्होंने 38 गेंदों पर 54 रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से जैकब डफी और ब्लेयर टिकनर ने 3-3 विकेट लिए।

26 ओवर में भारत का स्कोर बिना विकेट खोए 212 रन था। तभी रोहित आउट हुए। इसके कुछ देर बाद शुभमन गिल भी पवेलियन लौट गए। विराट कोहली (36), ईशान किशन (17) और सूर्यकुमार यादव (14) ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक सके। हार्दिक और शार्दूल ठाकुर ने सातवें विकेट के लिए 54 रन जोड़कर भारत को फिर ट्रैक पर वापस लौटाया।

यह वनडे क्रिकेट में भारत का न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। टीम इंडिया ने इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर 8 मार्च 2009 को क्राइस्टचर्च में बनाया था। तब भारत ने 50 ओवर में 4 विकेट पर 392 रन बनाए थे।

रोहित-गिल ने दिलाई मजबूत शुरुआत

कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने टीम इंडिया को मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों 157 गेंदों पर 212 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप की। रोहित ने अपने वनडे करियर का 30वां शतक बनाया। तो गिल ने छठी सेंचुरी पूरी की। कप्तान रोहित के बल्ले से तीन साल बाद वनडे शतक आया है। तो गिल ने पिछले चार मैचों में तीसरी सेंचुरी जमाई है। 2019 के बाद से भारत के दोनों ओपनर्स ने शतक जमाए हैं। इससे पहले रोहित और राहुल ने ऐसा किया था।

विनेश-साक्षी-पूनिया सरकार के फैसलों से नाखुश

रेसलर्स बोले- ओवरसाइट कमेटी पर हमसे नहीं ली सलाह

बजरंग ने कहा- डब्ल्यूएफआई में 28 रेफरी नौसिखिए

पानीपत, 24 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण के आरोप लगाने वाले रेसलर्स ने अब केंद्रीय खेल मंत्रालय की ओर से बनाई गई ओवरसाइट कमेटी पर सवाल उठाए हैं। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष के खिलाफ दिल्ली में धरना देने वाले पहलवानों की अगुआई करने वाली रेसलर विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक ने मंगलवार दोपहर ट्वीट कर इस बारे में अपनी आपत्ति जताई।

विनेश और पूनिया ने दोपहर 3 बजे एक साथ ट्वीट किए जबकि साक्षी ने दोपहर 3.40 बजे अकेले ट्वीट किया। तीनों पहलवानों ने एक ही मैसेज ट्वीट किया। तीनों ने लिखा- हमें आश्वासन दिया गया था कि ओवरसाइट कमेटी के गठन से पहले हमसे परामर्श किया जाएगा। बड़े दुख की बात है कि इस कमेटी के गठन से पहले हमसे राय भी नहीं ली गई।तीनों ही रेसलर्स ने अपने ट्वीट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर को टैग भी किया है।

खेल मंत्रालय ने मैरीकॉम की अगुवाई में बनाई ओवरसाइट कमेटी

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने 20 जनवरी को डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष के खिलाफ धरना देने वाले पहलवानों के साथ नई दिल्ली में अपने सरकारी आवास पर मीटिंग की थी। देर रात तक चली इस मीटिंग के बाद अनुराग ठाकुर ने पहलवानों के साथ मीडिया के सामने आकर कहा कि खेल मंत्रालय पूरे विवाद की जांच के लिए कमेटी बनाएगा जो 4 हफ्ते में रिपोर्ट देगी। कमेटी की जांच पूरी होने तक बृजभूषण सिंह डब्ल्यूएफआई का कामकाज नहीं देखेंगे। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के तीसरे दिन, 23 जनवरी को अनुराग ठाकुर ने पांच मेंबरी ओवरसाइट कमेटी बनाने की जानकारी देते हुए उसके सदस्यों के नाम का ऐलान किया। कमेटी का प्रमुख विश्व चैंपियन मुक्केबाज मैरी कॉम को बनाया गया जबकि इसके सदस्यों में ओलंपिक मेडल विजेता रेसलर योगेश्वर दत्त, द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित तृप्ति मुरगुंडे, टॉप्स सीईओ राजगोपालन और राधा श्रीमन शामिल हैं।

> जब हम भारत के लिए मेडल जीतते हैं तो हर कोई जश्न मनाता है लेकिन उसके बाद किसी को हमारी परवाह नहीं होती। फेडरेशन भी हमारे साथ बुरा व्यवहार करता है।
>
> **बजरंग पूनिया,** *ब्रॉन्ज मेडलिस्ट टोक्यो ओलिंपिक 2020*

अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह कमेटी डब्ल्यूएफआई का कामकाज देखेगी। अब पहलवानों ने खेल मंत्रालय की इसी ओवरसाइट कमेटी के गठन को लेकर किसी तरह की कोई चर्चा न किए जाने पर सवाल उठाए हैं।

विनेश ने कहा- सत्य को परेशान किया जा सकता है, पराजित नहीं

उधर अनुराग ठाकुर से हुई मीटिंग के बाद तीन दिन पहलवानों ने किसी से कोई बातचीत नहीं की। मंगलवार सुबह विनेश फोगाट ने एक के बाद एक 2 ट्वीट किए जिसके बाद मामला फिर गर्मा गया। विनेश ने पहले ट्वीट में लिखा- सत्य को परेशान किया जा सकता है, लेकिन पराजित नहीं। इसके बाद उनका दूसरा ट्वीट आया- मुकाम बड़ा हो तो हौसलों में बुलंदी रखना।

यूजर्स की अलग-अलग राय

इस मामले को लेकर यूजर्स भी रेसलर्स का हौसला बढ़ा रहे हैं। कुछ यूजर्स का कहना है- विनेश, आप आयरन लेडी हो, जीत अवश्य ही मिलेगी। वहीं, कुछ यूजर ने लिखा कि सत्य आरोप लगाकर सबूत भी देता है। आपको सबूत देने के साथ आरोपी के खिलाफ FIR भी करवानी चाहिए थी।

बजरंग ने अर्जुन अवॉर्डी कोच के आरोपों का किया समर्थन

बजरंग पूनिया ने भी मंगलवार सुबह 11:39 बजे पहला ट्वीट किया। इसमें उन्होंने अर्जुन अवॉर्डी कुश्ती कोच कृपाशंकर बिश्नोई के आरोपों का समर्थन किया है। कोच बिश्नोई ने अपने आरोपों में कहा है कि कुश्ती में कई गड़बड़ियां हैं, मैंने भी शिकायत की थी, मगर सुनवाई नहीं हुई। बिश्नोई ने 17 दिसंबर 2022 को भारतीय कुश्ती संघ को मेल के जरिए 28 रेफरी के नाम सहित जानकारी दी थी और उन्हें नौसिखिया कहा था। उन्होंने कुश्ती के नए नियमों पर भी सवाल खड़े किए थे, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया। नियमों को लेकर जब उन्होंने आपत्ति दर्ज करवाई तो उन्हें हटा दिया गया था।

बिश्नोई ने कहा था कि यहां चहेतों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। खिलाड़ियों का तो लंबा-चौड़ा नुकसान हो चुका है क्योंकि फेडरेशन के सहायक सचिव विनोद तोमर चेहरा देखकर तय करते हैं कि आपकी उम्र क्या है? वे जन्म प्रमाण पत्र को नहीं मानते। 3-4 साल पहले ही जन्म प्रमाण पत्र का नियम लागू हुआ है। कोई खिलाड़ी इसे बनवाकर लाता है तो इसे गलत माना जाता है।

सानिया-बोपन्ना की जोड़ी ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में

मिक्स्ड डबल्स के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मिला वॉकओवर

मेलबर्न, 24 जनवरी (एजेंसियां)। आखिरी ग्रैंड स्लैम खेली रहीं भारतीय स्टार सानिया मिर्जा और रोहन बोपन्ना की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन की मिक्स्ड कैटेगरी के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारतीय जोड़ी को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में स्पेन के वेगा हर्नांडेज और लाटविया के जेनेना ओस्तापेंको ने वॉकओवर दिया। सेमीफाइनल मुकाबला 26 जनवरी को होगा।

भारतीय जोड़ी ने प्री क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उरुग्वे के एरियल बेहर और माकोटो निनोमिया की जोड़ी 6-4 7-6 से हरा कर क्वार्टरफाईनल में प्रवेश किया था। एक घंटे 17 मिनट चले इस मुकाबले के पहले सेट में भारतीय हावी रहे थे। उसके बाद उरुग्वे-जापानी जोड़ी ने कमाल की

चुनौती पेश की, हालांकि यह जोड़ी मुकाबले को आखिरी सेट तक नहीं ले सकी। बोपन्ना-मिर्जा ने 6 साल पहले 2017 में फ्रेंच ओपन का मिक्स्ड डबल्स खिताब जीता था। साल के पहले ग्रैंड स्लैम की बात करें तो ऑस्ट्रेलियन ओपन में मिर्जा महेश भूपति के साथ 2009 में चैंपियन बनी थीं।भारतीय जोड़ी ने राउंड ऑफ 16 के इस मुकाबले का पहला सेट आसानी से जीत लिया। इसका स्कोर 6-4 रहा। दूसरे सेट में उरुग्वे-जापानी जोड़ी ने मिर्जा-बोपन्ना को जबर्दस्त चुनौती दी। मुकाबला टाइब्रेकर तक गया, हालांकि जीत भारतीयों के पक्ष में रही। इसका स्कोर 7(11)-6 (9) रहा। रियो ओलिंपिक की सेमीफाइनलिस्ट भारतीय जोड़ी ने दो दिन पहले वाइल्ड कार्ड एंट्री प्राप्त ऑस्ट्रेलिया की जैमी फोरलिस और ल्यूक सैविल को एक घंटे 14 मिनट में 7-5, 6-3 से हराया था।

साल के पहले ग्रैंड स्लैम के 7वें दिन भारतीय स्टार सानिया मिर्जा अपनी जोड़ीदार एना डानिलिना के साथ दूसरे दौर में उलटफेर का शिकार हुई। भारत-कजाख की 8वीं सीड जोड़ी को बेल्जियम की एलिसन वान उइतवैंक और यूक्रेन की एनहेलिना कलिनिना की गैरवरीय जोड़ी ने 4-6, 6-4, 2-6 से हराया। यह मुकाबला करीब 2 घंटे तक चला। सानिया मिर्जा और एना डेनिलिना ने डालमा गल्फी और बर्नार्डा पेरा की हंगरी-अमेरिकी जोड़ी को हराकर महिला युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया था।

मोहम्मद शमी को पत्नी को गुजारा भत्ता देने का आदेश

हर महीने 1 लाख 30 हजार रुपए देने होंगे, दोनों 2018 से अलग रह रहे हैं

कोलकात, 24 जनवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को उनकी पत्नी हसीन जहां को हर महीने गुजारा भत्ता देना होगा। कोलकाता के लोअर कोर्ट ने सोमवार को यह आदेश सुनाया। यह राशि 1 लाख 30 हजार रुपए होगी। इसमें 50 हजार रुपए हसीन जहां को और 80 हजार रुपए उनकी बेटी के खर्चे के शामिल हैं। दोनों 2018 से अलग-अलग रह रहे हैं और तलाक का केस चल रहा है।

हसीन जहां ने 2018 में 10 लाख रुपए के मासिक गुजारा भत्ता की मांग करते हुए अदालत में एक मुकदमा दायर किया था। इसमें 7 लाख रुपए उनका व्यक्तिगत गुजारा भत्ता और 3 लाख बेटी के भरण पोषण का खर्च था।

हसीन जहां की शमी से मुलाकात साल 2011 में हुई। उस दौरान वे आईपीएल टीम कोलकाता नाईट राइडर्स के लिए चीयरलीडिंग करती थी। दोनों की शादी साल 2014 में हुई। हसीन जहां ने शादी के बाद मॉडलिंग और एक्टिंग छोड़ दी थी। जहां ने 2018 में शमी पर घरेलू हिंसा और मैच फिक्सिंग सहित कई आरोप लगाए थे। इसके बाद से दोनों अलग-अलग रहने लगे और तभी से तलाक का केस चल रहा है। 2018 में हसीन जहां ने फिर से अपने प्रोफेशन में कदम रखा।

हसीन की वकील मृगांका मिस्त्री ने अदालत को बताया कि 2020-21 में शमी की सालाना आय 7 करोड़ रुपए थी। उसी के आधार पर गुजारा भत्ता की मांग की गई। इनकी दलील थी कि 10 लाख रुपए गुजारा भत्ता अनुचित नहीं है। अपील में शमी के आयकर रिटर्न का हवाला भी दिया गया। इस पर शमी के वकील सेलिम रहमान ने दावा किया कि हसीन जहां खुद एक पेशेवर फैशन मॉडल हैं।

स्वातेक और कोको गॉफ उलटफेर की शिकार

खेल डेस्क, 24 जनवरी (एजेंसियां)। कोको गॉफ पर जेलेना ओस्तापेंको की जीत और इगा स्वातेक को एलिना राइबकिना के खिलाफ मिली हार से ऑस्ट्रेलियन ओपन के फैंस काफी निराश हैं। हार के बाद इंटरव्यू रूम में कोको गॉफ की आंखों में आंसू थे और उन्होंने चौथे राउंड में मिली हार का अफसोस जताया। इस ग्रैंड स्लैम के आयोजक भी निराश होंगे। वर्ल्ड नंबर-1 स्वातेक की हार के करीब 30 मिनट बाद ही गॉफ की भी विदाई हो गई थी। इन दोनों के नाम पर ही ब्रॉडकास्टर्स और मार्केटर्स ने अपनी इन्वेंटरी बेची थी। हालांकि, ग्रैंड स्लैम की महिला कैटेगरी में यह नई घटना नहीं है। डब्ल्यूटीए टूर के दौरान महिला खिलाड़ियों के बीच राइवलरी का पता करना मुश्किल होता है।

मोहम्मद आमिर के पास इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी का मौका

पीसीबी चेयरमैन नजम सेठी ने कहा - अगर रिटायरमेंट वापस लेते हैं तो नेशनल टीम के दरवाजे खुले

खेल डेस्क, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष नजम सेठी ने कहा की पूर्व पाकिस्तानी पेसर आमिर राष्ट्रीय टीम में वापसी कर सकते हैं। 30 वर्षीय तेज गेंदबाज ने पाकिस्तान क्रिकेट मैनेजमेंट के उनके प्रति बुरे बर्ताव के कारण संन्यास ले लिया था। हालांकि, रमीज राजा के जाने के बाद से आमिर को सेठी का बहुत समर्थन मिला है।

हाल ही में मीडिया से बातचीत में सेठी ने कहा, 'मोहम्मद आमिर अगर संन्यास वापस ले लेते हैं तो पाकिस्तान के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेल सकते हैं। उनपर लगे मैच फिक्सिंग केस को लेकर सेठी ने कहा कि, मैं हमेश मैच

फिक्सिंग के खिलाफ रहा हूं। फिक्सिंग करने वाले को बिलकुल भी बख्शा नहीं जाना चाहिए। लेकिन वो खिलाड़ी वापसी कर सकते है जिन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली है।

पांच साल ससपेंड रहे थे आमिर

2010 में इंग्लैंड में स्पॉट फिक्सिंग कांड में शामिल होने के कारण आमिर पर पांच साल का बैन लगा दिया गया था। साल 2015 में आमिर ने इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अभी उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी का फैसला अभी नहीं लिया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने 2009 में इंग्लैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान के लिए 36 टेस्ट, 61 वनडे और 50 टी20 मैच खेले। फिलहाल वे बांग्लादेश प्रीमियर लीग में सिलहट स्ट्राइकर्स के लिए खेल रहे हैं।

टीम इंडिया की विभाजित कप्तानी से द्रविड़ का इंकार

पंड्या को टी-20 कप्तान बनाने की चर्चाओं पर बोले- मुझे इसकी जानकारी नहीं

इंदौर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया फिलहाल एक ही कप्तान की लीडरशिप में खेलेगी। भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के तीसरे वनडे मुकाबले से पहले भारतीय कोच राहुल द्रविड़ ने यह साफ कर दिया है कि भारत विभाजित कप्तानी (स्पिलिट कैप्टेंसी) की पॉलिशी नहीं अपनाएगा। सोमवार को मैच से पहले जब उनसे स्पिलिट कैप्टेंसी के बारे में पूछा गया तो द्रविड़ ने कहा- 'मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।' पिछले साल एशिया कप और टी-20 वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि भारतीय टीम इंग्लैंड की तर्ज पर विभाजित कप्तानी (स्पिलिट कैप्टेंसी) की पॉलिसी अपनाएगी। कुछ रिपोर्ट में यह कहा गया था कि बोर्ड व्हाइट और रेड बॉल के लिए अलग-अलग कप्तान नियुक्त कर सकता है। यह रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया था कि हार्दिक पंड्या टी-20 टीम के स्थायी कप्तान बनाए जा सकते हैं। टी-20 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल हारने के बाद से हार्दिक पंड्या भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे हैं।

उन्होंने अपनी कप्तानी में न्यूजीलैंड को उसके घर में दो मैचों की सीरीज में 1-0 और श्रीलंका को अपने घर में 3 मैचों की सीरीज में 2-1 से हराया था। वे 27 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू हो रही टी-20 सीरीज में भी भारतीय टीम के कप्तान है। जब द्रविड़ से पूछा गया कि रोहित की गैरमौजूदगी में हार्दिक टी-20 टीम की कप्तानी कर रहे हैं।

क्या मैनेजमेंट उन्हें भविष्य के कप्तान के दावेदार के तौर पर देख रहा है? इस सवाल के जवाब पर राहुल द्रविड़ ने कहा- 'मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। यह सवाल चयनकर्ताओं से पूछना चाहिए। फिलहाल मुझे ऐसा कुछ भी नहीं लग रहा।' टीम इंडिया के खिलाड़ियों के ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले रणजी खेलने के सवाल पर द्रविड़ ने कहा, 'हम चाहते थे कि खिलाड़ी खेलें, लेकिन यह हमारे लिए यह मुश्किल फैसला था। हम किसी को छोड़ नहीं सकेंगे।

क्या शास्त्री की बात मानेंगे विराट-रोहित: पूर्व कोच ने दोनों को दी रणजी खेलने की सलाह, ताकि स्पिन के खिलाफ बैटिंग सुधरे

खेल डेस्क, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री की ओर से सलाह आई कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों को इस वनडे की जगह अपनी-अपनी घरेलू टीमों के लिए रणजी मैच खेलना चाहिए। अगले महीने से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू हो रही है। इस सीरीज की प्रैक्टिस के लिए रणजी मैच खेलना अच्छा उपाय हो सकता है।

विराट और रोहित यह सलाह मानेंगे या नहीं यह हमें अगले कुछ घंटों में पता चल ही जाएगा। अब तक इसको लेकर खिलाड़ियों का बीसीसीआई का कोई बयान आया नहीं है। इससे यही उम्मीद है कि हमारे स्टार वनडे को ही तरजीह देंगे। हालांकि, बैटिंग का एक पहलू जरूर ऐसा है जिससे आधार पर लगता है कि दोनों सितारों को घरेलू मैच जरूर खेलना चाहिए। विराट और रोहित दोनों ही हाल के समय घरेलू पिचों पर स्पिन के खिलाफ लड़खड़ाने लगे हैं। पिछले दो वनडे मैच को ही याद कीजिए। विराट को मिचेल सैटनर की गेंद समझ नहीं आ रही थी।

इस स्टोरी में हम पहले तो स्पिनर्स के खिलाफ विराट और रोहित की भारतीय पिचों पर पिछले दो साल के रिकॉर्ड को देखेंगे। फिर यह समझने की कोशिश करेंगे कि ये दोनों घरेलू क्रिकेट में क्यों नहीं खेलते हैं?. आमतौर पर ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए

भारत में स्पिन ट्रैक बनाए जाते हैं। घूमती गेंदें विदेशी बल्लेबाजों को कन्फ्यूज करती हैं। हम उम्मीद करते हैं कि इन पिचों पर हमारे बल्लेबाज दुनिया के किसी भी स्पिनर को अच्छा खेल लेंगे और हम सीरीज जीत लेंगे। घर में स्पिन पिच बनवाने का फैसला हमें रास भी आता रहा है। 2012 के बाद भारतीय टीम घरेलू पिचों पर कोई टेस्ट सीरीज नहीं हारी है। आप कहेंगे कि जब लगातार जीत ही रहे हैं तो फिर विराट और रोहित को लेकर डिबेट ही क्यों? डिबेट इसलिए है क्योंकि स्पिनर्स के सामने ये लगातार फेल हो रहे हैं। हाल-फिलहाल ऋषभ पंत अपनी शानदार बैटिंग से इनकी विफलताओं को ढक लेते थे। इस बार पंत नहीं हैं। इसलिए भारतीय टॉप ऑर्डर के पास फेल होने का ऑप्शन नहीं है। रोहित शर्मा : साल 2020 से अब तक भारत में खेले टेस्ट मैचों में कुल 9 बार आउट हुए हैं। इसमें से 6 बार उन्हें स्पिनर्स ने आउट किया है। इन 6 में 5 बार रोहित को लेफ्ट आर्म स्पिनर ने आउट किया है। सबसे ज्यादा जैक लीच ने चार बार आउट किया है।

विराट कोहली: 2022 से अब तक देश में खेले टेस्ट मैचों में 11 बार आउट हुए हैं। 9 बार स्पिनर्स ने आउट किया। इनमें से 5 दफा लेफ्ट आर्म स्पिनर और 4 बार राइट आर्म स्पिनर ने आउट किया है। स्पिनर्स में मोइन अली ने सबसे ज्यादा 2 बार आउट किया है। इसके पीछे बहुत ज्यादा क्रिकेट को कारण बताया जाता है। यह कहा जाता है कि भारतीय खिलाड़ी, खासकर विराट और रोहित ऑल फॉर्मेट प्लेयर्स हैं।

एसएसके समाज रहीमपुरा द्वारा अंबेडकर ग्राउंड रहीमपुरा में आयोजित एसएसके सीएल-4 क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन कार्यक्रम में विजेता टीम को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. अंजनेया गौड़, गद्दाम श्रीनिवास यादव, कॉर्पोरेटर शशिकला, लाल सिंह, समाजसेवी गोविंद राठी, तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष नगरी लक्ष्मीनारायण, महासचिव कटिघर शंकर राव, शिव रतन, एच. कुमार व अन्य।

तेलंगाना को केंद्र की सहायता पर तैयार की जा रही है रिपोर्ट : किशन रेड्डी

सत्तासीन दल पर लगाया केंद्र के खिलाफ झूठ फैलाने का आरोप

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि वे केंद्र सरकार द्वारा तेलंगाना राज्य को दी गई वित्तीय सहायता पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। शहर में पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वे प्रदेश के प्रमुख लोगों को आमंत्रित कर उनकी रिपोर्ट पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को स्थानीय गणमान्य लोगों को आमंत्रित करना चाहिए और उन्हें बताना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राज्य में कितनी प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता हर जिले में 1000 लोगों को आमंत्रित कर उन्हें पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दें। उन्होंने कहा कि इसी तरह के कार्यक्रम मंडल स्तर पर होने चाहिए।

रेड्डी ने कहा कि वे वामपंथी विचारधारा वाले लोगों को भी अपनी बैठकों में आमंत्रित करेंगे और उन्हें समझाएंगे कि केंद्र ने क्या किया है और कैसे राज्य अपने पावर प्वाइंट के माध्यम से तेलंगाना में केंद्र प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन में केंद्र को अपना सहयोग नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने बिजली परियोजनाओं को दिए जा रहे कुल ऋण का 16 प्रतिशत दिया है।

सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी पर निशाना साधते हुए रेड्डी ने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष उनकी सरकार के बारे में झूठ फैला रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष उनके खिलाफ दुष्प्रचार कर रहा है जबकि वे राज्य और देश के एससी और एसटी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने एससी और एसटी छात्रों का डेटा उपलब्ध नहीं कराया, जब केंद्र ने यह कहते हुए कहा कि वह छात्रों के बैंक खातों में सीधे छात्रवृत्ति राशि का भुगतान करने के लिए उनके सभी रिकॉर्ड को डिजिटल बनाना चाहता है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार तेलंगाना में साइंस सिटी की स्थापना के लिए 25 एकड़ जमीन आवंटित नहीं कर रही है क्योंकि इससे बीजेपी का नाम होगा और कहा कि आवंटन नहीं होने के कारण साइंस सिटी की स्थापना में भारी देरी हुई है। ज़मीन का। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वारंगल में रेलवे ओवरहालिंग कोच की स्थापना के लिए भूमि के आवंटन में सत्तारूढ़ दल ने उनके लिए उन्हें जमीन का आवंटन करने में बहुत सारी समस्याएं पैदा कीं और कहा कि चेलापल्ली में एक संपर्क सड़क का काम तीन साल से ठप पड़ा हुआ है।

आगे बोलते हुए, रेड्डी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के सामने भूमि के आवंटन के लिए बहुत सारी समस्याएं पैदा कर रही है और कहा कि भूमि का आवंटन न होने के कारण 1300 किलोमीटर लंबे काम रुके हुए हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के निर्माण के लिए राज्य सरकार को 100 प्रतिशत धन देना चाहिए, उन्होंने कहा कि केंद्र की खराब वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार कुल धन का 50 प्रतिशत देने पर सहमति हुई है।

मुख्यमंत्री केसीआर 17 फरवरी को करेंगे नए सचिवालय भवन का उद्घाटन

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव 17 फरवरी को नवनिर्मित राज्य सचिवालय भवन परिसर का उद्घाटन करेंगे। सड़क और भवन मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने मंगलवार को बताया कि नवनिर्मित डॉ. बीआर अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय भवन का उद्घाटन वैदिक पंडितों द्वारा निर्धारित समय के अनुसार सुबह 11.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे के बीच किया जाएगा।

सचिवालय के उद्घाटन से पूर्व वैदिक विद्वानों के मार्गदर्शन में वास्तु पूजा, चंडी यज्ञ, सुदर्शन यज्ञ आदि कराये जायेंगे। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री व डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रतिनिधि के रूप में डॉ. बीआर अंबेडकर के पौत्र प्रकाश अंबेडकर समेत अन्य गणमान्य लोग भाग लेंगे। सचिवालय के उद्घाटन के बाद सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में एक विशाल जनसभा का आयोजन किया जाएगा। मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने कहा कि केसीआर तमिलनाडु और झारखंड के मुख्यमंत्रियों और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ जनसभा में शामिल होंगे।

नकली शैक्षिक प्रमाण पत्र बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश, सात आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा की पुलिस ने नकली शैक्षिक प्रमाण पत्र बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। गिरोह में शामिल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। राचकोंडा के पुलिस ऑयुक्त डीएस चौगान ने बताया कि विश्वसनीय सूचना पर, चैतन्यपुरी पुलिस के साथ स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी), एलबी नगर जोन की टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सीपी ने बताया कि इस मामले में प्रमुख आरोपी वारंगल का रहने वाला अकुला रवि अविनाश फरार है। जबकि पुलिस टीम ने चिंताकयाला वेंकटेश्वरुलु, कोंड्रे नवीन कुमार, गंडिकोटा ज्योति रेड्डी, गोपिनिगरी विशाली, पेड्डुकोटला अभिलाष कुमार, बिलाकांति कल्याण, सोनुपरी विजय कुमार को गिरफ्तार किया है। सीपी ने बताया कि आरोपी चिंतकयाला वेंकटेश्वरुलु पहले संवाददाता के रूप में काम करते थे और दो निजी कॉलेज चला रहे थे। बाद में दोनों कॉलेज बंद कर दिया गया। कॉलेज की वित्तीय समस्याओं के कारण और वर्तमान वह रियल एस्टेट व्यवसाय कर रहा है। वह अकुला रवि अविनाश के संपर्क में आया। रवि नकली शैक्षिक प्रमाणपत्रों का मुख्य आपूर्तिकर्ता है। उसने अकुला रवि अविनाश से संपर्क किया और उसके साथ काम करने की इच्छा जताई क्योंकि उसे नुकसान हुआ था। इस पर रवि अविनाश ने उसे प्रेरित किया कि वह कम समय में बड़ी आसानी से पैसा कमा सकता है और फर्जी प्रमाण पत्र देने का वादा भी किया। रवि अविनाश की सलाह के अनुसार वह अपने दोस्तों के माध्यम से ड्रापआउट और जरूरतमंद व्यक्तियों की सूची एकत्र करता था। उम्मीदवारों को फर्जी शैक्षिक प्रमाण पत्र प्रदान कर प्रत्येक व्यक्ति से भारी धनराशि वसूल कर वह रवि अविनाश को देता था। चिंतकयाला वेंकटेश्वरुलु के कबूलनामे के अनुसार, आरोपी अकुला रवि अविनाश छात्रों को उनके नाम की पुष्टि के लिए डुप्लीकेट/फर्जी वेबसाइट में एक लिंक प्रदान कर रहा है। इसके अलावा, आरोपी रवि अविनाश और चिंताकयाला वेंकटेश्वरुलु फर्जी इंजीनियरिंग, डिग्री, इंटरमीडिएट सर्टिफिकेट बना रहे हैं और उन उम्मीदवारों को बेच रहे हैं जो विदेशों में पढ़ना चाहते हैं या भारत में विभिन्न निजी कंपनियों में नौकरी करना चाहते हैं। बताया जाता है कि आरोपी की मदद से फर्जी सर्टिफिकेट हासिल करने वाले कुछ छात्र भारत और विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें से कुछ सॉफ्टवेयर जॉब कर रहे हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों के कबूलनामे के अनुसार, अब तक वे (100) से अधिक छात्रों को फर्जी शैक्षिक प्रमाण पत्र प्रदान कर चुके हैं। एसओटी, एलबी नगर जोन टीम ने चैतन्यपुरी पुलिस के साथ लक्ष्मी नगर कॉलोनी, चैतन्यपुरी, हैदराबाद के घर के पास छापा मारा और सभी आरोपी व्यक्तियों को पकड़ा और तथा भारी मात्रा में नकली प्रमाण पत्रों को जब्त कर लिया।

राजभवन में गणतंत्र दिवस मनाने का फैसला अपमानजनक : कांग्रेस

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी. निरंजन ने आज कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राजभवन में ही गणतंत्र दिवस मनाने का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस एक राष्ट्रीय पर्व है और यह लोगों को अपमानित करने के अलावा और कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि यह स्वतंत्रता आंदोलन की भावना के खिलाफ है।

गांधी भवन से आज जारी एक प्रेस नोट में निरंजन ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय पर्व हैं। इन समारोहों में हजारों लोग शामिल होते हैं। सभी लोग इन त्योहारों को गरिमा, शील और उल्लास के साथ मनाते हैं। आजादी के बाद से इसे दिल्ली के लाल किले और सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में मनाने की परंपरा रही है। पूर्व में परेड मैदान में गणतंत्र दिवस परेड में विभिन्न सरकारी विभागों की कई प्रभावशाली झांकी वाहनों में भाग लिया जाता था।

केसीआर के मुख्यमंत्री बनने के बाद, उन्होंने धीरे-धीरे इन राष्ट्रीय त्योहारों के महत्व को कम कर दिया और इन त्योहारों का स्थान परेड ग्राउंड से गोलकुंडा और सार्वजनिक उद्यानों में स्थानांतरित कर दिया गया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य सरकार ने गणतंत्र दिवस समारोह को राजभवन तक सीमित रखने का निर्णय लिया। बीजेपी और बीआरएस के बीच मतभेद राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच मतभेद में बदल गए हैं। यह अफ़सोस की बात है कि वे एक-दूसरे को नहीं देख रहे हैं। यह स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय त्योहारों के समारोह को प्रभावित करता है। जो लोग संवैधानिक पदों पर हैं उन्हें लोगों का मार्गदर्शन करने के लिए संयमित व्यवहार करना चाहिए। व्यक्तियों और राजनीतिक दलों के बीच राजनीतिक और व्यक्तिगत मतभेदों को समारोहों में बाधा नहीं डालनी चाहिए। अगर संवैधानिक व्यवस्था में लोगों का विश्वास खत्म होता है, तो यह अराजकता की ओर ले जाएगा।

कालेश्वरम योजना ने सिद्दीपेट के परिदृश्य को बदला : हरीश राव

सिद्दीपेट, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि सिंचाई विभाग अब सिद्दीपेट जिले के दो मंडलों में रंगनायक सागर की बायीं नहर के तहत 70,000 एकड़ में सिंचाई का पानी उपलब्ध कराने में सक्षम है।

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के दिमाग की उपज, कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना, ने सिद्दीपेट के परिदृश्य को बदल दिया है, क्योंकि आठ साल की छोटी अवधि में लाखों एकड़ सिंचाई के तहत लाया गया था, उन्होंने मंगलवार को रंगनायक सागर की बाईं नहर के फाटकों को उठाने के बाद कहा कि चिन्नाकोदुरु के पास केएलआईएस के हिस्से के रूप में नारायणरावपेट और चिन्नाकोदुरु मंडलों की सिंचाई जरूरतों को पूरा करने के लिए 100 क्यूसेक पानी देने के लिए तैयार है। श्री राव ने कहा कि सिंचाई विभाग बाईं नहर के तहत किसानों की मांग के आधार पर बहिर्वाह बढ़ाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि विभाग ने नारायणरावपेट और चिन्नाकोदुरु मंडलों में मुख्य बाईं नहर, वितरण नहर, छोटी नहरों और उप-लघु नहरों का काम भी पूरा कर लिया है, जिससे इन दो मंडलों में 70,000 एकड़ में सिंचाई के पानी की आपूर्ति हो सकेगी। अकेले 41 टैंक और चेक डैम थे, जिन्हें लेफ्ट कैनाल से पानी छोड़ कर पूरा भर दिया जाएगा। परियोजना में 3 टीएमसी फिट की कुल भंडारण क्षमता के मुकाबले 2.64 टीएमसी फिट पानी है। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष वी रोजा शर्मा, अधीक्षण अभियंता बसवराज, कार्यकारी अभियंता गोपालकृष्ण राव, एई पब्बाथी राम रेड्डी और अन्य उपस्थित थे।

प्रसव के लिए सरकारी अस्पतालों में जाएं : स्वास्थ्य मंत्री

सिद्दीपेट, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने सिद्दीपेट जिले की महिलाओं से निजी अस्पतालों में जाने के बजाय प्रसव के लिए सरकारी अस्पतालों में जाने का आह्वान किया, जो उनसे अत्यधिक शुल्क लेते हैं।

मंत्री मंगलवार को यहां सिद्दीपेट में 20 शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को तिपहिया टीवीएस मोपेड, 47 लाभार्थियों को 17.16 लाख रुपये के सीएमआरएफ चेक और 134 महिलाओं को 1.34 करोड़ रुपये के कल्याण लक्ष्मी चेक वितरित करने के बाद बोल रहे थे। मंत्री ने कहा कि उन्हें पता चला कि कुछ महिलाएं अच्छे दिनों में अपने प्रसव की योजना बना रही हैं और निजी अस्पतालों में सी-सेक्शन सर्जरी के लिए जा रही हैं। इस तरह की प्रथाओं के खिलाफ चेतावनी देते हुए, राव ने कहा कि इससे मां और बच्चे को लंबे समय तक गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। मंत्री ने सामान्य और स्वस्थ प्रसव के लिए डॉक्टर द्वारा बताए गए योग और व्यायाम करने के महत्व को रेखांकित किया। यह कहते हुए कि वे सभी नई माताओं को केसीआर किट दे रहे हैं, राव ने कहा कि सरकार अप्रैल से गर्भवती महिलाओं को पोषण किट देना शुरू करेगी।

यह कहते हुए कि सिद्दीपेट निर्वाचन क्षेत्र को सीएमआरएफ से सबसे अधिक लाभ हुआ है, मंत्री ने कहा कि 6,463 लाभार्थियों को 26.05 करोड़ रुपये दिए गए। बैठक के दौरान शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को विकलंगुला निगम ऋण भी दिया गया। जिला परिषद अध्यक्ष वी रोजा शर्मा सहित अन्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट आत्मगौरव भवन का भूमिपूजन आज

अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट को तेलंगाना सरकार द्वारा उप्पल में दी गई 3 एकड़ जमीन पर निर्मित होने वाले अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट आत्मगौरव भवन का भूमिपूजन कार्यक्रम कल 25 जनवरी को किया जाएगा। कार्यक्रम में बतौर अतिथि भाग लेने के लिए मंत्री केटीआर को आमंत्रित करते हुए ट्रस्ट के चेयरमैन करोडीमल अग्रवाल। इस अवसर पर तैयारी का जायजा लेते हुए ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारी।

जनसेना तेलंगाना से सात से 14 एमपी सीटों पर चुनाव लड़ेगी : पवन कल्याण

जगतियाल, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता से नेता बने पवन कल्याण ने कहा कि जन सेना अगले चुनाव में राज्य में सात से 14 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि लक्ष्य तेलंगाना में कम से कम 10 जन सेना विधायक होना भी था। मंगलवार को कोंडागट्टू में मीडिया से बात करते हुए, पवन कल्याण ने तेलंगाना में राजनीतिक दलों के साथ जन सेना के संभावित चुनावी गठबंधन के बारे में भी बात की। यह कहते हुए कि वह राज्य के हर निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करेंगे, उन्होंने कहा कि वोटों के बंटवारे को खत्म करना उनकी पार्टी का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि इसके लिए जन सेना किसी भी राजनीतिक दल के साथ चुनावी गठबंधन करने के लिए तैयार है, जिसकी तेलंगाना में अच्छी विचारधारा है।

शमशाबाद जोन के पुलिस अधिकारियों को सीपी ने दिए कई निर्देश

अपराध नियंत्रण व पुलिस जांच के तरीकों पर समीक्षा बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्त स्टीफन रवींद्र ने आज साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के तहत शमशाबाद जोन के सभी पुलिस थानों के अधिकारियों के साथ शमशाबाद डीसीपी कार्यालय में अपराध समीक्षा बैठक की और वर्ष 2023 के लक्ष्यों को हल करने का निर्देश दिया। इस बैठक में सीपी ने कहा कि साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट के तहत आने वाले शमशाबाद जोन के सभी थानों में पुलिस कर्मियों को अपराधों की संख्या कम करने के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से बेसिक पुलिसिंग और सेक्टर वाइज पुलिसिंग पर फोकस करना चाहिए। उन्होंने कहा कि फील्ड स्तर पर सेक्टर एसआई की अहम भूमिका होती है। क्षेत्र निबंधकों को अपने क्षेत्रों में जिम्मेदारी से कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। अपराध कम करने के लिए सेक्टर एजेंसियों को नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

सेक्टर निबंध में विशेष रूप से जांच, सीन विजिट, क्राइम सीन, पिटा एक्ट पर फोकस होना चाहिए।उन्होंने यह भी कहा कि निरीक्षकों को अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहिए। निरीक्षकों को हर सप्ताह भूमि आदेश की समीक्षा करनी चाहिए।

सबूतों को इकट्ठा करके, संबंधित न्यायाधीशों को मजिस्ट्रेटों से परामर्श करना चाहिए और पीड़ितों को शीघ्र कानूनी सेवाएं प्रदान करनी चाहिए। बैठक में साइबराबाद सीपी के साथ साइबराबाद ट्रैफिक जॉइंट सीपी नारायण नाइक, क्राइम डीसीपी कलमेश्वर सिंघनवार, शमशाबाद डीसीपी जगदीश्वर रेड्डी, एडमिन डीसीपी इंदिरा, सीसीएस एडीसीपी नरसिम्हा रेड्डी, एडीसीपी, एसीपी, इंस्पेक्टर, डीआई व अन्य पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

छात्रा को ताड़ी कंपाउंड ले गया शिक्षक निलंबित

कोत्तागुडेम, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पलोंचा मंडल के पेटाचेरुवु में मंडल परिषद उच्च प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत एक शिक्षक को कर्तव्यों में कथित लापरवाही के लिए सेवाओं से निलंबित कर दिया गया है।

उस संबंध में डीईओ ई. सोमशेखर शर्मा ने एक आदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि स्कूल के समय के दौरान एक ताड़ी परिसर में जाने और हाल ही में स्कूल के छठी कक्षा के छात्र को अपने साथ ले जाने के लिए शिक्षक सीएच वेंकटरमण के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू की गई है। निलंबन आदेश जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टीके निर्देशों के बाद जारी किया गया है, क्योंकि यह घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी और कई लोगों ने शिक्षक के व्यवहार की निंदा की है।

पुलिस के हत्थे चढे डीजल चोर

सूर्यापेट, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यापेट शहर पुलिस ने मंगलवार को एक गिरोह के तीन लोगों को गिरफ्तार किया, जो विशेष मशीनों का उपयोग करके राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 65 के पास खड़े वाहनों से डीजल चोरी कर रहे थे। गिरफ्तार किए गए लोगों में गंगावरम गांव के लेकेला पूर्नैया (40), प्रकाशम जिले के गुटलापल्ली के कुनिशेट्टी मुशलैया (50) और आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के अरागुंटा के बनवत कृष्णा नाइक (42) शामिल हैं।

पुलिस अधीक्षक एस. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि गिरोह ने पिछले 20 दिनों में सूर्यापेट- I और II टाउन पुलिस थानों की सीमा में पांच लॉरियों से 1500 लीटर डीजल चुराया। गिरोह पहले विभिन्न अपराधों के लिए जेल जा चुका था ।

आरवीएनएल में चिकित्सा शिविर आयोजित

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 'रेल मंत्रालय के तहत भारत उद्यम रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' के एक भाग के रूप में आज सिकंदराबाद में अपने पीआईयू कार्यालय में 'इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी' के सहयोग से एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया है। शिविर के दौरान सामान्य चिकित्सा जांच, रक्त दान, अंगदान की प्रतिज्ञा की गतिविधि की गई। चिकित्सा शिविर के दौरान, आरवीएनएल व सिकंदराबाद के 61 व्यक्तियों और दक्षिण मध्य रेलवे वित्त विभाग के कुछ अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने स्वेच्छा से भाग लिया और रक्तदान किया। इस दौरान 9 व्यक्तियों ने अंगदान करने का संकल्प भी लिया। सभी रक्तदाताओं को मुख्य परियोजना प्रबंधक/आरवीएनएल/सिकंदराबाद मुन्ना कुमार द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए गए हैं।

नशा तस्कर गिरफ्तार, 15 ग्राम एमडीएमए जब्त

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद नारकोटिक एन्फोर्समेंट विंग (एच-न्यू) ने अंबरपेट पुलिस के साथ मिलकर एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 15 ग्राम एमडीएमए (मिथाइलेन डाइऑक्सी मेथामफेटामाइन) ड्रग व एक स्कोडा वाहन बरामद किया है। बरामद पदार्थ कुल कीमत 5 लाख रुपये बतायी जा रही है। गिरफ्तार व्यक्ति भरत ठुकराल (50) यूसुफगुड़ा के मधुरानगर का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, आसानी से पैसा कमाने के लिए ठुकराल ने ड्रग्स बेचने का फैसला किया और आखिरकार मुंबई व पूरे महाराष्ट्र और हैदराबाद में तस्करों और डीलरों के साथ संपर्क विकसित किया। वह न्यूनतम दर पर मादक पदार्थ खरीदकर हैदराबाद में ग्राहकों को उच्च दर पर बेचता था। वह अक्सर मुंबई जाता था और परिवहन के विभिन्न तरीकों से शहर में ड्रग्स की तस्करी करता था।'

एक गुप्त सूचना के आधार पर, पुलिस टीम ने ठुकराल को तब गिरफ्तार किया जब वह एक ग्राहक को ड्रग्स बेचने के लिए अंबरपेट आया था। अधिकारियों ने कहा कि अब तक नियमित आधार पर ठुकराल से मादक पदार्थ खरीदने वाले छह ड्रग उपभोक्ताओं की पहचान की गई है। अन्य की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ श्री सीता रामभ्यां नमः ॥ ॥ श्री हनुमते नमः ॥
नवग्रह देव प्रतिष्ठा मुहूर्त
वैदिक ब्राह्मणों द्वारा पांच दिवसीय
नवग्रह स्थापना
माघ शुक्ल पक्ष 1, रविवार, दिनांक 22-1-2023 से
माघ शुक्ल पक्ष बसंत पंचमी, से गुरुवार, दिनांक 26-1-2023
नवग्रह मंत्र
ॐ ब्रह्मा मुरारी त्रिपुरांतकारी
भानुः शशि भूमि सुतो बुधश्च ।
गुरुश्च शुक्र शनि राहु केतवः
सर्वे ग्रहा शांति करा भवंतु ।।
नवग्रह प्रतिष्ठा शुभ कार्यक्रम
माघ शुक्ल पक्ष 1, रविवार, 22-1-2023 - समस्त देवता नाम पूजा समय 10 से 5 बजे
माघ शुक्ल पक्ष 2, सोमवार, 23-1-2023 - पूजा, अन्नाधिवास समय 10 से 5 बजे
माघ शुक्ल पक्ष 3, मंगलवार, 24-1-2023 - पूजा, पुष्पाधिवास समय 10 से 5 बजे
माघ शुक्ल पक्ष 4, बुधवार, 25-1-2023 - पूजा, शइयाधिवास समय 10 से 5 बजे
अखण्ड रामचरित मानस पाठ
मंगलवार, 24-1-2023 एवं बुधवार 25-1-2023
माघ शुक्ल पक्ष 5, गुरुवार, 26-1-2023 समय 9 से 6 बजे
प्राण प्रतिष्ठा-हवन पूजन एवं अन्नदान भोजन-प्रसाद (भण्डारा)
स्थल :
श्री संकट मोचन दक्षिण मुख वीर हनुमान मंदिर
सी.आर.नगर, कोतवालगुडा रोड, हिमायतसागर पार्क,
एक्सोटिका के पास, हैदराबाद (तेलंगाना)
इस शुभ अवसर पर सभी भक्त सादर आमंत्रित है ।
आयोजक :
श्री संकट मोचन दक्षिण मुख वीर हनुमान भक्त मंडल
मो. 9399946744, 9700183441
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.